"जिस प्रकार शरीर में दृष्टि है, उसी प्रकार आत्मा में तर्क है।"
अरस्तु

RNI. MPHIN/2016/68439

दैनिक मेल पॉवर

पेज 4

वर्ष- 10 | अंक-72 | भोपाल, शनिवार 9 अगस्त 2025 | पेज-8 | आमंत्रण मूल्य -1 रुपए | राजधानी भोपाल से प्रसारित

न्यूज़ ब्रीफ

बस पर पेड़ गिरा, 5 की मौत

बाराबंकी। यूपी के बाराबंकी में रोडवेज बस पर पेड़ गिर गया। हादसे में 5 लोगों की मौत हो गई। इनमें एक टीचर, दो ब्लॉक की अधिकारी समेत 4 महिलाएं हैं। एक की हालत गंभीर है। 60 लोगों से भरी बस बाराबंकी से हैदरगढ़ जा रही थी। शुक्रवार सुबह 11 बजे हरख चौराहे के पास बस के सामने एक जानवर आ गया। उसे बचाने के चक्कर में बस पहले बिजली के पोल से टकराई, फिर पेड़ से जा भिड़ी। इसके बाद पेड़ बस के ऊपर गिर गया। सूचना मिलते ही पुलिस पहुंच गई। जेसीबी बुलाकर पेड़ हटवाया। करीब 1 घंटे तक रेस्क्यू ऑपरेशन चला। बस में सवार यात्रियों को पुलिस ने दूसरी बस से भेजा। पेड़ इतना भारी था कि बस की पूरी छत पिचक गई।

कार खाई में गिरी, 6 की मौत

चंबा। हिमाचल प्रदेश के चंबा जिला में स्विफ्ट कार पर पहाड़ी से चट्टान गिर गई। जिसके बाद कार 500 मीटर गहरी खाई में जा गिरी। हादसे में एक ही परिवार के 4 लोगों समेत 6 की मौत हो गई। मरने वालों में एक फौजी भी शामिल है, जो 15 दिन पहले छुट्टी पर घर आया था। स्थानीय लोगों ने पुलिस को इसकी सूचना दी और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। हादसा रात 9 बजकर 20 मिनट तीसा उपमंडल के चनवास क्षेत्र में हुआ है। पुलिस के अनुसार, चनवास में पहाड़ी से एक बड़ी चट्टान सीधे स्विफ्ट गाड़ी पर गिरी। जिसके बाद गाड़ी खाई में जा गिरी। रात में शवों को 3 बजे तक खाई से सड़क तक लाया जा सका। अब सभी के शव पोस्टमॉर्टम के लिए तीसा अस्पताल लाए गए हैं।

विस्फोट में सीआरपीएफ के दो जवान घायल

रांची। झारखंड के चाईबासा जिले में नक्सल प्रभावित सारंडा जंगल के दीघा इलाके में शुक्रवार को सर्च ऑपरेशन के दौरान आईईडी ब्लास्ट में कोबरा बटालियन के दो जवान गंभीर रूप से घायल हो गए। सीआरपीएफ की टीम इलाके में नक्सलियों के खिलाफ सर्च अभियान चला रही थी, तभी नक्सलियों द्वारा जमीन में छिपाकर रखे गए आईईडी बम में विस्फोट हो गया। जानकारी के मुताबिक, ब्लास्ट की चपेट में आने से दोनों जवान बुरी तरह घायल हो गए। साथियों ने तुरंत उन्हें प्राथमिक उपचार दिया और फिर बेहतर इलाज के लिए हेलीकॉप्टर के माध्यम से रांची के मेडिका अस्पताल भेजा गया। दोनों की हालत गंभीर बताई जा रही है।

केंद्र सरकार ने लोकसभा से वापस लिया आयकर विधेयक

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने लोकसभा से आयकर विधेयक 2025 को वापस ले लिया है। विधेयक की जांच के लिए बनी प्रवर समिति की रिपोर्ट के बाद यह फैसला लिया गया। अब इस विधेयक का नया वर्जन 11 अगस्त को सदन में पेश किया जाएगा। नए विधेयक में प्रवर समिति की सिफारिशों को शामिल किया गया है। बताया जा रहा है कि नया विधेयक 11 अगस्त को लोकसभा में पेश किया जाएगा। केंद्र सरकार ने आयकर विधेयक 2025 को 13 फरवरी 2025 को लोकसभा में पेश किया था।

यह हमारी साझा पहचान, स्वतंत्रता और एकता का एक भव्य उत्सव है

हर घर तिरंगा अभियान 2025 को बनाएं जन-आंदोलन : मुख्यमंत्री डॉ यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में देश अपनी स्वतंत्रता के 'अमृत काल' में प्रवेश कर रहा है। अमृत काल में 'हर घर तिरंगा' अभियान 2025, राष्ट्रीय ध्वज को हर भारतीय के घर तक पहुंचाने वाला एक राष्ट्रव्यापी आंदोलन है। यह हमारी साझा पहचान, स्वतंत्रता और एकता का एक भव्य उत्सव है, जो तिरंगे की भावना से ओत-प्रोत है। यह केवल एक प्रतीक नहीं, बल्कि हमारे राष्ट्र के सामूहिक गौरव और आकांक्षाओं का जीवंत प्रतिनिधित्व है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेशवासियों से 'हर घर तिरंगा' अभियान 2025 में पूरे उत्साह, गर्व और देशभक्ति की भावना के साथ बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की है। यह अभियान 2 अगस्त से शुरू हुआ है जो 15 अगस्त 2025 तक चलेगा। यह देश की स्वतंत्रता और एकता का एक राष्ट्रव्यापी उत्सव है, जो हमारे गौरवशाली राष्ट्रीय ध्वज, तिरंगे की भावना से ओत-प्रोत है। उल्लेखनीय

है कि वर्ष 2022 में 'आजादी का अमृत महोत्सव' के अहम भाग के रूप में शुरू हुआ। यह अभियान अब एक शक्तिशाली जन आंदोलन बन चुका है, जिसमें पूरे भारत और दुनिया भर के भारतीय ले रहे हैं। इसका लक्ष्य प्रत्येक नागरिक में देशभक्ति की भावना को जागृत करना और राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान को प्रगाढ़ करना है। तिरंगा, एक अद्वितीय और सार्वभौमिक रूप से मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय प्रतीक के रूप में, एक शक्तिशाली एकीकृत शक्ति के रूप में कार्य करता है। यह अभियान प्रभावी ढंग से देशवासियों में अपनेपन की सामूहिक भावना को बढ़ावा देगा।

'हर घर तिरंगा' अभियान के इस वर्ष के 3 शक्तिशाली चरण

इस वर्ष 'हर घर तिरंगा' अभियान 2 अगस्त से शुरू होकर तीन शक्तिशाली चरणों में चलेगा, जिसमें जागरूकता निर्माण और जन जुड़ाव पर जोर दिया जाएगा। इस वर्ष के अभियान का विषय स्वैच्छिक कार्यों, नागरिक गौरव, स्वच्छता अभियान और हमारे सशस्त्र बलों तथा पुलिस कर्मियों के प्रति कृतज्ञता पर विशेष ध्यान केंद्रित करता है। यह झंडा फहराने से आगे बढ़कर सक्रिय नागरिकता को बढ़ावा देता है। अभियान में तिरंगा-प्रेरित कला, संगीत समारोह, प्रदर्शनियाँ, रैलियाँ, पुलिस कर्मियों और सैनिकों को राखियाँ और पत्र भेजना, क्विज और देशभक्ति फिल्मों की स्क्रीनिंग सहित कई प्रेरक कार्यक्रम और गतिविधियाँ शामिल हैं।

अभियान के चरण और प्रमुख गतिविधियाँ

अभियान में पहले चरण 8 अगस्त तक जागरूकता बढ़ाने और तिरंगे की भावना को जन-जन तक पहुंचाने पर ध्यान केंद्रित किया गया है। इसमें विद्यालयों और सार्वजनिक स्थानों पर तिरंगा पर केंद्रित रंगोली निर्माण, प्रमुख स्थानों पर तिरंगे के इतिहास और महत्व पर आधारित प्रदर्शनी, पुलिस कर्मियों और सैनिकों को राखियाँ और पत्र भेजना, शासकीय भवनों पर तिरंगा रौशनी से प्रकाशित करना आदि गतिविधियाँ हुईं। दूसरे चरण में 9 अगस्त से 12 अगस्त तक लोगों के बीच सामुदायिक जुड़ाव और सामूहिक भागीदारी को बढ़ावा दिया जाएगा। इसमें तिरंगा महोत्सव, सांस्कृतिक कार्यक्रम और तिरंगा रैलियाँ प्रमुख रूप से आयोजित की जाएंगी। इसके साथ ही सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर तिरंगा क्विज का आयोजन किया जाएगा। अंतिम और तीसरा चरण, 13 से 15 अगस्त तक, व्यक्तिगत स्तर पर देशभक्ति के प्रदर्शन पर केंद्रित रहेगा।

नेपाली युवती से दुष्कर्म मामले में दो लोग गिरफ्तार

पटना। पटना में एक नेपाली युवती से दुष्कर्म के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए मुख्य आरोपी का नाम कार्तिक राय, और दूसरे आरोपी का नाम सुनील कुमार है। दरअसल 3 अगस्त की सुबह युवती की मुलाकात पाटलिपुत्र जंक्शन पर कार्तिक राय से हुई थी। 4 अगस्त की रात को कार्तिक ने बस के अंदर उसके साथ दुष्कर्म किया। इसके बाद आरोपी कार्तिक ने युवती को सुनील कुमार के पास छोड़ दिया। सुनील युवती को बेचने की फिराक में था। घटना के बाद, कार्तिक राय सबूत मिटाने के लिए बस की सफाई कर कोलकाता भाग गया था। वहाँ युवती का सामान बेचकर वापस मुजफ्फरपुर आया और फिर दोबारा कोलकाता जा रहा था, तभी बरौनी में ट्रेन से पकड़ा गया। सुनील कुमार को औरंगाबाद से पकड़ा गया। पटना

सेंट्रल एसपी दीक्षा ने बताया कि पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। मुख्य आरोपी कार्तिक राय के पास से युवती का आईडी कार्ड और नेपाली सिम बरामद किया गया है। बस को भी जब्त कर लिया गया है। पीड़िता का बयान शुक्रवार को पटना सिविल कोर्ट में मजिस्ट्रेट के सामने दर्ज कराया गया है। कानूनी प्रक्रिया पूरी होने के बाद, गोरखा समाज की ओर से मैती नेपाल संस्थान की मदद से युवती को नेपाल वापस भेजा जाएगा।

योगी मंत्रिमंडल में फैसला,

प्रदेश में तीन नए निजी विश्वविद्यालयों की स्थापना होगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में योगी मंत्रिमंडल ने उच्च शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए कई महत्वपूर्ण फैसले लिए है, इन फैसलों के तहत तीन नए निजी विश्वविद्यालयों की स्थापना और गरीब छात्रों के लिए एक अंतरराष्ट्रीय छात्रवृत्ति योजना शामिल है। योगी मंत्रिमंडल की बैठक में फैसला लिया गया कि प्रदेश में तीन नए निजी विश्वविद्यालय बनाए जाएंगे, जो राज्य के छात्रों के लिए उच्च शिक्षा के अवसरों को बढ़ाएंगे। वेदांत विश्वविद्यालय, मुजफ्फरनगर: यह विश्वविद्यालय लाला फतेहचंद चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा 23.33 एकड़ भूमि पर स्थापित होगा। इस उच्च शिक्षा विभाग और राज्य स्तरीय विशेषज्ञ समिति दोनों से मंजूरी मिल गई है। ट्रस्ट को दो साल में सभी औपचारिकताएं पूरी करनी होंगी। बोधिसत्व विश्वविद्यालय, बाराबंकी इस उत्तर प्रदेश निजी विश्वविद्यालय (तृतीय संशोधन)

अधिनियम के तहत सभी नियामक आवश्यकताओं को पूरा करने के बाद मंजूरी मिली है। यह अब शैक्षणिक कार्य शुरू कर सकता है। केडी विश्वविद्यालय, मथुरा का यह विश्वविद्यालय, जो पहले से ही एक दंत चिकित्सा महाविद्यालय चला रहा है, को अब पूर्ण विश्वविद्यालय के रूप में कार्य करने की मंजूरी मिल गई है। इसके पास शहरी विश्वविद्यालयों के लिए आवश्यक 20 एकड़ से अधिक यानी 50 एकड़ से अधिक भूमि है। इसके अलावा, योगी मंत्रिमंडल ने भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी उत्तर प्रदेश राज्य छात्रवृत्ति योजना को भी मंजूरी दी है।

लाखों लोगों को बताया राष्ट्रध्वज का महत्व और इतिहास

राष्ट्रीय ध्वज के प्रति अलख जगा रहे डॉ. रवि अतरोलिया, 27 वर्षों से जारी है तिरंगा अभियान

435 से ज्यादा कार्यक्रम आयोजित

इंदौर। देश की आन, बान और शान, राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे के प्रति जन-जागरूकता फैलाने के लिए पूर्व डीएसपी डॉ. रवि अतरोलिया बीते 27 वर्षों से लगातार काम कर रहे हैं। तिरंगा अभियान के प्रमुख के रूप में उन्होंने 435 से अधिक कार्यक्रमों के माध्यम से लाखों विद्यार्थियों और नागरिकों को राष्ट्रीय ध्वज के इतिहास, महत्व और उसे फहराने के सही तरीकों से परिचित कराया है। डॉ. अतरोलिया ने इंदौर सहित मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, उत्तरप्रदेश, दिल्ली और अन्य राज्यों में विभिन्न शिक्षण संस्थानों, पुलिस प्रशिक्षण केंद्रों, बीएसएफ, एनसीसी और सामाजिक संगठनों में जाकर कार्यक्रम आयोजित किए हैं। वह विशेष रूप से बच्चों को सरल शब्दों में तिरंगे की कहानी समझाते हैं। डॉ. अतरोलिया अपने कार्यक्रमों में बताते हैं कि एक मानक राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा कैसा होना चाहिए। इसके प्रमुख बिंदुओं में शामिल हैं:ध्वज हमेशा आयताकार होना चाहिए, जिसकी लंबाई और चौड़ाई का अनुपात 2:3 हो। रंग और प्रतीक : सबसे ऊपर केसरिया (त्याग और बलिदान का प्रतीक), बीच में सफेद (सत्य और शांति का प्रतीक), और नीचे हरा रंग (श्रद्धा और शौर्य का प्रतीक) होना चाहिए। - अशोक चक्र : सफेद पट्टी के केंद्र में

सारनाथ स्थित अशोक स्तंभ का 24 शलाकाओं वाला नीला चक्र होना चाहिए। यह चक्र देश की 24 घंटे निरंतर प्रगति का संदेश देता है। वे ध्वजारोहण के सही तरीके भी बताते हैं। ध्वज फहराने वाला व्यक्ति हमेशा बाईं ओर खड़ा हो और ध्वज सूर्योदय के समय फहराकर सूर्यास्त के समय उतार लिया जाना चाहिए। वह प्लास्टिक से बने झंडों का उपयोग न करने की भी सलाह देते हैं, क्योंकि वे पर्यावरण के लिए हानिकारक होते हैं। अभियान की प्रेरणा और शुरुआत डॉ. अतरोलिया को यह प्रेरणा वर्ष 1995 में पूर्व सांसद और उद्योगपति नवीन जिंदल के एक व्याख्यान से मिली, जिसका संचालन उन्होंने इंदौर में किया था।

तमिलनाडु में स्टालिन सरकार ने राज्य शिक्षा नीति का अनावरण किया

चेन्नई। तमिलनाडु ने शिक्षा के क्षेत्र में अपनी स्वायत्तता बनाए रखने के लिए अपनी खुद की राज्य शिक्षा नीति (एसईपी) का अनावरण किया है। यह नीति केंद्र सरकार की राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के विरोध में लाई गई है। एसईपी को सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति मुरुगेसन की अध्यक्षता वाली 14-सदस्यीय समिति ने तैयार किया है। तमिलनाडु की एसईपी और केंद्र की एनईपी के बीच कई महत्वपूर्ण अंतर हैं, जो तमिलनाडु सरकार की शिक्षा को लेकर अलग सोच को दिखाता है। एनईपी के त्रि-भाषा फॉर्मूले (तीन-भाषा सूत्र) के विपरीत, एसईपी द्वि-भाषा नीति को ही जारी रखेगी। तमिलनाडु सरकार एनईपी के त्रि-भाषा फॉर्मूले को हिंदी थोपने का प्रयास मानती है। एनईपी विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए केंद्रीकृत प्रवेश परीक्षाओं का समर्थन करती है। इसके विपरीत, एसईपी कला और विज्ञान पाठ्यक्रमों में स्नातक स्तर पर

प्रवेश के लिए कक्षा 11 और 12 के कुल अंकों को आधार बनाने की सिफारिश करती है। वहीं एनईपी कक्षा 3, 5 और 8 में सार्वजनिक परीक्षाओं का प्रस्ताव देती है। तमिलनाडु सरकार इस प्रस्ताव को प्रतिगामी मानती है और उसका मानना है कि इससे स्कूल छोड़ने वालों की संख्या बढ़ सकती है। तमिलनाडु सरकार का आरोप है कि एनईपी को लागू न करने के कारण केंद्र सरकार ने समग्र शिक्षा योजना के तहत 2,152 करोड़ रुपये रोक रखे हैं। तमिलनाडु के मंत्री उदयनिधि स्टालिन ने कहा कि राज्य एनईपी को लागू नहीं करेगा, भले ही हमारी सरकार को 1,000 करोड़ रुपये का नुकसान हो।

टैरिफ वार पर अब भारत की बारी, अमेरिका से हथियार और विमान नहीं खरीदने पर रोक

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का वॉशिंगटन दौरा किया रद्द

नई दिल्ली। टैरिफ विवाद के बीच भारत ने जोरदार पलटवार करते हुए अमेरिका से हथियार और विमान नहीं खरीदने का बड़ा फैसला लिया है। एक रिपोर्ट में दो बड़े अफसरों के हवाले से बताया कि भारत ने नए अमेरिकी हथियार और विमान खरीदने की अपनी योजना को रोक दिया है। इसमें रक्षा सौदा करीब 31,500 करोड़ रुपए का है। मामले से जुड़े अधिकारियों के मुताबिक, अमेरिकी हथियारों की खरीद के लिए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह वॉशिंगटन जाने वाले थे। लेकिन अब राजनाथ सिंह अमेरिका की यात्रा पर नहीं जा रहे है। अफसरों के मुताबिक, भारतीय नौसेना के लिए 6 बोइंग पी8आई टोही विमान और सपोर्ट

सिस्टम की खरीद की घोषणा करने की योजना भी बना रहे थे। प्रस्तावित 3.6 अरब डॉलर के सौदे में इन विमानों की खरीद पर फैसला होना था। लेकिन भारत पर ट्रंप के द्वारा अब तक 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने का ऐलान कर चुके हैं। उन्होंने 30 जुलाई को 25 प्रतिशत टैरिफ लगाया था, जो 7 अगस्त से लागू हो गया है। वहीं, 6 अगस्त को ऑर्डर पर साइन कर भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ और बढ़ाया है, जो 27 अगस्त से लागू होगा। ट्रम्प के आदेश में कहा गया है कि रूसी तेल की खरीद की वजह से भारत पर यह एक्शन हुआ है। रूस इस पैसे का इस्तेमाल यूक्रेन के खिलाफ जंग में कर रहा है। अफसरों ने बताया कि भारत अमेरिका के साथ बातचीत करता रहेगा। टैरिफ और द्विपक्षीय संबंधों पर स्पष्टता के बाद ही फैसला हो सकता है। रक्षा सौदे भी तभी आगे बढ़ पाएंगे। हालांकि, इन सौदों को रोकने के लिए लिखित निर्देश नहीं दिए गए हैं।

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को 2025-26 में भी मिलेगी सब्सिडी

12,060 करोड़ मंजूर

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में शुक्रवार को कैबिनेट बैठक हुई। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया, कैबिनेट की बैठक में 5 अहम फैसले हुए हैं। इसके लिए कुल 52,667 करोड़ के फंड्स/प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी गई है। रेल मंत्री वैष्णव ने बताया कि प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को 2025-26 में भी सब्सिडी मिलेगी, जिसके लिए 12,060 करोड़ मंजूर किए हैं। उन्होंने कहा कि पीएम उज्ज्वला योजना को समावेशी विकास (सबके लिए विकास) के लिए वैश्विक स्तर पर सराहना मिली है। इसका मकसद लोगों की जिंदगी में बदलाव लाना है।

बैठ में तय हुआ है कि घरेलू एलपीजी पर घाटे की भरपाई के लिए सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों को 30,000 करोड़ का मुआवजा दिया जाएगा। वहीं, तकनीकी शिक्षा में सुधार के लिए मैरिट योजना को 4,200 करोड़ की मदद दी जाएगी। इसके अलावा असम और त्रिपुरा के लिए विशेष विकास पैकेज की मौजूदा योजना के तहत 4 नए प्रोजेक्ट को मंजूरी मिली है।

कैबिनेट ने 2 बड़े प्रोजेक्ट्स को भी मंजूरी दी

मोदी सरकार ने नेशनल इन्फ्रास्ट्रक्चर एंड प्रोजेक्ट कॉर्पोरेशन (एनआईपीसी) को और ताकत देने के लिए 20,000 करोड़ रुपए का स्पेशल फंड दिया है। इस फंड का इस्तेमाल रिन्यूएबल एनर्जी प्रोजेक्ट्स जैसे सोलर, विंड, ग्रीन हाइड्रोजन में निवेश के लिए किया जाएगा। नेशनल क्लीन इन्वेस्टमेंट लिमिटेड (एनसीआईएल) को क्लीन टेक्नोलॉजी और इनोवेटिव स्टोरेज के लिए 7,000 करोड़ रुपए की नई पूंजी मिलेगी।

स्वामी प्रसाद मौर्या के खिलाफ केस दर्ज करने का आदेश, रामायण को बकवास बताया

लखनऊ। पूर्व कैबिनेट मंत्री और अपनी जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी प्रसाद मौर्य के खिलाफ वाराणसी की एक कोर्ट ने मुकदमा दर्ज करने का आदेश दिया है। यह आदेश वाराणसी की एमपी/एमएलए कोर्ट ने दिया है। कोर्ट में दाखिल याचिका में कहा गया था कि 22 जनवरी 2023 को एक इंटरव्यू के दौरान तत्कालीन सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्या ने पूछे गए प्रश्न, तुलसीदास की रामायण करोड़ों हिन्दुओं के आस्था का एक ग्रन्थ है। ?घरों में मानस पाठ होता है। आपको नहीं लगता इससे जो हिन्दू हैं..वे आपसे नाराज हो जाएंगे? इसपर मौर्या ने उत्तर देकर कहा कि मैं क्या, करोड़ों लोग इस नहीं पढ़ते हैं, सब बकवास है। ये तुलसीदास ने अपनी प्रसन्नता अपनी खुशी के लिए लिखा है। अधिवक्ता अशोक कुमार ने कोर्ट में याचिका दायर की थी, जिसमें आरोप लगाया गया था कि 22 जनवरी 2023 को एक न्यूज चैनल को दिए इंटरव्यू में स्वामी प्रसाद मौर्य ने तुलसीदास और रामचरितमानस को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। उन्होंने कहा था कि तुलसीदास की रामायण एक बकवास है, जिसे तुलसीदास ने अपनी खुशी के लिए लिखा था। इसके अलावा, उन्होंने इस ग्रंथ को बैन करने की भी मांग की थी। याचिकाकर्ता ने बयान के सबूत के तौर पर इंटरव्यू की रिकॉर्डिंग कोर्ट में पेश की। कोर्ट ने इस मामले की सुनवाई के बाद सीआरपीसी की धारा 156(3) के तहत थाना प्रभारी को स्वामी प्रसाद मौर्य के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने का आदेश दिया है।

सुप्रीम कोर्ट | नई समिति गठित, राज्य सरकार के अध्यादेश पर भी रोक

बांके बिहारी मंदिर विवाद में सुप्रीम कोर्ट ने दिया यूपी सरकार को बड़ा झटका, कॉरिडोर के लिए मंदिर फंड के इस्तेमाल की अनुमति रद्द

उच्चतम न्यायालय ने अपने पूर्व आदेश को लिया वापस

नई दिल्ली। मथुरा स्थित श्री बांके बिहारी मंदिर कॉरिडोर परियोजना को लेकर उत्तर प्रदेश सरकार को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। शीर्ष अदालत ने शुक्रवार को अपने 15 मई 2025 के उस आदेश को वापस ले लिया, जिसमें यूपी सरकार को मंदिर ट्रस्ट के 500 करोड़ रुपये के फंड का इस्तेमाल कॉरिडोर निर्माण के लिए करने की अनुमति दी गई थी। यह फैसला जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ ने सुनाया। कोर्ट ने मंदिर प्रबंधन के लिए एक नई निगरानी समिति के गठन का निर्देश भी दिया है, जिसकी अध्यक्षता इलाहाबाद हाईकोर्ट के एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश करेंगे। दरअसल उत्तर प्रदेश सरकार वृंदावन स्थित प्राचीन

और श्रद्धालुओं की आस्था के केंद्र श्री बांके बिहारी मंदिर के चारों ओर एक व्यापक कॉरिडोर बनाना चाहती है। इस परियोजना के तहत मंदिर आने वाले हर सप्ताह लाखों श्रद्धालुओं के लिए सुविधाएं विकसित करने की योजना है। सरकार ने मंदिर के फंड से 500 करोड़ रुपये इस परियोजना में लगाने की अनुमति सुप्रीम कोर्ट से मांगी थी, जिसे कोर्ट ने पहले मंजूरी दे दी थी। हालांकि, अब कोर्ट ने उस आदेश को वापस लेने का निर्णय लिया है। सरकारी अध्यादेश पर भी रोक उत्तर प्रदेश सरकार ने हाल ही में एक बांके बिहारी मंदिर ट्रस्ट अध्यादेश, 2025 पारित कर, मंदिर प्रबंधन के लिए एक समिति गठित करने की कोशिश की थी। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने अंतरिम रोक लगाते हुए कहा कि सरकार अब कोई नई समिति नहीं बनाएगी, जब तक अध्यादेश की वैधता पर निर्णय नहीं हो जाता। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ताओं को अध्यादेश की वैधता को इलाहाबाद हाईकोर्ट में चुनौती देने की अनुमति दी है। निगरानी समिति का गठन सुप्रीम कोर्ट ने मंदिर के दैनिक प्रबंधन और निगरानी के लिए, एक अस्थायी समिति गठित करने का निर्णय लिया है।

आसाराम को दिल की तकलीफ के कारण आईसीयू में भर्ती किया गया

इंदौर। नाबालिग से दुष्कर्म के दोषी आसाराम को दिल की तकलीफ के कारण 1 से 3 अगस्त तक इंदौर के विशेष जुपिटर हॉस्पिटल के आईसीयू में भर्ती किया गया था। डॉक्टरों ने बताया है कि उनका ट्रोपोनिन लेवल काफी बढ़ा हुआ पाया गया, जो दिल के दौरे का संकेत हो सकता है। अस्पताल में हुई आसाराम की जांचों में हार्ट संबंधी तकलीफ पाई गई थी। हाल ही में हुई जांच में आसाराम का ट्रोपोनिन लेवल काफी बढ़ा हुआ आया है। ट्रोपोनिन एक प्रोटीन है जो हार्ट की मांसपेशियों में पाया जाता है। ट्रोपोनिन का बहुत ज्यादा स्तर दिल के दौरे का संकेत देता है। अस्पताल में उनका इलाज डॉ. अशोक ठाकुर की देखरेख में हुआ। फिलहाल डॉक्टरों ने उन्हें आराम करने की सलाह दी है।

अस्पताल प्रशासन ने आसाराम से जुड़ी कोई भी जानकारी देने से इंकार कर दिया है। स्वास्थ्य बिगड़ने के चलते, गुजरात हाईकोर्ट ने 86 वर्षीय आसाराम की अंतरिम जमानत 21 अगस्त तक के लिए बढ़ा दी है। आसाराम ने कोर्ट में खराब सेहत का हवाला देकर तीसरी बार जमानत बढ़ाने की अर्जी दी थी। अब उनकी टीम जोधपुर मामले में भी राजस्थान हाईकोर्ट में जमानत बढ़ाने की तैयारी कर रही है।

संकट की घड़ी में सरकार आपके साथ है : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

बाढ़ प्रभावितों से चर्चा कर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किया आश्वस्त

- शिवपुरी, गुना, दमोह, रायसेन, छिंदवाड़ा के बाढ़ प्रभावितों से की वर्चुअली चर्चा

दैनिक भेल पॉवर ■

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश सरकार संकट की घड़ी में बाढ़ प्रभावित परिवारों के साथ है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को मुख्यमंत्री निवास समत्व भवन से प्रदेश के 28 हजार से अधिक बाढ़ प्रभावितों को 30 करोड़ की राशि का सिंगल क्लिक से अंतरण कर प्रभावितों से चर्चा कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शिवपुरी, गुना, दमोह, रायसेन, छिंदवाड़ा के बाढ़ प्रभावितों से वर्चुअली चर्चा की। उन्होंने प्रभावितों से बाढ़ के दौरान प्रशासन द्वारा किए गए प्रबंधों की जानकारी ली। शिवपुरी के श्री भागचंद, मऊगंज के श्री राधेश्याम साकेत, दमोह के श्री हेमराज, रायसेन के श्री गोविंद सिंह सेन, छिंदवाड़ा के श्री चंद्रमोहन सहित गुना और अन्य जिले के बाढ़ प्रभावितों ने बताया कि इस वषार्काल में जैसी बाढ़ आयी, वैसी पहले कभी नहीं आयी थी। प्रशासन के द्वारा बाढ़ के दौरान हम प्रभावित परिवारों को कैम्प लगाकर रहने की व्यवस्था के साथ भोजन आदि की व्यवस्था भी की गई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह हमारे संस्कार ही हैं कि कष्ट की इस घड़ी में भी ग्रामीणजन अपनी बात विनम्रता के साथ कह रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस बार मानसून काल में अब तक 37 प्रतिशत अधिक वर्षा हो चुकी है, जिससे प्रदेश के कई क्षेत्रों में बाढ़ की स्थिति बनी। उन्होंने स्वयं बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचकर प्रभावितों से मुलाकात की और स्थिति का जायजा लिया।

28 हजार से अधिक प्रभावितों को 30 करोड़ की राहत राशि सिंगल क्लिक से की अंतरित

सामाजिक और धार्मिक संगठनों ने निभाई महत्वपूर्ण भूमिका

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सरकार ने वषार्काल में बाढ़ से निपटने के पहले से इंतजाम कर रखे थे। राज्य के मंत्रीगण और केन्द्रीय मंत्रीगण सभी से सम्पर्क बनाकर प्रदेश के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में बचाव कार्य के प्रबंधन की व्यवस्था की थी। उन्होंने कहा कि अतिवृष्टि और बाढ़ के संकट से निपटने के लिए एसडीआरएफ, एनडीआरएफ और सेना के जवानों की जहां आवश्यकता पड़ी, वहां सक्रिय किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अतिवृष्टि और बाढ़ से प्रभावितों को मदद करने में सामाजिक और धार्मिक संगठनों ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। मुख्यमंत्री ने इन संगठनों के प्रति आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में भ्रमण के दौरान मिले अनुभवों को साझा करते हुए बताया कि शिवपुरी में दो व्यक्ति बाढ़ में 36 घंटे घिरे रहे और उन्हें प्रशासन ने बाढ़ से बाहर निकाला। इन व्यक्तियों का कहना था कि वे प्रशासन के प्रयासों से ही से बाढ़ से बाहर निकल सकें। इसी प्रकार गुना में बाढ़ प्रभावित महिलाओं से मिलने के दौरान सबसे पहले बहनों ने उन्हें राखी भेंट की। इसके बाद उन्होंने बाढ़ की बात कही। उन्होंने कहा कि बहनों ने अपने कष्ट की बात कहने से पहले राखी भेंट की, यह हमारी संस्कृति है।

अतिवृष्टि और बाढ़ के दृष्टिगत हमें रहना है सावधान

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वर्षा ऋतु अभी समाप्त नहीं हुई है। हमें अतिवृष्टि और बाढ़ के दृष्टिगत सावधान रहना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अतिवृष्टि और बाढ़ प्रभावितों को 28 करोड़ रूपए की राशि पहले दी जा चुकी है, 30 करोड़ की राशि आज दी गई है। उन्होंने कहा कि यह राशि फसल की क्षति को छोड़कर है। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में फसल क्षति का सर्वे किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि वर्ष 2025-26 में राहत के विभिन्न मदों में अब तक 123 करोड़ की राहत राशि प्रभावितों को वितरित की गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आपदा प्रबंधन के लिए सभी जिलों को पर्याप्त राशि उपलब्ध कराई गई है। राजस्व मंत्री श्री करण सिंह वर्मा, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा राज्य मंत्री श्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल, प्रमुख सचिव राजस्व श्री विवेक पोरवाल इस अवसर पर मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में उपस्थित थे। बाढ़ की स्थिति में सहायता के लिए टोल फ्री नं-1079 पर सम्पर्क करें उल्लेखनीय है कि प्रदेश में अब तक 729.1 एमएम वर्षा हो चुकी है, जो सामान्य से 37 प्रतिशत ज्यादा है, जो बहुत कम समय में तेजी से हुई। गुना, निवाड़ी, टीकमगढ़, मंडला एवं अशोकनगर में सर्वाधिक वर्षा दर्ज हुई। इस मानसून में अभी तक कुल 296 जनहानि तथा लगभग 1685 पशुहानि हुई है। साथ ही 299 मकानों पूर्ण रूप से क्षति होने की सूचना प्राप्त हुई है। लगभग 4114 मकानों में आंशिक क्षति भी हुई है। प्रदेश में अब तक 61 राहत कैम्प चलाये गये है, जिनमें 7345 लोगों को रखा गया। वर्तमान में मऊगंज में 02 राहत शिविर चालू है, जिसमें 175 लोग रह रहे हैं। प्रदेश में ज्यादातर सिंचाई डेम अभी 40 से 90 प्रतिशत के आस-पास भरे हैं एवं 04 डेम 100 प्रतिशत भरे हैं।

स्कूली वाहन पलटा, तीन छात्र घायल, पुलिस के बुलावे पर भी दस्तावेज लेकर नहीं पहुंचे स्कूल संचालक

जमोनिया के पास मुंगावली गांव के पास हुआ हादसा

दैनिक भेल पॉवर ■

सीहोर। नवीन स्कूल सत्र की शुरूआत हुए लगभग पौने दो महीने का समय हो गया है। स्कूलों में बच्चों को लाने ले जाने के लिए खटारा, अच्छे सभी तरह के वाहन संचालित हो रहे हैं। इस सत्र के दौरान अब तक जिले के राज्य परिवहन अधिकारी व उनके अमले ने स्कूली वाहनों की जांच पड़ताल की जहमत नहीं उठाई। नतीजतन बेरोक-टोक स्कूली वाहन सडकों पर दौड़ रहे हैं। इसका खामियाजा यह हुआ कि शुक्रवार को मुख्यालय के नजदीकी ग्राम में एक स्कूली वाहन पलट गया, जिसमें तीन छात्र घायल हुए हैं। घटना के बाद मण्डी थाना पुलिस ने स्कूल संचालक को वाहन के दस्तावेज के साथ तलब किया था। पुलिस के बुलावे पर स्कूल संचालक तो पहुंचे लेकिन दस्तावेज लेकर नहीं आए। जानकारी के अनुसार मुख्यालय के नजदकी ग्राम जमुनिया में स्थित ब्राइट पब्लिक स्कूल का एक स्कूल वाहन के पलट जाने से बड़ा हादसा होते-होते बच गया। स्कूल वाहन में सवार बच्चों को मामूली चोटें आई हैं। यह घटना मुंगावली के पास घटित हुई। एक नहीं, दो बार हुआ हादसा ग्रामीणों के अनुसार हादसा एक बार नहीं, बल्कि दो बार हुआ। पहले खराब सडक के कारण वाहन रास्ते से उतर गई थी। इसके बाद बच्चों को दूसरे वाहन में बैठाया गया, लेकिन वह दूसरा वाहन भी कुछ दूर जाकर पलट गया। इस लापरवाही से बच्चों की जान खतरे में पड़ गई थी। घटना ने प्रशासन की कार्यशैली पर सवालिया निशान लगा दिया है कि ऐसे खस्ताहाल वाहन सडकों पर कैसे चल रहे हैं। स्कूली सीजन को शुरू हुए पौने दो महीने हो गए, लेकिन संबंधित विभाग द्वारा स्कूली वाहनों की नियमित जांच नहीं की जाती।

स्कूली वाहनों के लिए यह नियम

सभी स्कूल बसों को पीले रंग से रंगा होना अनिवार्य है। - बस के आगे और पीछे बड़े अक्षरों में स्कूल बस लिखा होना चाहिए। - यदि बस किराए की है तो उस पर ह्यऑन स्कूल ड्यूटीह्ल भी लिखा होना चाहिए। - बस पर स्कूल का नाम और संपर्क नंबर भी अंकित होना चाहिए। - मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के आदेश के अनुसार 15 साल से ज्यादा पुरानी बसों को स्कूल के बच्चों को ले जाने की अनुमति नहीं है। - स्कूल बस में कुछ अनिवार्य सुरक्षा उपकरण होने चाहिए। - प्राथमिक चिकित्सा के लिए वाहन में एक किट होनी चाहिए। - आग बुझाने वाला यंत्र वाहन में होना चाहिए। - बस की खिड़कियों में आड़ी लोहे की ग्रिल लगी होनी चाहिए। - बस में एक आपातकालीन दरवाजा होना चाहिए जो आसानी से खुल सके। - बस में स्पीड गवर्नर लगा होना चाहिए ताकि उसकी गति निर्धारित सीमा से अधिक न हो। - ड्राइवर के पास कम से कम 5 साल का अनुभव होना चाहिए। - ड्राइवर का रिकॉर्ड साफ होना चाहिए, उस पर तेज गति से गाड़ी चलाने या शराब पीकर गाड़ी चलाने का कोई गंभीर मामला दर्ज न हो। - प्रत्येक बस में एक प्रशिक्षित अटेंडेंट होना चाहिए। - सभी स्कूल बसों में सीसीटीवी कैमरे और जीपीएस ट्रैकिंग सिस्टम होना अनिवार्य है - बस में निर्धारित सीटों से ज्यादा बच्चों को नहीं बैठाया जा सकता।

> स्कूल में 300 बच्चे दर्ज है। आसपास के बच्चे पैदल आते हैं, जबकि दूर बच्चों को लाने के लिए तीन गाडियां हैं। आज हमारे स्कूल वाहन बचाने के लिए चक्कर गड्ढे में उतर गया। इस दौरान तीन बच्चों को मामूली चोट आई है।
>
> **भावना मिश्रा, स्कूल संचालक**

> – स्कूल प्राचार्य को गाड़ी के दस्तावेज लेकर बुलाया गया था। लेकिन स्कूल संचालक दस्तावेज लेकर नहीं आए, नतीजतन उन्हें गाड़ी के दस्तावेज लेकर आने को कहा गया है. दस्तावेज देखने के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी। सब्जी मंडी, ग्वालियर
>
> **सुनील मैहर, थाना प्रभारी मण्डी**

स्वतंत्रता दिवस की तैयारियों को लेकर कलेक्टर-एसपी ने की बैठक, दिए आवश्यक दिशा निर्देश

दैनिक भेल पॉवर ■

सीहोर। आगामी स्वतंत्रता दिवस को लेकर तैयारियां जारी है। कलेक्टर बालागुरू के. और एसपी दीपक कुमार शुक्ला ने एक बैठक आयोजित कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा.निर्देश दिए, ताकि आयोजन गरिमापूर्ण और जनभागीदारी से संपन्न हो सके। उन्होंने विशेष रूप से युवाओं में देशभक्ति की भावना जगाने के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन पर जोर दिया। बैठक में बताया गया कि जिला स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह सुबह 9 बजे शुरू होगा। मुख्य अतिथि द्वारा ध्वजारोहण कर परेड की सलामी ली जाएगी। इस वर्ष के कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के संदेश का लाइव प्रसारण होगा। प्रसारण के बाद मुख्य अतिथि जिले में संचालित प्रमुख योजनाओं, विकास कार्यक्रमों और अन्य उल्लेखनीय उपलब्धियों के बारे में जानकारी देंगे। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि समारोह में स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों, कारगिल शहीदों के परिवारों और लोकतंत्र सेनानियों को सम्मानपूर्वक आमंत्रित किया जाए। साथ ही बुजुर्ग स्वतंत्रता सेनानियों को शॉल और श्रीफल से सम्मानित किया जाएगा। दिव्यांगजनों, वरिष्ठ नागरिकों और महिलाओं के लिए विशेष व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए गए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ डॉ. नेहा जैन सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की पहल को मिला राष्ट्रीय पुरस्कार

दैनिक भेल पॉवर ■

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल पर 10 अक्टूबर 2024 को राज्य स्तर पर शुरू किए गए संपदा 2.0 सॉफ्टवेयर ने मध्यप्रदेश को राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इस उपलब्धि पर प्रदेशवासियों, वाणिज्यिक कर विभाग, महानिरीक्षक पंजीयन एवं अधीक्षक मुद्रांक तथा परियोजना से जुड़े सभी अधिकारियों-कर्मचारियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि ह्लसंपदा 2.0 ने मध्यप्रदेश को डिजिटल भूमि प्रबंधन के क्षेत्र में देश में अग्रणी बनाया है। यह पहल न केवल पारदर्शिता और दक्षता बढ़ाएगी, बल्कि लोगों को बिना कार्यालय आए, सुरक्षित और सरल तरीके से पंजीयन सुविधा उपलब्ध कराएगी। यह हमारे डिजिटल और सुशासन के संकल्प का महत्वपूर्ण कदम है।

भूमि प्रबंधन में विभाग की एक ऐतिहासिक पहल : उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा

उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा ने इस उपलब्धि को भूमि प्रबंधन में विभाग की एक ऐतिहासिक पहल बताया और प्रदेशवासियों को बधाई दी। प्रमुख सचिव वाणिज्यिक कर विभाग एवं महानिरीक्षक पंजीयन एवं अधीक्षक मुद्रांक ने भी शुभकामनाएं प्रेषित कीं। मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य है, जिसने दस्तावेजों का पूर्णतः पेपरलेस ई-पंजीयन प्रारंभ किया है। भारतीय स्टाम्प अधिनियम के अंतर्गत लगभग 140 प्रकार के दस्तावेजों में से 75 दस्तावेजों का वीडियो के-वाई-सी के माध्यम से फेसलेस पंजीयन संभव हुआ है, जिसमें उप-पंजीयक कार्यालय आने की आवश्यकता नहीं रहती। यह प्रक्रिया इम्परसनेशन एवं भूमि संबंधी विवादों को कम करने में भी सहायक सिद्ध होगी। संपदा 2.0 में जीआईएस तकनीक सहित अत्याधुनिक डिजिटल सुविधाएं उपलब्ध हैं। इसके मोबाइल ऐप से राज्य की किसी भी क्षेत्र की गाइडलाइन दरें तत्काल देखी जा सकती हैं। पूर्ववर्ती संपदा 1.0 की तुलना में संपदा 2.0 में पक्षकारों और संपत्ति की पहचान आधार ई-ओथ एवं ई-केवाईसी के माध्यम से की जाती है, संपत्ति का विवरण संबंधित विभाग से सीधे एकीकृत कर लिया जाता है और दस्तावेज का प्रारूपण स्वचलित रूप से विधिक आवश्यकताओं सहित तैयार होता है। दस्तावेजों पर ई-साइन अथवा डिजिटल साइन से हस्ताक्षर किए जाते हैं और पंजीयन पूर्ण होते ही ईमेल और व्हाट्सऐप पर उपलब्ध हो जाते हैं। यह सम्मान 28वें नेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन ई-गवर्नेंस में प्रदान किया जाएगा।

महापौर श्रीमती मालती राय व निगम अध्यक्ष श्री किशन सूर्यवंशी ने दी रक्षाबंधन पर्व की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

नेता प्रतिपक्ष श्रीमती शबिस्ता आसिफ जकी, महापौर परिषद के सदस्यों व पार्षदगण ने भी दी बधाई एवं शुभकामनाएं

दैनिक भेल पॉवर ■

भोपाल। महापौर श्रीमती मालती राय व नगर निगम अध्यक्ष श्री किषन सूर्यवंषी तथा नेता प्रतिपक्ष श्रीमती शबिस्ता आसिफ जकी, महापौर परिषद के सदस्यों व पार्षदगण ने शहर के नागरिकों को रक्षाबंधन पर्व की बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की है। रक्षाबंधन पर्व की बधाई एवं शुभकामना देने वालों में महापौर परिषद के सदस्य श्री राजेष हिंगोरानी, श्री रविन्द्र यती, श्री मनोज राठौर, श्री जगदीष यादव, श्री आर.के.सिंह बघेल, श्री आनंद अग्रवाल श्रीमती सुषमा बावीसा, श्री जीतेन्द्र शुक्ला, श्री अषोक वाणी, श्रीमती छाया ठाकुर एवं पार्षदगण श्री लक्ष्मण राजपूत, श्रीमती कुसुम चतुर्वेदी, श्रीमती करिष्मा विकास मीना, श्री अषोक मारन, श्रीमती ज्योति यादव, श्रीमती प्रियंका अनिल मिश्रा, श्रीमती रेहाना सुल्तान, श्रीमती नाहिद सादबिन खालिद, श्रीमती सरोज हरिओम आसेरी, श्रीमती अनीता मेवालाल कनर्जी, श्री देवेन्द्र भार्गव, श्रीमती शीबा मसूद अली, श्री शैलेष साहू, श्री मोहम्मद सरवर, श्रीमती शीतल रवि वर्मा, श्री राजू कुषवाह, श्री वसीम उददीन, श्रीमती पूजा शर्मा, श्रीमती विनीता विकास सोनी, श्री समर हुजूर, श्रीमती लईका रफीक कुरैषी, श्रीमती राजमनी उईके, श्रीमती वीनू मोनू सक्सेना, श्री देवांषु कंसाना, श्री प्रवीण सक्सेना, श्रीमती बृजुला सचान, श्रीमती आरती राजू अनेजा, श्री पप्पू विलास घाड़गे, सुश्री शीरीन खान, श्री गीता प्रसाद माली, श्रीमती वंदना कुषवाह, श्रीमती गौरी नितिन पाठक, श्रीमती मर्सरत बाबू मस्तान, डॉ. रेहान सिद्दीकी, श्री अजीज उददीन, श्रीमती नसीम गफूर, श्री विमलेष सिंह ठाकुर, श्रीमती षिखा मोनू गोहल, श्री योगेन्द्र सिंह गुड्डू चौहान, श्री गिरजा राजेष खटीक, श्री अरविंद वर्मा, श्री बाबूलाल यादव, श्रीमती स्नेहलता भगवत सिंह रघुवंषी, श्रीमती शीला रामबाबू पाटीदार, श्री प्रताप बारे, श्रीमती अर्चना परमार, श्री नीरज सिंह, श्री सुरेन्द्र बाड़ीका, श्री राकेष यादव, श्रीमती अनीता प्रमोद शुक्रवारे, श्री बी.षक्ति राव, श्रीमती मधु षिवनानी, श्री राजेष चौकसे, श्री षिवलाल मकोरिया, श्रीमती षिरोमणि विनोद शर्मा, श्री जीत राजपूत, श्रीमती ममता मनोज विष्वकर्मा, श्रीमती उर्मिला मौर्य, श्री सूर्यकान्त गुप्ता, कुमारी श्रद्धा सुधीर दुबे, श्री विकास पटेल, श्री राजू राठौर, श्रीमती शकुन सिंह, श्रीमती रीता विष्वकर्मा, श्री श्रीकान्त राय लक्की, श्री दानिष खान, श्री मो. रियाज, श्रीमती अंजू राजपूत बब्लेष, श्रीमती सुनीता गुड्डू भदौरिया, श्रीमती बबीता डोंगरे, श्रीमती ज्योति मिश्रा, श्रीमती शोभना वीरेन्द्र मारण, श्रीमती रूमा वीरेन्द्र राजपूत सम्मिलित है।

मध्यांचल प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी द्वारा जनजागरूकता का उत्साहपूर्ण आयोजन

दैनिक भेल पॉवर ■

मध्यांचल प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी (एमपीयू) के नर्सिंग संकाय द्वारा विश्व स्तनपान सप्ताह 2025 (1 से 7 अगस्त) को बड़े ही उत्साह और सामाजिक प्रतिबद्धता के साथ मनाया गया। इस वर्ष विश्व स्वास्थ्य संगठन (हलड) द्वारा निर्धारित थीम ₹स्तनपान को प्राथमिकता दें: एक स्वस्थ ग्रह बनाएं, सतत समर्थन प्रणालियाँ विकसित करें₹ को ध्यान में रखते हुए संकाय ने ₹दूध और जादू: माँ, पापा और कार्यस्थल की एकजुटता₹ स्लोगन को अपनाया, जो स्तनपान को लेकर सामूहिक सहयोग की महत्ता को दशार्ता है। पूरे सप्ताह विविध गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिनमें मेहंदी प्रतियोगिता, डिजिटल पोस्टर निर्माण, स्लोगन लेखन प्रतियोगिता, तथा स्तनपान से जुड़े मिथकों पर आधारित एक सर्वेक्षण शामिल रहा। इन गतिविधियों का उद्देश्य स्तनपान के प्रति जागरूकता फैलाना और सामाजिक भ्रांतियों को दूर करना रहा। इस अवसर पर प्रमुख अतिथि प्रो. डॉ. मनीषा गुप्ता, प्राचार्य, औरोबिंदो कॉलेज ऑफ नर्सिंग, भोपाल उपस्थित रहीं। उन्होंने अपने प्रेरणादायक उद्बोधन में बताया कि स्तनपान के प्रति जागरूकता की कमी आज भी शिशु मृत्यु दर और बीमारियों का एक बड़ा कारण है, विशेष रूप से शहरी क्षेत्रों में। उन्होंने स्तनपान को न केवल शिशु के लिए, बल्कि माँ और समाज के लिए भी महत्वपूर्ण बताया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की नर्सिंग फैकल्टी, छात्र-छात्राएं और स्टाफ की सराहनीय सहभागिता रही।

बसपा ने सौंपा ज्ञापन, कथावाचक प्रदीप मिश्रा पर कार्रवाई की मांग

दैनिक भेल पॉवर ■

सीहोर। बहुजन समाज पार्टी ने शुक्रवार को कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर एक ज्ञापन सौंपा, जिसमें कुबरेश्वर धाम में हुए हादसों के लिए कथावाचक प्रदीप मिश्रा और आयोजन समिति को जिम्मेदार ठहराया गया है। बसपा जिलाध्यक्ष संजीव बौद्ध के नेतृत्व में सौंपे गए इस ज्ञापन में आरोप लगाया गया है कि 5 अगस्त को रुद्राक्ष वितरण के दौरान मची भगदड़ में दो महिलाओं की मौत हो गई थी। इसके बावजूद 6 अगस्त को कांवड़ यात्रा में तेज आवाज वाले डीजे का इस्तेमाल किया गया, जिसके कारण पांच-छह और लोगों की मौत हुई। बसपा ने कहा कि यह न्यायालय के आदेश का उल्लंघन था और इन मौतों के लिए कथावाचक व आयोजन समिति सीधे तौर पर जिम्मेदार हैं। ज्ञापन में मांग की गई है कि कथावाचक प्रदीप मिश्रा और समिति के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज किया जाए। साथ ही ऐसे आयोजनों में सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों की ड्यूटी लगाना बंद करने की भी मांग की गई है, क्योंकि इससे आम जनता के काम प्रभावित होते हैं। बसपा ने मृतकों के परिवारों को न्याय दिलाने की भी मांग की है।

उद्योग हमारे लिए मंदिर और देवालय के समान हैं : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

प्रधानमंत्री श्री मोदी के स्वदेशी के भाव को चरितार्थ करती हैं प्रदेश की बढ़ती औद्योगिक गतिविधियां

- स्वदेशी अपनाने के संकल्प के साथ हैं प्रदेशवासी
- मुख्यमंत्री डॉ. यादव तामोट, रायसेन में रक्षाबंधन महोत्सव में हुए शामिल

दैनिक भेल पॉवर ■

भोपाल । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि उद्योग हमारे लिए मंदिर और देवालय के समान हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में देश का परिदृश्य बदला है, भारतीय अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ते हुए 15वें से चौथे स्थान पर पहुंच चुकी है। मध्यप्रदेश का जैविक कपास, चीन, जापान और वियतनाम से लेकर स्पेन तक एक्सपोर्ट हो रहा है। राज्य सरकार कृषि के साथ-साथ औद्योगिक गतिविधियों के विस्तार और निवेश प्रोत्साहित करने के लिए भी हरसंभव प्रयास कर रही है। दस अगस्त को रायसेन में ही रेल कोच बनाने के लिए कारखाने का भूमिपूजन होने जा रहा है। धार में प्रधानमंत्री श्री मोदी 25 अगस्त को टेक्सटाइल उद्योग के लिए पीएम मित्र पार्क का भूमि-पूजन करेंगे। इससे मालवा और आसपास के जनजातीय अंचल के एक लाख से अधिक युवाओं को रोजगार मिलेगा। प्रदेश में जारी औद्योगिक विकास की गतिविधियां प्रधानमंत्री श्री मोदी के स्वदेशी के भाव को चरितार्थ करने का माध्यम हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी भोपाल को जल्द ही मेट्रो ट्रेन की सौगात भी देंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव औद्योगिक क्षेत्र तामोट, जिला रायसेन में सागर मैन्युफैक्चरर्स प्राइवेट लिमिटेड की इकाई में आयोजित रक्षाबंधन महोत्सव कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने टैक्सटाइल यूनिट का भ्रमण कर यहां टैक्सटाइल प्रोडक्शन का अवलोकन भी किया। कार्यक्रम में सागर ग्रुप की महिला कर्मचारियों ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव को राखी बांधकर पवित्र रक्षाबंधन का त्यौहार मनाया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम स्थल पर बड़ी संख्या में उपस्थित बहनों के बीच जाकर पुष्प वर्षा की और बहनों को उपहार भेंटकर आशीर्वाद लिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बदलते वैश्विक परिदृश्य में भारत सरकार की लड़ाई किसानों की मेहनत के लिए है। किसान कपास, सब्जी और फसलें उगाते हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी देश के किसान, गरीब, मजदूरों के लिए लड़ाई लड़ रहे हैं। उन्होंने स्वदेशी अपनाने का संकल्प लेने का आह्वान किया है, सभी प्रदेशवासी उनके साथ हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार बहनों की खुशहाली के लिए निरंतर कार्य कर रही है। लाड़ली बहनों को रक्षाबंधन के अवसर पर 1500 रुपए का विशेष तोहफा दिया गया है। रोजगार परक उद्योगों में कार्य करने वाली बहनों को प्रतिमाह 6000 रुपए की वेतन सहायता दी जा रही है। राज्य सरकार प्रदेश के सभी वर्गों की समृद्धि के लिए कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सागर ग्रुप ने आसपास के गांवों के लोगों को रोजगार से जोड़ा है। इकाई में काम करने वाले लोगों के लिए आवास और भोजन की व्यवस्था करने पर उन्होंने सागर ग्रुप को बधाई दी। सागर ग्रुप में कुल 8000 कर्मचारी कार्यरत हैं, जिनमें 5000 महिलाकर्मी हैं।

हजारों लोगों को मिलेगा रोजगार

स्वदेशी अभियान के जरिये हम बनायेंगे एक बेहतर कल : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने तामोट, रायसेन में 416 करोड़ की औद्योगिक इकाइयों का किया लोकार्पण एवं भूमिपूजन

- प्रदेश में अब निरंतर हो रहा है उद्योगों का लोकार्पण और भूमिपूजन

दैनिक भेल पॉवर

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि स्वदेशी अभियान के जरिए हम आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक मजबूत और बेहतर भविष्य का निर्माण कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि रायसेन जिले में हो रहा औद्योगिक निवेश मध्यप्रदेश के औद्योगिक परिदृश्य को एक नया आयाम देगा। यह न केवल स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए द्वार खोलेगा, बल्कि यहां की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को और गतिशील भी बनायेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को रायसेन जिले के ग्राम तामोट में 416 करोड़ रुपये की लागत वाली नवीन औद्योगिक इकाइयों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। इनमें 300 करोड़ रू लागत से 12 हैक्टेयर में 06 नवीन औद्योगिक इकाइयों का भूमिपूजन हुआ और 116 करोड़ रू लागत की 06 इकाइयों का लोकार्पण हुआ। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन सभी औद्योगिक परियोजनाओं से हजारों स्थानीय युवाओं को प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से स्थाई रोजगार मिलेगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के ह्यमेक इन इंडिया और ह्यवोकल फॉर लोकल के संकल्प को साकार करने के लिए मध्यप्रदेश सरकार निरंतर प्रयासरत है। राज्य में स्वदेशी अभियान के तहत स्थानीय संसाधनों और प्रतिभाओं को प्राथमिकता दी जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि शनिवार को रक्षाबंधन है। हमारी परंपरा ह्यत पिंडे तत ब्रह्मांडेह जैसी है। अब दुनिया रिसर्च करके हमारी परंपराओं को जान रही है। उन्होंने कहा कि जिन अंग्रेजों ने कभी हमारे भारत पर 300 वर्ष तक शासन किया, अब हमारी कंपनियां उन्हीं को नौकरी पर रख रही हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में देश-प्रदेश को अनेकों सौगातें मिली हैं। भारतीय रेलवे ने अभूतपूर्व प्रगति की है। देश में वंदेभारत ट्रेन और मेट्रो का नेटवर्क बना है। अब भोपाल के पास उमरिया गांव में रेलवे के आधुनिक और मेट्रो ट्रेन के कोच बनाए जाएंगे। उन्होंने बताया कि 10 अगस्त को केंद्रीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह बीईएमएल रोलिंग स्टॉक फैक्ट्री का भूमिपूजन करेंगे, जो मध्य भारत में ट्रेन कोचेस के निर्माण का प्रमुख केंद्र बनेगा। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री श्री मोदी 25 अगस्त को पीएम मित्रा पार्क का भूमिपूजन करने मध्यप्रदेश (धार) आने वाले हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज 300 करोड़ रुपये की लागत से 12 हेक्टेयर रकबे में 6 नई औद्योगिक इकाइयों का भूमिपूजन हुआ है, जिसमें जेबीएम ऑटो, बालाजी रोटोमैक आदि शामिल हैं। इनसे हजारों लोगों को रोजगार मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज दो नई औद्योगिक इकाइयों को भूमि आवंटन के आशय पत्र बांटे गए हैं, जिनमें लगभग 150 करोड़ का निवेश प्रस्तावित है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में देश का समय बदला है। पहले जहां नाली-सड़क और बिजली के खंबे जैसे कामों का लोकार्पण होता था, वहीं अब रोजाना नये-नये उद्योगों का भूमिपूजन और लोकार्पण हो रहा है। उन्होंने कहा कि वर्तमान दौर देश के समक्ष का समय है, परन्तु भारत दुनिया के किसी देश के आगे नहीं झुकेगा। हम सदैव 'भारत प्रथम' की नीति पर चलेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा हमारी अर्थव्यवस्था 15वें नम्बर से अब चौथे नम्बर पर आ गई है। हम भारत की अच्छाई और किसानों की उपज दुनिया को बांटना चाहते हैं। भारतीय अर्थव्यवस्था को नंबर 1 बनाने का यही समय है, सही समय है। उन्होंने कहा कि दुनिया के बदलते दौर में भारत का विकास परिदृश्य भी बदल रहा है। हम किसी का बुरा नहीं चाहते, लेकिन अपना स्वाभिमान भी बेहद जरूरी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार ने पहले संभाग स्तर पर रीजनल इंडस्ट्रीज कॉन्क्लेव कीं। उसके बाद भोपाल में पहली बार ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट हुई, जिसमें प्रधानमंत्री श्री मोदी की गरिमामयी उपस्थिति रही। पूर्व मुख्यमंत्री स्व. श्री सुंदरलाल पटवा के प्रयासों से मंडीदीप में उद्योगों को बढ़ावा मिला। पूर्व मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान, पूर्व केंद्रीय मंत्री स्व. श्रीमती सुषमा स्वराज, पूर्व केंद्रीय मंत्री स्व. श्री अनंत कुमार ने तामोट में प्लास्टिक पार्क विकसित किया। हमारी सरकार ने रायसेन के लोगों को पिछले साल और अधिक सौगातें दीं। यदि कोई उद्योग स्थापित करना चाहते हैं, तो रायसेन इसके लिए सर्वश्रेष्ठ स्थान है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार बड़े उद्योगों के साथ स्टार्टअप और छोटे उद्यमों को भी प्रोत्साहित कर रही है। म.प्र. में सर्विस सेक्टर और लॉजिस्टिक सप्लाई चेन का विकास हो रहा है। टेक्सटाईल इंडस्ट्री को आगे बढ़ाने के लिए सभी प्रकार की सुविधाएं दी जा रही हैं। मध्यप्रदेश को जल्द ही एयर कार्गो की सुविधा भी मिलेगी। प्रदेश का रोड नेटवर्क पहले ही बेहतर हुआ है। राज्य सरकार रोजगारपरक उद्योग लगाने पर प्रति श्रमिक वेतन में 5000 रुपए का अनुदान उद्योगपतियों को देगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि एविएशन कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए प्रदेश की नई नीतियों में अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए प्रति फ्लाइट 15 लाख रुपए अनुदान का प्रावधान है। भारत सरकार की उड़ान योजना के अंतर्गत हम प्रदेश की एयर टूरिज्म पॉलिसी पर कार्य कर रहे हैं। जबलपुर, रीवा, सीधी को एयर कनेक्टिविटी से जोड़ा गया है। मध्यप्रदेश भौगोलिक रूप से बड़ा है। इसीलिए हमारी सरकार ने गरीब, श्रमिक और जरूरतमंदों को एयर एंबुलेंस की सुविधा दी है। सरकार मानवता के प्रति लोगों को जागरुक करते हुए सड़क हादसे के घायलों को अस्पताल पहुंचाने पर राहवीर योजना में 25 हजार रुपए का पुरस्कार देगी। उन्होंने बताया कि मध्यप्रदेश इकलौता राज्य है, जो निवेशकों को मेडिकल कॉलेज/अस्पताल खोलने के लिए नगण्य लीज रेंट पर जमीन दे रहा है। उन्होंने कहा कि उद्योगपति अपने प्रयासों कई लोगों को रोजगार, आवास, भोजन और जरूरत से जुड़ी सुविधाएं उपलब्ध कराते हैं। उद्योगपति जरूरतमंदों को रोजगार देकर बड़े पैमाने पर समाजसेवा भी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में एमएसएमई हो या छोटे उद्योग, जो हमारे प्रदेश के नागरिकों को रोजगार दे, हमारे लिए वे सभी महत्व रखते हैं। भोजपुर विधायक श्री सुरेन्द्र पटवा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के कार्यकाल में देश की अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव देश-दुनिया के बड़े-बड़े उद्योगपतियों को निवेश करने के लिए मध्यप्रदेश लेकर आ रहे हैं। प्रदेश के औद्योगिक क्षेत्र का दिनों-दिन विस्तार हो रहा है। भोपाल के मेट्रोपोलिटन सिटी बनने का लाभ रायसेन के औबेदुल्लागंज और गौहरगंज को भी मिलेगा। जेबीएम ऑटो के प्रेसिडेंट श्री विनय महेश्वरी ने कहा कि हमारी कंपनी की स्थापना 1996 में हुई थी। कंपनी इलेक्ट्रिक बसों का निर्माण में भी कार्य कर रही है। इंदौर में दो यूनिट संचालित हैं। एक निर्माण ईकाई में मार्च 2026 तक प्रोडक्शन शुरू हो जाएगा। यहां 400 लोगों को रोजगार मिलेगा। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. यादव और एमपीआईडीसी का आभार व्यक्त किया। बिनप्रो री-साईकिल प्रायवेट लिमिटेड के एमडी श्री विनय अग्रवाल ने कहा कि कुल 125 करोड़ रुपये के निवेश से प्लांट शुरू करेंगे। यहां प्लास्टिक से बनने वाली वॉटर बॉटल्स बनाई जाएंगी। श्री अग्रवाल ने हर्ष व्यक्त करते हुए बताया कि उन्हें मात्र 24 घंटे के अंदर उनके प्लांट के लिए 17 एकड़ जमीन मिल गई। उन्होंने प्रदेश की प्रगति के लिए अपनी कंपनी की ओर से वचनबद्धता व्यक्त करते हुए राज्य सरकार का हर संभव सहयोग करने की बात कही। कार्यक्रम में मछुआ कल्याण एवं मत्स्य विकास राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री नारायण सिंह पंवार, लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा राज्यमंत्री श्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल, पूर्व मंत्री और विधायक डॉ. प्रभुराम चौधरी, प्रमुख सचिव, औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन श्री राघवेंद्र कुमार सिंह, श्री राकेश शर्मा, मंडीदीप इंडस्ट्री एसोसिएशन के उपाध्यक्ष श्री आदित्य मोदी सहित अनेक उद्योगपति एवं निवेशक उपस्थित थे। इन इकाइयों का हुआ भूमि-पूजन/लोकार्पण मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा औद्योगिक इकाई मेसर्स जे.बी.एम. ऑटो, मेसर्स श्री बालाजी रोटोपैक, मेसर्स पोलीहोज इंडिया लि., मेसर्स श्री बालाजी माइक्रो प्रिसीशन प्रा.लि., मेसर्स ओम टेलिकॉम लॉजिस्टिक्स तथा भंवरदीप कॉपर स्ट्रीप्स प्रा.लि. का भूमिपूजन किया गया। इसके साथ ही औद्योगिक इकाई मेसर्स टेकफेब इंडिया प्रा.लि., मेसर्स मेजेस्टिक बासमती राइस, मेसर्स धाकड़ इंजीनियरिंग सर्विस, मेसर्स वीयरटेक इंजीनियर्स, मेसर्स इसान इंडस्ट्रीज तथा मेसर्स कनेक्ट वाइड का लोकार्पण किया गया। मुख्यमंत्री द्वारा विनप्रो रिसाइकल्स लि., चोईथराम फूड्स तथा बिलीफ फूड्स प्रा.लि. को आशय पत्र भी वितरित किए गए।

समिति की 15वी वर्षगांठ पर किया फलवितरण एवं पौधारोपण

साथ ही 15 अगस्त से प्रारंभ होगी निशुल्क अंग्रेजी कोचिंग क्लास

दैनिक भेल पॉवर

गाडरवारा। वर्ष 2010 को महज एक फल वितरण के साथ प्रारंभ हुई संस्था आज अपने 15वे वर्ष में प्रवेश कर चुकी है। पीड़ित मानवता की सेवा के शहर की स्वास्थ्य के क्षेत्र में सबसे बड़ी सौगात के रूप में शासकीय सिविल अस्पताल में ब्लड स्टोरेज की स्थापना में नींव के पत्थर के रूप में उभर कर आई समाजसेवी संगठन श्री साईं श्रद्धा सेवा समिति आज सेवा का पर्याय बन चुकी है। साथ ही शहर में पहली एंबुलेंस और शव वाहन सेवा प्रारंभ करना, 2012 में सार्वजनिक स्वच्छता अभियान का आगाज करना, मूक प्राणी की सेवा, पौधारोपण, अनेक रक्तदान शिविर का आयोजन कर अब तक करीब 1100 यूनिट रक्तदान कराना, नेत्र परीक्षण मोतियाबिंद आपरेशन शिविर एवं स्वास्थ्य परिक्षण शिविर

के माध्यम से हजारों मरीजों का लाभान्ति कराना, साईं खिचड़ी प्रसादी का वितरण, नवरात्रि महोत्सव इत्यादि के साथ साथ महापुरुषों की जयंती, राष्ट्रीय पर्वों से लेकर युवाओं की क्षमता के प्रोत्साहन के कार्यों को लेकर न जाने इन 15 वर्षों में समाजसेवी संगठन श्री साईं श्रद्धा सेवा समिति ने कितने जनहित में समर्पित कार्यों को सफलता पूर्वक क्रियावंत किया है। वर्तमान में भी मासिक आयोजनों के साथ साथ ऑक्सीजन सलेंडर, व्हील चेयर, वॉकर की जरूरतमंदों को निःशुल्क सेवा प्रदान करते आ रहे है। संस्था ने इन वर्षों में बिना किसी शासन के अनुदान के सिर्फ सदस्यों के सहयोग अपनी एक विश्वसनीय छवि बनाई है। साथ ही श्री साईं श्रद्धा सेवा समिति ने अपनी 15वीं वर्षगांठ पर हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी शासकीय सिविल अस्पताल में भर्ती मरीजों को उनके उत्तम स्वास्थ्य हेतु ईश्वर से प्रार्थना करते हुए फल का वितरण किया। साथ ही परिसर में पौधे का रोपण भी किया। एवं गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले 10वीं और 12वीं के शासकीय विद्यालय में पढ़ने वाली छात्राओं को समिति शिक्षा प्रमुख नवीन चौबे के मार्गदर्शन में निशुल्क अंग्रेजी कोचिंग क्लास के प्रस्ताव को पारित किया। जिसका शुभारंभ 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस पर किया जायेगा। इस अवसर पर समिति संस्थापक आशीष राय, अध्यक्ष प्रदीप ब्रिजपुरिया, सचिव बबलू कहार, रमाकांत गुप्ता, संजय विश्वकर्मा, सुरेन्द्र पटेल, साकिर खान, चेतन विश्वकर्मा, अनमोल सोनी सदस्य उपस्थित थे।

दैनिक भेल पॉवर

गोंडवाना गणतंत्र पार्टी प्रदेश अध्यक्ष के आदेश नुसार 03 अगस्त 2025 दिन रविवार को गोंडवाना गणतंत्र पार्टी जिला नर्मदापुरम की बैठक माखन नगर (बाबई) रानी दुर्गावती भवन मैं संपन्न हुई जिसमें गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के जिला प्रभारी आदरणीय संतर वलारी जी की उपस्थिति में गोंडवाना गणतंत्र पार्टी जिला की चारों विधानसभा के सातों ब्लॉकों के कार्यकर्ता पदाधिकारी गणों की उपस्थिति में पूर्ण सहमति से माधव सिंह सिंगारवंशी पिता श्री चैन सिंह सिंगारवंशी निवास पिपरिया को नर्मदापुरम जिला अध्यक्ष पद की कमान सौंफी गई । बैठक में उपस्थित पदाधिकारी कार्यकर्ता सदस्यों ने फूलमाला पहनकर नवनियुक्त जिला अध्यक्ष को बधाई एवं शुभकामनाएं दी बैठक में उपस्थित रहे पदाधिकारी आदरणीय उमेश सिंह जाट (किसान मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष) श्री मनोज बरगले (पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष) बदामी लाल परते (प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य) बसंत ककोड़िया जी (प्रदेश प्रचार मंत्री एवं जिला नरसिंहपुर प्रभारी) ठाकुर महेश कुमार इमने (पूर्व जिला अध्यक्ष) लक्ष्मण यदुवंशी जी (पूर्व जिला अध्यक्ष) सखाराम ऊईके (जिला उपाध्यक्ष) नरसिंह धुर्वे (ब्लॉक अध्यक्ष) प्रेमशंकर उईके (जिला सचिव) चंदन सिंह मरकाम (युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष) हेमराज ऊईके (ङत्रॄट जिला अध्यक्ष) अरविंद कुसरा गोंड (ङत्रॄट युवा प्रभाग जिला अध्यक्ष) अतुल कुडोपा (ङत्रॄट युवा प्रभाग ब्लाक अध्यक्ष)करन टेकाम , दुर्गेश वाडिवा, धर्मेंद्र विश्वकर्मा , वीरेंद्र ककोड़िया, राकेश उईके, भूरेलाल मसकोले, दुर्गेश सोनी , मदन ककोडिया, आकाश उईके, अजय उईके,सूरज उईके, आदि पदाधिकारी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

महापौर श्रीमती मालती राय सफाई मित्रों को बांधेंगी राखी

वार्डों में पार्षदगण भी सफाई मित्रों को बांधेंगी राखी

- रक्षा सूत्र बांधने हेतु शनिवार को हिन्दी भवन में
- दोपहर 02:00 बजे आयोजित होगा कार्यक्रम

दैनिक भेल पॉवर

भोपाल। महापौर श्रीमती मालती राय रक्षाबंधन के पावन पर्व पर सीवेज के सफाई मित्रों को राखी बाधेंगी जबकि पार्षदगण द्वारा अपने-अपने वार्डों में पदस्थ सफाई मित्रों को रक्षा सूत्र बांधा जायेगा। महापौर श्रीमती मालती राय शनिवार को रक्षाबंधन के पावन

अवसर पर पॉलीटेक्निक चौराहा के निकट हिन्दी भवन में आयोजित कार्यक्रम के तहत निगम के सीवेज प्रकोष्ठ में पदस्थ सफाई मित्रों को रक्षासूत्र बांधेंगी। कार्यक्रम में महापौर परिषद के सदस्यगण, पार्षदगण एवं सफाई मित्र आदि मौजूद रहेंगे। वार्डों में महिला पार्षदगण द्वारा वार्ड क्षेत्र में पदस्थ सफाई मित्रों को रक्षासूत्र बांधा जायेगा।

आज मनाया जाएगा श्रावणी उपाकर्म पर्व, नवीन जनेऊ धारण करना होगा शुभः पं. शर्मा

दैनिक भेल पॉवर

सीहोर। जिले भर के ब्राह्मणों द्वारा आज श्रावण पूर्णिमा के अवसर पर श्रावणी उपाकर्म का पर्व पूरी श्रद्धा और विधि.विधान के साथ मनाया जाएगा। यह कार्यक्रम जिले की प्रमुख नदियों जैसे नर्मदा, पार्वती, सीवन और नेवज के तटों पर आयोजित किए जाएंगे। पंडित सुनील शर्मा ने बताया कि श्रावण पूजन के लिए सुबह 7 बजकर 35 मिनट से 9 बजकर 7 मिनट तक का समय सबसे उत्तम है। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि इस वर्ष रक्षाबंधन पर भद्राकाल का कोई साया नहीं हैए जिससे भाई.बहन के इस पर्व पर कोई बाधा नहीं आएगी। रक्षाबंधन का शुभ मुहूर्त दोपहर 12 बजकर 11 मिनट से शाम 4 बजकर 47 मिनट तक रहेगा।

पं. शर्मा के अनुसार श्रावणी उपाकर्म ब्राह्मणों के लिए एक अत्यंत महत्वपूर्ण त्योहार है। इस दिन वेद माता गायत्री और सभी देवी.देवताओं का आह्वान कर नवीन यज्ञोपवीत धारण किया जाता है। नवीन जनेऊ की पूजा के बाद इसे साल भर धारण किया जाता है।

मध्यप्रदेश बनेगा रेयर अर्थ मैटेरियल हब

भोपाल। दुर्लभ खनिजों के खनन और परिशोधन में सशक्त बनाने के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन के दृष्टिगत शुक्रवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर खनिज संसाधन के प्रमुख सचिव उमाकांत उमराव के नेतृत्व में उच्च-स्तरीय दल ने भोपाल के अचारपुरा इंडियन रेयर अर्थ लिमिटेड के रेयर अर्थ एवं टाइटेनियम थीम पार्क का अवलोकन किया। उच्च-स्तरीय दल प्रदेश में रेयर अर्थ खनिजों की संपूर्ण वैल्यू चेन के विकास और सहयोग के अवसर तलाश रहा है। राज्य सरकार की इस टीम ने संयंत्र में स्वदेशी तकनीक से विकसित रेयर अर्थ धातु निष्कर्षण प्रक्रियाओं की जानकारी ली। टीम ने अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं का भी अवलोकन किया, जहां उन्नत अनुसंधान, परिशोधन (बेनीफिसिएशन) और प्रसंस्करण तकनीकों के माध्यम से भारत को इस रणनीतिक क्षेत्र में अग्रणी बनाने के प्रयास किये जा रहे हैं। खनिज विभाग और आईआरईएल के बीच भावी सहयोग पर भी चर्चा हुई, जिसमें नीतिगत सहयोग, तकनीकी विकास और औद्योगिक संपर्क को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया। इससे प्रदेश में रेयर अर्थ खनिजों के अन्वेषण, प्रसंस्करण और संबद्ध उद्योगों का सशक्त पारिस्थितिकी तंत्र (इको सिस्टम) विकसित किया जा सके। खनिज विभाग के उच्च-स्तरीय दल का यह दौरा प्रदेश को महत्वपूर्ण खनिज प्रसंस्करण और संबद्ध विनिर्माण के केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे देश को रेयर-अर्थ-मटेरियल के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बना कर वैश्विक प्रतिस्पर्धा में सशक्त किये जाने के प्रयासों को सहायता मिलेगी।

बैतूल में आईएसबीटी का प्रपोजल भेजने के निर्देश

भोपाल। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के आयुक्त संकेत भोंडवे ने शुक्रवार को बैतूल में विभागीय योजनाओं की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को आईएसबीटी (इंटर स्टेट बस टर्मिनल) का प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि बैतूल से नागपुर सहित महाराष्ट्र के अनेक स्थानों के लिये बड़ी संख्या में बसें जाती हैं। इस बात को ध्यान में रखते हुए यहां अंतर्राज्यीय बस स्टैंड की आवश्यकता ज्यादा है। उन्होंने कहा कि अंतर्राज्यीय बस स्टैंड में सभी आधुनिक व्यवस्थाओं का प्रावधान रखा जाएगा। बैठक में नगरीय प्रशासन एवं आवास की योजनाओं की समीक्षा की गई। इस मौके पर बैतूल कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी भी उपस्थित थे। आयुक्त श्री भोंडवे ने कहा कि बैतूल जिले में निर्धन और मध्यम वर्ग के लोगों के लिये एलआईजी, एमआईजी और ईडब्ल्यूएस आवास के प्रस्ताव नागरिकों से लिये जाएं। एफोर्डेबल हाउसिंग प्रोजेक्ट में सब्सिडी एक लाख 80 हजार का देने का प्रावधान है। पर्यावरण को सुरक्षित और मानव अनुकूल बनाने के लिये ई-चार्जिंग व्हीकल स्टेशन बनाने के प्रस्ताव तैयार करने के लिये भी कहा गया। राजस्व वसूली में तेजी लाएं आयुक्त श्री भोंडवे ने बैठक में मौजूद जिले के मुख्य नगरपालिका अधिकारियों को कर वसूली में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निकायों में गुड गवर्नेंस के लिए फेस रीडिंग अटेंडेंस को सुनिश्चित किया जाएं। स्ट्रीट लाइट के बिल कम करने के लिए एलईडी पेटर्न को अधिक से अधिक विकसित किया जाए। बैठक में विधायक एवं सांसद निधि के किये जाने वाले कार्यों की प्रगति की भी समीक्षा की गई। उन्होंने शहरी परियोजना अधिकारी कार्यालय में ई-ऑफिस के संचालन की तारीफ की। बैठक में नवाचार पर चर्चा नगरीय प्रशासन आयुक्त श्री भोंडवे ने छिन्दवाड़ा में शहरी विकास योजनाओं का स??थल निरीक्षण किया। उन्होंने वॉटर ट्रीटमेंट प्लान्ट और अटल वाटिका का अवलोकन किया। उन्होंने विभागीय अधिकारियों से कहा कि आगामी विकास कार्यों का एक्शन प्लान तैयार किया जाएं। आयुक्त ने छिन्दवाड़ा एवं पांढुर्णा जिले की 17 नगरीय निकायों की विकास योजना की समीक्षा की।

प्रकृति के पुत्र और संस्कृति के प्रहरी हैं आदिवासी

आदिवासी प्रकृति के पुत्र और संस्कृति के प्रहरी है। जो प्रकृति से जुड़ा है, वही मनुष्यत्व का संरक्षक है-यह वाक्य आदिवासी समाज पर अक्षरशः लागू होता है। आदिवासी शब्द मात्र एक सामाजिक पहचान नहीं, बल्कि एक दर्शन है, सहजता, सामूहिकता, संतुलन और सह-अस्तित्व का दर्शन।

विश्व आदिवासी दिवस, 9 अगस्त, केवल एक संवैधानिक औपचारिकता नहीं, बल्कि यह सभ्यता की जड़ों और संवेदनशीलता के स्त्रोत को स्मरण करने का दिन है। यह दिन न केवल आदिवासियों के अस्तित्व, अधिकारों यानी जल, जंगल, जमीन और उनके जीवन की रक्षा का उद्घोष है, बल्कि यह नए भारत के पुनर्निर्माण में उनके अमूल्य योगदान को रेखांकित करने का भी अवसर है। आदिवासी समाज कोई पिछड़ा समूह नहीं, बल्कि वह सांस्कृतिक ऊर्जा का अक्षय स्त्रोत है, जिसने स्वतंत्रता संग्राम से लेकर पर्यावरण रक्षा तक, सामाजिक समरसता से लेकर आध्यात्मिक परंपराओं तक, हर दिशा में क्रांतिकारी भूमिका निभाई है।

आदिवासी प्रकृति के पुत्र और संस्कृति के प्रहरी है। जो प्रकृति से जुड़ा है, वही मनुष्यत्व का संरक्षक है-यह वाक्य आदिवासी समाज पर अक्षरशः लागू होता है। आदिवासी शब्द मात्र एक सामाजिक पहचान नहीं, बल्कि एक दर्शन है, सहजता, सामूहिकता, संतुलन और सह-अस्तित्व का दर्शन। करीब 90 प्रतिशत खनिज सम्पदा, वनौषधियां और जैव विविधता इन्हीं के क्षेत्रों में विद्यमान है। उनका जीवन सभ्यता के केंद्र से नहीं, बल्कि संवेदना के मूल से संचालित होता है। वे भले ही ह्यवनवासीह्ण कहलाए गए, परंतु उनका जीवन दर्शन हमें शहरीकरण के आडंबर से बाहर निकालकर स्वाभाविक जीवन की राह दिखाता है। नए भारत में विकास का पर्याय यदि केवल बहुराष्ट्रीय निवेश, चकाचौंध और स्मार्ट सिटी बन गया है, तो आदिवासी समाज उसके विस्थापित मूल्य हैं। जल-जंगल-जमीन के नाम पर किए गए सौदे, खनिज लूट, धार्मिक कन्वर्जन, सांस्कृतिक विघटन और जबरन भूमि अधिग्रहण की घटनाएं केवल उनकी आर्थिक दशा ही नहीं बिगाड़ती, बल्कि उनकी पहचान, संस्कृति, भाषा और परंपरा को भी निगलती जा रही हैं। आज आदिवासी समाज ऋण, अशिक्षा, पलायन, अस्वास्थ्यकर जीवन, बेरोजगारी जैसी समस्याओं से ग्रस्त है। तथाकथित विकास ने उन्हें ह्यपरायाह्ण बना दिया है। वे भारत में रहकर भी अपने ही देश में अदृश्य नागरिक बन गए हैं, जिनके पास न राशन कार्ड है, न पहचान पत्र, न ही राजनीतिक प्रतिनिधित्व की शक्ति।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नए भारत की कल्पना में अगर ह्लसबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वासह्व का सूत्र वाक्य सार्थक करना है, तो आदिवासी पुनर्जागरण सबसे पहली शर्त है। इस दिशा में गुजरात के प्रसिद्ध जैन संत गणि राजेन्द्र विजयजी का कार्य अत्यंत महत्वपूर्ण है। उनका जीवन आदिवासी क्षेत्रों के लिए संघर्ष, सेवा और सद्भाव की त्रयी बन गया है। वे वर्षों से आदिवासी समाज के उत्थान हेतु शिक्षा, स्वास्थ्य, नशामुक्ति, रोजगार और संस्कृति संवर्धन के अभियान चला रहे हैं। उनका ह्लसुखी परिवार अभियानह्व केवल परिवार को नहीं, बल्कि पूरे आदिवासी समाज को जागृत करने का एक जनांदोलन बन चुका है। वे आदिवासियों में आत्मबल, आत्मगौरव और आत्मनिर्भरता की भावना जगा रहे हैं। बालिका शिक्षा केंद्र, नैतिक शिक्षा अभियान, युवाओं के लिए स्वावलंबन कार्यशालाएं, महिलाओं के लिए स्वास्थ्य, आदिवासी ग्रामोद्योग, आदिवासी संस्कृति उन्नयन और स्व-सहायता समूहों का गठन-ये सभी उनके प्रयासों का हिस्सा हैं। वे जनजातीय समाज में अहिंसा, नैतिकता और भारतीय संस्कृति के बीज बो रहे हैं, ताकि वे अपने मूल से कटे नहीं, बल्कि गौरव से जुड़े रहें।

आज आदिवासी समाज को जितना खतरा बाह्य आर्थिक और राजनीतिक शोषण से है, उससे कहीं अधिक सांस्कृतिक अस्मिता के विघटन से है। धर्मान्तरण की गतिविधियाँ न केवल धार्मिक परिवर्तनों का परिणाम देती हैं, बल्कि उससे जुड़ी मानसिक गुलामी और राष्ट्र-विरोधी मानसिकता भी पनपती है। गणि राजेन्द्र विजयजी इस खतरे को भली-भांति समझते हैं। उन्होंने धर्मान्तरण के विरुद्ध शांति, संवाद और आध्यात्मिक पुनर्जागरण का मार्ग अपनाया है। उन्होंने जैन धर्म के मूल्यों के साथ-साथ सभी धर्मों के सकारात्मक मूल्यों को आदिवासी जनजीवन से जोड़ा है ताकि वे किसी भी प्रकार की सांस्कृतिक हिंसा से बचें। गणिजी का स्पष्ट मत है कि हर आदिवासी को अपनी जड़ों में झांकना होगा। उसे यह पहचानना होगा कि वह केवल वनवासी नहीं, अपितु संस्कृति का संवाहक है।ह्ण वे आदिवासियों को आत्म निरीक्षण की प्रेरणा देते हैं कि ह्लजो अपने मूल से कट जाता है, वह किसी भी विकास का अधिकारी नहीं बन सकता।ह्व उनकी प्रेरणा से कई आदिवासी युवाओं ने शिक्षा ग्रहण की, रोजगार स्थापित किए, कुटीर उद्योगों की ओर बढ़े और सबसे महत्वपूर्ण, अपने आत्मगौरव को पुनः प्राप्त किया।

आज जब दुनिया कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), ब्लॉकचेन, ड्रोन टेक्नोलॉजी और डिजिटल नवाचार की ओर अग्रसर हो रही है, तब आदिवासी समाज को भी इस बदलाव की मुख्यधारा से जोड़ना आवश्यक है। तकनीक उनके जीवन में केवल बदलाव का कारक नहीं, बल्कि संरक्षण और सशक्तिकरण का माध्यम बन सकती है। एआई आधारित भाषाई अनुवाद तकनीकों से उनकी बोली और लोककथाओं को डिजिटल रूप में संरक्षित किया जा सकता है, जिससे उनकी सांस्कृतिक विरासत विश्व तक पहुंचे। ड्रोन एवं जीआईएस तकनीक से आदिवासी क्षेत्रों के भू-अधिकार सुरक्षित किए जा सकते हैं। मोबाइल हेल्थ यूनिट्स, टेलीमेडिसिन और डिजिटल शिक्षा से वे दुर्गम क्षेत्रों में भी उन्नत जीवन स्तर पा सकते हैं। नवाचार तभी सार्थक होगा जब वह जंगलों में बसे एक युवा को भी ग्लोबल लर्निंग का अवसर प्रदान करे, न कि उसे अपनी जड़ों से काटे।

आज की वैश्विक दुनिया ह्यलोकल टू ग्लोबलह्ण की सोच को प्रोत्साहित कर रही है और आदिवासी समाज इसमें एक अनमोल भागीदार बन सकता है। उनका पारंपरिक ज्ञान, जैविक खेती, वन औषधियों की समझ, हस्तशिल्प और पर्यावरण संतुलन की परंपराएं विश्व समुदाय के लिए एक वैकल्पिक जीवनदर्शन बन सकती हैं। इसके लिए जरूरी है कि आदिवासी युवा आधुनिक शिक्षा को अपनाएं, लेकिन अपनी संस्कृति और जीवनमूल्यों से जुड़े रहें। उन्हें अपने उद्यमिता कौशल को पहचानने और विकसित करने की आवश्यकता है, जैसे वनोपज आधारित उद्योग, इको-टूरिज्म, वन-हस्तशिल्प, संगीत-नृत्य उत्सव आदि के माध्यम से वे आर्थिक रूप से सशक्त हो सकते हैं। डिजिटल मार्केट प्लेस के जरिए उनके उत्पादों को वैश्विक बाजार में पहुंचाया जा सकता है। आत्मनिर्भर भारत की अवधारणा तभी पूर्ण होगी जब आदिवासी समाज भी अपने भीतर से आत्मनिर्भर बनकर आगे बढ़े।

भारत की स्वतंत्रता केवल मैदानों और दरबारों में नहीं, बल्कि जंगलों और पहाड़ियों में भी लड़ी गई थी, जहाँ आदिवासी वीरों ने अंग्रेजी साम्राज्य की नींव हिला दी थी। बिरसा मुंडा जैसे अद्भुत योद्धा और आध्यात्मिक नेता ने न केवल अंग्रेजों के भूमि अधिग्रहण और धर्मान्तरण के विरुद्ध जनजागरण किया, बल्कि एक सशस्त्र संघर्ष को भी नेतृत्व प्रदान किया। झारखंड में चला उनका उलगुलान आंदोलन (महाविप्लव) आदिवासी अस्मिता और स्वाभिमान की एक ऐतिहासिक घोषणा थी। इसी तरह सिद्धू-कान्हू, रानी दुर्गावती, तेलंगाना के कोमराम भीम, भील आंदोलन के गोविंद गुरु, तेनालीराम बावरी, और नारायण सिंह जैसे अनेक आदिवासी सेनानियों ने अपने प्राणों की आहुति देकर यह सिद्ध किया कि भारत की आजादी की चिंगारी सबसे पहले आदिवासी अंचलों में धधकी थी। बिरसा मुंडा और आदिवासी वीरों का आजादी में अविस्मरणीय योगदान रहा लेकिन दुर्भाग्यवश, इतिहास की मुख्यधारा में इनके योगदान को उतनी जगह नहीं मिली, जितनी मिलनी चाहिए थी। आज विश्व आदिवासी दिवस हमें इन भूलाए गए नायकों को स्मरण करने, उनका गौरव गान करने और नई पीढ़ी में उनकी प्रेरणा जगाने का अवसर देता है।

विश्व आदिवासी दिवस एक प्रतीक दिवस है, परंतु नीति, नीयत और निष्ठा से इसका पालन आवश्यक है। केवल भाषण, घोषणाएं और योजनाओं से आदिवासी समाज नहीं बदलेगा। उन्हें सुनने, समझने और साथ चलने की आवश्यकता है। उनके जल, जंगल, जमीन के अधिकार की कानूनी एवं नैतिक सुरक्षा हो। उनकी भाषा, परंपरा और नृत्य-संगीत को संरक्षित किया जाए। शिक्षा और स्वास्थ्य के अवसर स्थानीय सांस्कृतिक परिवेश में उपलब्ध कराए जाएं। आदिवासी नेतृत्व को राजनीतिक सशक्तिकरण मिले। नया भारत आदिवासी आत्मा के बिना अधूरा है क्योंकि भारत की आत्मा आदिवासियों की थापों में बसती है, उनके ढोल, मांदर, बांसुरी, उनके लोकगीत, उनके नृत्य और उनकी सरलता में। यदि हमें नया भारत बनाना है तो हमें आदिवासी समाज के साथ खड़ा होना होगा, उनके लिए नहीं, उनके साथ। गणि राजेन्द्र विजयजी जैसे संत इस दिशा में दीपशिखा बनकर मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं। इस विश्व आदिवासी दिवस पर हम केवल स्मरण नहीं, संवेदना, संरक्षण और सहभागिता के साथ इस अद्वितीय समाज के साथ जुड़ें, यही होगा सच्चा राष्ट्रधर्म।

रक्षाबंधनः एक धागा, जो प्रेम, विश्वास और जिम्मेदारी से बंधा होता है

रक्षाबंधन भारत के प्रमुख पारंपरिक त्योहारों में से एक है, जो हर साल श्रावण मास की पूर्णिमा को मनाया जाता है। यह पर्व भाई-बहन के रिश्ते की मिठास, सुरक्षा के संकल्प और पारिवारिक मूल्यों की नींव को और मजबूत करता है। लेकिन रक्षाबंधन सिर्फ एक पर्व नहीं – यह एक विचार है। एक ऐसा विचार, जिसमें भावनाएं, जिम्मेदारियां और सामाजिक चेतना सब कुछ समाहित है। पौराणिक और ऐतिहासिक संदर्भ रक्षाबंधन का इतिहास बहुत समृद्ध और विविधतापूर्ण है। इसकी जड़ें हिंदू पौराणिक कथाओं और प्राचीन भारत के ऐतिहासिक घटनाक्रमों से जुड़ी हैं:
1. ीकृष्ण और द्रौपदीः जब श्रीकृष्ण ने शिशुपाल का वध किया, उनके हाथ से खून बहने लगा। द्रौपदी ने अपनी साड़ी का टुकड़ा फाड़कर उनका रक्त रोकने के लिए बाँध दिया। इस भावनात्मक क्षण को राखी के रूप में देखा जाता है, और श्रीकृष्ण ने बदले में चीरहरण के समय द्रौपदी की रक्षा की। 2. कर्णावती और हुमायूंः 1535 में जब चित्तौड़ पर बहादुर शाह ने आक्रमण किया, तब रानी कर्णावती (मेवाड़ की विधवा रानी) ने मुगल सम्राट हुमायूं को राखी भेजी थी और उसे भाई मानकर सहायता मांगी थी। हुमायूं ने इसे स्वीकारते हुए चित्तौड़ की रक्षा का प्रयास किया, हालांकि देर हो चुकी थी। 3. यम और यमुनोत्री (यमुनाजी): एक अन्य कथा के अनुसार, यमराज ने अपनी बहन यमुना से वचन दिया कि जो भाई अपनी बहन से राखी बंधवाता है और उसकी रक्षा का संकल्प लेता है, उसे लंबी उम्र का आशीर्वाद मिलता है। रक्षाबंधन का वास्तविक अर्थ और व्यापक संदर्भ रक्षाबंधन का शाब्दिक अर्थ है ह्लरक्षा का बंधनह्व। यह पर्व इस बात की याद दिलाता है कि रिश्ते अधिकार से नहीं, बल्कि कर्तव्य से निभाए जाते हैं। यह एक ऐसा पर्व है, जहाँ बहन भाई से केवल उपहार की अपेक्षा नहीं रखती, बल्कि उसे सम्मान, सुरक्षा और सहयोग की उम्मीद होती है। आज जब महिलाएं हर क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं – रक्षा सेवाओं से लेकर अंतरिक्ष तक – यह जरूरी है कि रक्षाबंधन का दायरा सिर्फ भाई की जिम्मेदारी तक सीमित न रह जाए। अब समय आ गया है कि इस पर्व को समान अधिकार, समान सम्मान और साझी जिम्मेदारी के प्रतीक के रूप में देखा जाए। समाज में नई सोच की जरूरत आज भी कई जगहों पर लड़कियों की शिक्षा, सुरक्षा और सम्मान को नजरअंदाज किया जाता है। रक्षाबंधन का संदेश है – सिर्फ वादा नहीं, व्यवहार भी बदलें। एक भाई बहन की रक्षा सिर्फ बाहरी खतरों से नहीं, बल्कि भाषा, सोच और सामाजिक व्यवहार से भी करे। लड़कियों को रक्षा की नहीं, साथ चलने और बराबरी के मौके की जरूरत है। हमें यह पर्व सिर्फ एक पारिवारिक रस्म के रूप में नहीं, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी के रूप में मनाना चाहिए। आज के रक्षाबंधन की दिशा क्या होनी चाहिए बहनें अब सिर्फ राखी बाँधने वाली नहीं रहीं, वे भी भाइयों को संरक्षण, प्रेरणा और समर्थन दे रही हैं। कई जगहों पर बहनें अपने भाइयों के साथ-साथ पिता, मित्र, शिक्षक या सैनिकों को भी राखी बाँधती हैं। यह संदेश देता है कि हर रक्षक हमारा भाई है, और हर बहन भी एक रक्षक बन सकती है। एक नया संदेश, एक नई शुरूआत रक्षाबंधन एक पारंपरिक पर्व होते हुए भी समय के साथ विकसित हो रहा है। यह अब सिर्फ भाई-बहन का नहीं, बल्कि सुरक्षा और सम्मान की साझी संस्कृति का प्रतीक बन चुका है। **तो इस बार रक्षाबंधन परः** केवल मिठाइयाँ न बाँटें, केवल उपहार न दें, सम्मान और बराबरी का रिश्ता बाँटें। बहनों की बातों को सुने, बेटियों को आगे बढ़ने दें, और समाज को यह दिखाएँ कि राखी सिर्फ एक धागा नहीं, एक विचार है – जो बदल सकता है सोच को, और जोड़ सकता है दिलों को। रक्षाबंधन हमें हर साल यह याद दिलाता है कि रिश्ते सिर्फ रस्मों से नहीं, जिम्मेदारी से निभते हैं। अगर इस पर्व की आत्मा को समझ लिया जाए, तो यह सिर्फ एक दिन नहीं, हर दिन रिश्तों को मजबूत करने का त्योहार बन सकता है। रक्षाबंधन की हार्दिक शुभकामनाएं – अपने रिश्तों को बाँधिए, पर बंदिशों में नहीं – विश्वास में।

संपादकीय

टैरिफ की धमकी देकर उगाही कर रहे हैं ट्रंप ?

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक बार फिर विश्व व्यापार के मंच पर धमकाने की मुद्रा में हैं। उन्होंने चुनाव के पहिले कहा था । दोबारा राष्ट्रपति बने, तो चीन सहित अन्य देशों पर भारी टैरिफ लगाएंगे। ट्रंप की यह कोई नई रणनीति नहीं है। पहले कार्यकाल में भी ट्रंप ने अमेरिका फर्स्ट के नारे के साथ वैश्विक व्यापार में टैरिफ को हथियार की तरह इस्तेमाल किया था। ट्रंप की यह रणनीति विश्व अर्थव्यवस्था के लिए जितनी घातक है, उतनी ही अमेरिका के व्यापारिक साझेदारों और अमेरिका के नागरिकों के साथ विश्वासघात करने जैसी है। टैरिफ मूलतः किसी देश की घरेलू इकॉनमी को विदेशी प्रतिस्पर्धा से बचाने का साधन होता है। डोनाल्ड ट्रंप इसे एक राजनीतिक हथियार के रूप मे इस्तेमाल करते हुए राजनीतिक और स्वयं के आर्थिक हितों को साधने का साधन बना रहे हैं। चीन, भारत, यूरोपीय संघ इत्यादि किसी देश मे अगर ट्रंप को अपने कारोबार को बढ़ाने के लिए मनचाहा मौका नहीं मिलता है। ऐसी स्थिति में वह टैरिफ की धमकी देकर एक तरह से ब्लैकमेल करते हैं।इसे आर्थिक कूटनीति नहीं, बल्कि ह्यधमकी की राजनीतिह्ण से अपने राजनीतिक और आर्थिक हितों को साधने के लिए वह टेरिफ को साधन बनाते हैं। यह तथ्य ध्यान देने योग्य है, अमेरिका का संविधान राष्ट्रपति को असीमित टैरिफ लगाने की शक्ति नहीं देता है। ट्रंप जिस तरह से दुनिया के देशों के साथ व्यापारिक टकराव खड़ा करते हैं। उससे अमेरिका के हितों को नुकसान हो रहा है। वही ट्रंप के निजी कारोबार को फायदा रहा है। उनका ऐसा करना अमेरिका की विधायी प्रक्रिया और वैश्विक व्यापार अनुबंधों की भावना के विरुद्ध है। व्यापार कोई युद्ध का मैदान नहीं है। व्यापारिक और सामरिक संबंध एक दूसरे के पूरक होते हैं। जो दो देशों की सहमति और सहयोग के लिए जरूरी होता है। किसी भी व्यापार में विश्वास की जरूरत सबसे ऊपर होती है। ट्रंप के वर्तमान व्यवहार से वैश्विक व्यापार में अनिश्चितता बढी है। सारी दुनिया के देश पहले ही आर्थिक मंदी से जूझ रहे हैं। कंपनियां निवेश को लेकर आशंकित हैं। आपूर्ति श्रृंखला मे टैरिफ के कारण अमेरिका में भी अव्यवस्था फैल रही है। लोगों को जरूरी सामान नहीं मिल पा रहा है। महंगाई बढ़ रही है। लोगों का बजट गड़बड़ा गया है। जिसके कारण अमेरिका की अर्थव्यवस्था भी मंदी की ओर बढ़ रही है। अंततः टेरिफ का बोझ अमेरिका के आम उपभोक्ताओं पर पड़ रहा है। यही स्थिति दुनिया के अन्य देशों के आम नागरिकों को भी भुगतना पड़ रही है। विशेष रूप से विकासशील देशों के लिए यह स्थिति और गंभीर होती है। जो अमेरिकी बाजार पर अधिक निर्भर होते हैं। ट्रंप ने सत्ता में दोबारा लौटने के बाद वही पुरानी टैरिफ-धमकी की नीति अपनाई हैं। टैरिफ वार के कारण जहां एक और वैश्विक व्यापार को बड़े पैमाने पर नुकसान हो रहा है। वहीं अमेरिका की प्रतिष्ठा को भी वैश्विक स्तर पर ट्रंप के कारण नुकसान में जा रही है। वैश्विक नेतृत्व धमकी से नहीं, सहयोग और विश्वसनीय विदेश नीति से बनता होता है। अमेरिका को अपने प्रभाव का उपयोग जिम्मेदारी से करना चाहिए। अमेरिका जैसे देश के राष्ट्रपति बनने के बाद इस पर का उपयोग व्यक्तिगत लाभ में बदलने का प्रयास नहीं करना चाहिए। टैरिफ नीति संवेदनशील और संतुलित दृष्टिकोण को ध्यान में रखकर तैयार की जाती है।

(आस्था)

सावन पूर्णिमा पर 30 साल बाद बन रहा ग्रहों का दुर्लभ संयोग, इन राशियों की चमक सकती है

वैदिक पंचांग के अनुसार, सावन पूर्णिमा 2025 पर 30 साल बाद ग्रहों का दुर्लभ संयोग बन रहा है, जिससे कुछ राशियों की किस्मत खुल सकती है। ाावन पूर्णिमा 2025, दुर्लभ ग्रह योग, राशिफल सावन पूर्णिमा, ज्योतिषीय संयोग, भाग्यशाली राशियां, सावन पूर्णिमा राशिफल सावन पूर्णिमा 2025 पर बन रहा है दुर्लभ संयोग इस बार श्रावण पूर्णिमा पर ग्रहों की स्थिति विशेष रूप से शुभ रहने वाली है। इस दिन तीन ग्रह अपनी स्वराशि में रहेंगे, जिससे सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा। दरअसल, ज्योतिष के अनुसार, सावन पूर्णिमा के दिन चंद्र, गुरु और शनि अपनी-अपनी स्वराशि में रहेंगे जिससे एक बेहद दुर्लभ और शक्तिशाली योग का निर्माण होगा। ज्योतिषियों की मानें तो 30 साल बाद ऐसा दुर्लभ संयोग का निर्माण होने जा रहा है, जिससे इसका महत्व और भी बढ़ गया है। वहीं, ज्योतिषियों के अनुसार, इस दुर्लभ संयोग का सबसे अधिक प्रभाव कुछ खास राशियों पर पड़ेगा। इन राशियों के जातकों को विशेष लाभ मिलने के संकेत हैं। तो चलिए जानते हैं कौन सी हैं ये राशियां सावन पूर्णिमा 2025 की तिथि वैदिक पंचांग के अनुसार, इस साल सावन पूर्णिमा 9 अगस्त 2025, शनिवार को मनाई जाएगी। इस दिन रक्षाबंधन का त्योहार भी मनाया जाएगा। वहीं, ज्योतिष की मानें तो इस दिन श्रवण नक्षत्र और गुरु पुष्य शुभ संयोग भी बन रहा है, जो इस दिन को और भी खास बना रहा है। सावन पूर्णिमा 2025 पर इन 3 राशियों को मिल सकता है विशेष लाभ वृषभ राशि वाले जातकों के लिए यह पूर्णिमा खुशियों की सौगात लेकर आएगी। इस दौरान करियर में लंबे समय से चली आ रही रुकावटें दूर होंगी और नए अवसर सामने आएंगे। नौकरीपेशा लोगों को किसी महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट में सफलता मिल सकती है। व्यापार से जुड़े लोगों को लाभ मिलेंगे। आर्थिक दृष्टि से यह समय मजबूत साबित होगा। धन आगमन के योग बन रहे हैं। पारिवारिक जीवन में संतुलन बना रहेगा। इस अवधि में भाग्य का भरपूर साथ मिलेगा। रिश्तों में विश्वास और प्यार बढ़ेगा। इन चीजों के बिना अधूरी है रक्षाबंधन की थाली, भाई को राखी बांधने से पहले जरूर रख लें ये सामग्री सिंह राशि के जातकों के लिए यह दुर्लभ संयोग नई उम्मीदें और संभावनाएं लेकर आएगा। लंबे समय से रुके हुए कार्य में तेजी आएगी। आपको अपने प्रयासों का सकारात्मक परिणाम मिलेगा। व्यापार में विस्तार के योग बन रहे हैं और साझेदारी से लाभ मिल सकता है।

आज का राशिफल

मेषः चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ ।

मेषः जैसे ही आप हालात पर पकड़ बनाने की कोशिश शुरू करेंगे, आपकी घबराहट गायब हो जाएगी। जल्दी ही आप पाएंगे कि यह परेशानी साबुन के उस बुलबुले की तरह है, जो छूते ही फूट जाता है। जिन लोगों ने किसी रिश्तेदार से पैसा उधार लिया था उनको आज वो उधार किसी भी हालत में वापस करना पड़ सकता है। कुछ लोग जितना कर सकते हैं, उससे कई ज्यादा करने का वादा कर देते हैं। ऐसे लोगों को भूल जाएँ जो सिर्फ गाल बजाना जानते हैं और कोई परिणाम नहीं देते। प्रेम निःसीम होता है, सभी सीमाओं के परे; आपने ये बातें पहले भी सुनी होंगी।

वृषभ : उ, ई, ऐ, ओ, बा, बी, बे, बो ।

वृषभः आपकी इच्छाओं और महत्वाकांक्षाओं पर डर का साया पड़ सकता है। इसका सामना करने के लिए आपको उपयुक्त सलाह की जरूरत है। आपकी गैर-यथार्थवादी योजनाएँ आपके धन को कम कर सकती हैं। अपने बच्चों के साथ एक दोस्ताना रिश्ता विकसित करें। पुरानी बातों को पीछे छोड़कर आगे आने वाले अच्छे वक़्त की ओर देखें। आपकी कोशिशें फलदायी रहेंगी। रोमांस रोमांचक होगा- इसलिए उससे संपर्क करें जिससे आप प्रेम करते हैं और दिन का भरपूर लुत्फ लें। आप जो भी करेंगे, बिल्कुल बेहतर ढंग से करेंगे।

मिथुनः क, की, कू, घ, ड, छ, के, को, हा ।

मिथुनः आपका तेज काम आपको प्रेरित करेगा। सफलता हासिल करने के लिए समय के साथ अपने विचारों में बदलाव लाएँ। इससे आपका दृष्टिकोण व्यापक होगा, समझ का दायरा बढ़ेगा, व्यक्तित्व में निखार आएगा और दिमाग विकसित होगा। जीवन की गाड़ी को अच्छे से चलाना चाहते हैं तो आज आपको पैसे की आवाजाही पर विशेष ध्यान देना होगा। आपके माता-पिता की सेहत चिंता और घबराहट का कारण बन सकती है। जाहिर तौर पर रोमांस के लिए पर्याप्त मौके हैं- लेकिन ऐसा बहुत कम समय के लिए है।

कर्क : ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो ।

कर्कः भरे-पूरे और संतुष्ट जीवन के लिए अपनी मानसिक दृढ़ता में वृद्धि कीजिए। आज घर से बाहर बड़ों का आशीर्वाद लेकर निकलें इससे आपको धन लाभ हो सकता है। दूसरों को प्रभावित करने की आपकी क्षमता आपको कई सकारात्मक चीजें दिलाएगी। जो लोग प्रेम के संगीत में डूबे हुए हैं, वही इसकी स्वर-लहरियों का आनन्द ले सकते हैं। आज के दिन आप भी उस संगीत को सुन सकेंगे, जो दुनिया के बाकी सभी गीतों को भुलवा देगा। आप किसी बड़े व्यावसायिक लेन-देन को अंजाम दे सकते हैं और मनोरंजन से जुड़ी किसी परियोजना में कई लोगों का संयोजन कर सकते हैं।

सिहंः मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे ।

सिंहः आज के दिन आप बिना झंझट विश्राम कर सकेंगे। अपनी मांसपेशियों को आराम देने के लिए तैल से मालिश करें। दिन के दूसरे हिस्से में आर्थिक तौर पर फायदा होगा। आपको अपने घर के माहौल में कुछ सकारात्मक बदलाव करने पड़ेंगे। विवादित मुद्दों को उठाने से बचें, अगर आप आज ह्यडेटह्ण पर जा रहे हैं तो। अपने लक्ष्यों का पीछा करने के लिए उम्दा दिन है। अपनी शारीरिक-ऊर्जा का स्तर ऊँचा बनाए रखें, ताकि आप जी-तोड़ मेहनत कर जल्द-से-जल्द उन्हें हासिल कर सकें। इस मामले में आप अपने दोस्तों की मदद भी ले सकते हैं।

कन्याः टो, पा, पी,पू, ष, ण, ठ, पे, पो।

कन्याः आज का दिन ऐसे काम करने के लिए बेहतरीन है, जिन्हें कर-के आप खुद के बारे में अच्छा महसूस करते हैं। निवेश करना कई बार आपके लिए बहुत फायदेमंद साबित होता है आज आपको यह बात समझ में आ सकती है क्योंकि किसी पुराने निवेश से आज आपको मुनाफा हो सकता है। नाती-पोतों से आज काफी खुशी मिल सकती है। शाम को प्रिय के साथ रोमांटिक मुलाकात और साथ में कहीं लजीज खाना खाने के लिहाज से बढ़िया दिन है। आज फायदा हो सकता है, बशर्ते आप अपनी बात भली-भांति रखें और काम में लगन व उत्साह दिखाएँ।

तुलाः रा, री, रू, रे, ता, ती, तू, ते ।

तुलाः आपको अपना अतिरिक्त समय अपने शौक पूरे करने या उन कामों को करने में लगाना चाहिए, जिन्हें करने में आपको सबसे ज्यादा मजा आता है। निवेश करना कई बार आपके लिए बहुत फायदेमंद साबित होता है आज आपको यह बात समझ में आ सकती है क्योंकि किसी पुराने निवेश से आज आपको मुनाफा हो सकता है। अपने जीवन-साथी के साथ प्यार, अपनापन और स्नेह महसूस करें। पुरानी यादों को जेहन में जिंदा कर दोस्ती को फिर से तरोताजा करने का वक़्त है। करिअर के नजरिए से शुरू किया सफर कारगर रहेगा।

वृश्चिकः तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू ।

वृश्चिकः आपका उदार स्वभाव आज आपके लिए कई खुशनुमा पल लेकर आएगा। यह बात भली भांति समझ लें कि दुख की घड़ी में आपका संचित धन ही आपके काम आएगा इसलिए आज के दिन अपने धन का संचय करने का विचार बनाएं। दोस्त शाम के लिए कोई बढ़िया योजना बनाकर आपका दिन खुशनुमा कर देंगे। अपने रोमांटिक खयालों को हर किसी को बताने से बचें। जो लोग प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं, उन्हें दिमाग शांत रखने की जरूरत है। परीक्षा की घबराहट को हावी न होने दें। आपका प्रयास सकारात्मक परिणाम जरूर देगा।

धनु : ये, यो, भ, भी, भू, धा, फा, ढा, भे ।

धनुः घर पर काम करते समय खास सावधानी बरतें। घरेलू चीजों को लापरवाही से इस्तेमाल करना आपके लिए परेशानी का सबब बन सकता है। अपने अतिरिक्त धन को सुरक्षित जगह पर रखिए, जो आने वाले वक़्त में आप फिर पा सकें। बच्चे खेल-कूद और दूसरी बाहरी गतिविधियों पर ज्यादा वक़्त खर्च करेंगे। थोड़ी कोशिश और करें। आज भाग्य आपका साथ जरूर देगा, क्योंकि यह आपका दिन है। नए विचार फायदेमंद साबित होंगे। अपनी बातचीत में मौलिकता रखें, क्योंकि किसी भी तरह का बनावटीपन आपको फायदा नहीं पहुँचाएगा।

मकरः भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, ग, गी ।

मकरः ज्यादा यात्रा करना झुंझलाहट पैदा कर सकता है। ग्रह नक्षत्रों की चाल आपके लिए आज अच्छी नहीं है, आज के दिन आपको अपने धन को बहुत सुरक्षित रखना चाहिए। दोस्तों और रिश्तेदारों के साथ मौज-मस्ती करें। हर बात पर प्यार का दिखावा करना ठीक नहीं है इससे आपका रिश्ता सुधरने की जगह बिगड़ सकता है। साझीदारी की परियोजनाएँ सकारात्मक परिणाम से ज्यादा परेशानियाँ देंगी। कोई आपका बेजा फायदा उठा सकता है और उसे ऐसा करने देने के लिए आप खुद से ही नाराज हो सकते हैं।

कुंभः गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा ।

कुंभः दोस्तों का रुख सहयोगी रहेगा और वे आपको खुश रखेंगे। भविष्य में अगर आपको आर्थिक रुप से मजबूत बनना है तो आज से ही धन की बचत करें। पुराने दोस्त मददगार और सहयोगी साबित होंगे। जो भी बोलें, सोच-समझकर बोलें। क्योंकि कड़वे शब्द शांति को नष्ट करके आपके और आपके प्रिय के बीच दरार पैदा कर सकते हैं। आपका दिमाग काम-काज की उलझनों में फँसा रहेगा, जिसके चलते आप परिवार और दोस्तों के लिए समय नहीं निकाल पाएंगे। अपने काम से आराम लेकर आज आप कुछ समय अपने जीवनसाथी के साथ बिता सकते हैं।

मीनः दी, दू, थ, झ, दे, दो, चा, ची ।

मीनः दोस्तों के साथ शाम सुखद रहेगी लेकिन ज्यादा खाने और मदिरापान से बचें। अगर आप यात्रा पर जाने वाले हैं तो अपने कीमती सामान का ध्यान रखें उसके चोरी होने की संभावना है। खासकर अपने पर्स को आज बहुत संभालकर रखें। अपने स्वभाव को अस्थिर न होने दें- खासतौर पर अपनी पत्नी/पति के साथ- नहीं तो यह घर की शांति पर असर डाल सकता है। किसी की प्यार में कामयाबी मिलने की कल्पना को सच कराने में मदद करें। आप महसूस करेंगे कि आपकी रचनात्मकता कहीं खो गयी है ।

दिव्यांका ने बिग बॉस 19 की अफवाहों पर दी प्रतिक्रिया

दिव्यांका त्रिपाठी इंडियाज बेस्ट सिनेस्टार्स की खोज, नच बलिए 8, खतरों के खिलाड़ी 11 और खतरों के खिलाड़ी 13 (चैलेंजर) जैसे कई रियलिटी शो का हिस्सा रही हैं। हालांकि, वह बिग बॉस से दूर रही हैं। बुधवार को बिग बॉस तक नाम के एक सोशल मीडिया अकाउंट ने ट्वीट किया कि दिव्यांका और शरद मल्होत्रा को बिग बॉस सीजन 19 के लिए संपर्क किया गया है और उनकी पुष्टि होने की संभावना है।हालांकि, टेली टॉक से बात करते हुए, दिव्यांका ने बिग बॉस 19 करने की अफवाहों का खंडन किया। उन्होंने कहा, फ्फर्जी, वे हर साल ऐसी खबरें फैलाते हैं।फ्र अनजान लोगों के लिए, दिव्यांका और शरद ने बनू मैं तेरी दुल्हन नामक एक शो में साथ काम किया था, और वे लगभग आठ साल तक डेटिंग कर रहे थे। हालांकि, दोनों अभिनेताओं का ब्रेकअप हो गया और अब, वे अपने जीवनसाथी के साथ खुशी-खुशी शादी कर रहे हैं। दिव्यांका ने विवेक दहिया से शादी की है।

लोगों ने एक्ट्रेस को सुनाई थी खरी-खोटी

300 फिल्मों में काम करने वाली लीजेंड से भिड़ गई थीं श्वेता तिवारी

बात एक्टिंग की हो, या फिर डांस या ग्लैमर की. श्वेता तिवारी ने हर बार फैन्स का दिल जीता है. 44 साल की एक्ट्रेस आज भी चर्चा में बनी हैं. हालांकि, इस बार वजह उनकी फिटनेस और ग्लैमर है. लोगों की चहेती बनी एक्ट्रेस को काफी बार ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा है. लेकिन एक बार कुछ ऐसा हुआ था कि लोगों ने खूब खरी-खोटी सुनाई. 300 फिल्में करने वाली लीजेंड से क्यों भिड़ गई थीं? श्वेता तिवारी जिस लीजेंड से बहस कर रही थीं, उन्हें माधुरी दीक्षित अपना गुरु मानती हैं. यह किस्सा है एक भोजपुरी रियलिटी शो डांस संग्राम का. जहां श्वेता तिवारी की टीम का संभावना सेठ से मुकाबला हुआ. वहीं 300 फिल्में करने वाली लीजेंड को श्वेता ने क्या कहा? जो लोग गुस्सा हो गए.श्वेता तिवारी जिस लीजेंड से बहस कर रही थीं, उन्हें माधुरी दीक्षित अपना गुरु मानती हैं. यह किस्सा है एक भोजपुरी रियलिटी शो डांस संग्राम का. जहां श्वेता तिवारी की टीम का संभावना सेठ से मुकाबला हुआ. वहीं 300 फिल्में करने वाली लीजेंड को श्वेता ने क्या कहा? जो लोग गुस्सा हो गए.सरोज खान ने बॉलीवुड के कई बड़े और छोटे एक्टर को डांस सिखाया है. कुछ एक्टर्स ऐसे भी हैं, जिनसे पैसे तक नहीं लिए. हालांकि, भोजपुरी शो के दौरान सरोज खान और श्वेता तिवारी की बहस हो गई थी. एक्ट्रेस कोरियोग्राफर को ही डांस सिखाने लगी थीं.दरअसल डांस परफॉर्मेंस के बाद जैसे ही सरोज खान ने कंटेस्टेंट की डांस की तारीफ की. तो श्वेता तिवारी ने उनके डांस में कमी निकाली।

मैं हमेशा कमिटेड होकर ही काम करती हूं: तेजस्वी प्रकाश

अगर कैरेक्टर की मांग हुई तो मैं बाल्ड लुक के लिए तैयार हूं, सिर का बाल मुंडवा दूंगी

रोल के लिए सिर मुंडाने के लिए भी तेजस्वी प्रकाश तैयार, कहा- जरूरत पड़ी तो टीवी की दुनिया में अपने लंबे और सिल्की बालों के लिए मशहूर तेजस्वी प्रकाश रोल के लिए किसी भी हद तक जाने के लिए तैयार हैं. उन्होंने हाल में ही कहा कि आजकल लोग सिर मुंडवाने के बदले कई सारे विकल्प अपनाते हैं, लेकिन अगर मुझे किसी फिल्म मेकर्स ने इसके लिए अप्रोच किया और कहानी की डिमांड हुई तो मैं अपना सिर मुंडवाने के लिए भी तैयार हूं. मुझे अपने बाल कटवाने में कोई दिक्कत नहीं है. तेजस्वी प्रकाश ने कहा, %अगर कैरेक्टर की मांग हुई तो मैं बाल्ड लुक के लिए तैयार हूं, सिर का बाल मुंडवा दूंगी. मैं हमेशा कमिटेड होकर ही काम करती हूं. मैंने महसूस किया है कि लोग आजकल इससे बचने के लिए कई सारे उपाय कर लिए हैं.% तेजस्वी प्रकाश अपने नए प्रोजेक्ट के लिए अपना वजन घटा रही हैं. बिग बॉस 15 के अलावा नागिन 6, खतरों के खिलाड़ी 10 और सेलिब्रेटी मास्टरशेफ जैसे शो में नजर आ चुकीं तेजस्वी प्रकाश नए प्रोजक्ट पर ध्यान लगाए हुए हैं. अपने हेयरकेयर के बारे में बात करते हुए तेजस्वी प्रकाश कहा कि उनका हेयरकेयर उनकी रुटीन का हिस्सा है. ये बहुत ही सिंपल है. इसमें ज्यादातर उनकी मां का हाथ है जिन्होंने उन्हें इस तरीके से बड़ा किया. बालों में चंपी मसाज करना वो नहीं भूलती हैं. इसके बाद मैंने आगे इसमें कई सारे प्रोसेस जोड़े हैं. प्रोपर हेयरवाश के बाद मैंने 5-10 मिनट के लिए हेयरमास्क लगाती हूं फिर उसपर सीरम अप्लाई करती हूं. पर्सनल लाइफ में तेजस्वी प्रकाश करण कुंद्रा को डेट कर रही हैं. करण कुंद्रा और तेजस्वी बिग बॉस में मिले थे और यहीं से उनके बीच प्यार की शुरुआत हुई थी. दोनों अभी भी साथ में हैं. हाल ही में वो एक एडवेंचर ट्रिप पर भी नजर आए थे।

फॉर्मूले नहीं, सिर्फ विश्वास: धड़क 2 की सफलता पर प्रगति देशमुख का बयान

बहुप्रतीक्षित फिल्म धड़क 2 सिनेमाघरों में दस्तक दे चुकी है। शुरुआती प्रतिक्रियाएं इसकी साहसी कहानी, शाज़िया इक़बाल और राहुल बडवेलकर की लेखनी की जमकर तारीफ कर रही हैं। निर्माता और क्रिएटिव लीडर प्रगति देशमुख कहती हैं, हमारी प्रेरणा हमेशा से क्रिएटर की सोच रही है।

हाल ही में कंटेंट हब समिट में उन्होंने अपनी कुछ मुख्य मूल्य व्यवस्थाओं पर बात की ङ्क हम ऐसी कहानियों को प्रोत्साहित करते हैं जो ईमानदारी से कुछ कहना चाहती हैं। हर प्रोजेक्ट अलग होता है, इसलिए हम डील्स में फॉर्मूला नहीं अपनाते। हमारी साझेदारियाँ भरोसे, लचीलापन और आपसी सम्मान पर आधारित होती हैं। महान सिनेमा विश्वास से बनता है, न कि किसी तयशुदा तरीके से।उन्होंने इंडस्ट्री के बदलते स्वरूप पर भी बात की- अब भाषाई सीमाएं धुंधली हो रही हैं, और थिएटर व डिजिटल फिल्मों का अंतर भी जटिल होता जा रहा है। सफलता सिर्फ बॉक्स ऑफिस से नहीं मापी जा सकती ङ्क म्यूजिक और डिजिटल रिलीज़ भी अहम है।

उन्होंने कालीधर लापता का उदाहरण दिया ङ्क वो फिल्म पहले थिएटर में रिलीज़ होने वाली थी, लेकिन बाद में डिजिटल पर आई और साल की सबसे यादा देखी जाने वाली फिल्म बन गई। यही वो लचीलापन है जिसे हम अपनाते हैं।

कहानी से सब शुरू होता है, लेकिन उसे ज़मीन पर लाने के लिए क्रिएटिव और फाइनेंशियल संतुलन भी ज़रूरी है, प्रगति कहती हैं। आज जो प्रोजेक्ट हम चुनते हैं, वो कल का दर्शक अनुभव तय करेगा। बदलाव तो होगा ही, लेकिन हमारा मकसद वही रहेगा ङ्क ऐसी फिल्में बनाना जो मायने रखती हों।

इस साल ज़ी स्टूडियोज ने 8 नेशनल अवॉर्ड्स जीते हैं ङ्क जिसमें '12वीं फेल' जैसी फिल्मों को सराहा गया। प्रगति के शब्दों में, असली जीत वही होती है जब कहानी, क्राफ्ट, दर्शकों का प्यार और कमाई ङ्क सब एक साथ मिलें। वो तभी होता है जब आप लगातार सची कहानियों पर भरोसा रखें और पूरी स्पष्टता व आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ें।

बजट से 13 गुना ज्यादा कमाकर इस साउथ फिल्म ने मचाई तबाही

साउथ इंडस्ट्री एक ऐसी फिल्म इंडस्ट्री है जो हमेशा से लोगों को सरप्राइज करने के लिए मशहूर रही है. इस इंडस्ट्री की भी अपनी बड़ी विरासत है और एक से बढ़कर एक कलाकार इस इंडस्ट्री का हिस्सा हैं. एक से बढ़कर एक रिकॉर्ड साउथ से बने हैं और यहां तक कि साउथ फिल्म ने ही हमें पहला ऑस्कर दिलाया. इसके बाद से एक के बाद एक साउथ इंडस्ट्री की फिल्में सभी को सर्प्राइज कर रही हैं और हिंदी ऑडियंस का ध्यान भी अपनी ओर खींच रही हैं. पहले से ही महावतार नरसिम्हा फिल्म का भौकाल था और अब तो हॉरर-कॉमेडी फिल्म सु फॉम सो का जलवा नजर आ रहा है. इस फिल्म ने अबतक बजट का कई गुना कमा लिया है.

सु फ्रॉम सो ने कितने रुपए कमाए?

सैकनिल्क की रिपोर्ट्स की मानें तो सु फ्रॉम सो फिल्म ने अब तक भारत में नेट 43 करोड़ रुपए कमा लिए हैं. जबकी फिल्म का ग्रॉस कलेक्शन 50.2 करोड़ रुपए का हो गया है. वहीं फिल्म विदेशों में भी अच्छी कमाई कर रही है और 4 करोड़ रुपए कमा चुकी है. रिपोर्ट्स के मुताबिक इस फिल्म का बजट भी 4 करोड़ रुपए का बताया जा रहा है. इसके हिसाब से देखा जाए तो फिल्म ने अपने बजट से 13 गुना ज्यादा का कलेक्शन दुनियाभर में कर लिया है जो काबिल-ए-तारीफ है.

बिना बड़े स्टार के चल निकली इस हॉरर-कॉमेडी फिल्म की गाड़ी

सु फ्रॉम सो की सबसे खास बात ये है कि इस फिल्म में कोई ऐसा स्टार नहीं है जिसकी पहचान रिजनल सिनेमा के बाहर हो. लेकिन फिल्म का मैजिक ही कुछ ऐसा है कि कोई भी इसे देखे बिना नहीं रह पा रहा है. ताज्जुब की बात ये भी है कि फिल्म ओपनिंग डे में 1 करोड़ भी नहीं कमा सकी थी. इसका कलेक्शन 78 लाख रुपए का रहा था. लेकिन इसके बाद भी इस फिल्म ने काफी अच्छी वापसी की और अब ये फिल्म दुनियाभर में 54 करोड़ कमा सकी है. ये इस फिल्म को औरों से खास बनाता है.

महावतार नरसिम्हा की तुलना में कितना है सु फ्रॉम सो का प्रॉफिट?

कई सारी रिपोर्ट्स में महावतार नरसिम्हा का बजट अलग नजर आ रहा है. पहले इस फिल्म का बजट 4 करोड़ रुपए था मगर जब फिल्म चल गई तो इसके प्रमोशन्स और प्रीमियर्स की वजह से इसका बजट बढ़कर 15 करोड़ रुपए हो गया जो कई रिपोर्ट्स में अब सामने आ रहा है. अगर फिल्म के 15 करोड़ के बजट के हिसाब से इसकी कमाई देखें तो भी ये फिल्म मौजूदा समय में काफी मुनाफा कमा चुकी है.

सैकनिल्क की रिपोर्ट्स की मानें तो इस फिल्म ने भारत में 13 दिनों में 112.80 करोड़ रुपए का कलेक्शन कर लिया है. वहीं अगर बात करें इसके वर्ल्डवाइड कलेक्शन की तो महावतार नरसिम्हा ने 12 दिन में दुनियाभर में 132.25 करोड़ बटोर लिए हैं. जो फिल्म के बजट से 10 गुना ज्यादा है. जबकी अगर इसके शुरुआती बजट 4 करोड़ रुपए के हिसाब से देखा जाए तो इस फिल्म ने अब तक अपने बजट का 33 गुना कमा लिया है. साथ में ये फिल्म भारत के इतिहास की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली एनिमेटेड मूवी बन गई है. वहीं सु फ्रॉम सो फिल्म भी अपने बजट का 13 गुना कमा चुकी है।

कबूतरों को दाना डालने पर मुंबई में नया बवाल, सड़क पर उतरा गुजराती-जैन समुदाय

मुंबई, एजेंसी। मुंबई में मराठी-गैर मराठी विवाद के बाद अब एक नया विवाद उठ खड़ा हुआ है। बीएमसी चुनावों से पहले उठा यह विवाद अब सियासी रंग लेने लगा है और धीरे-धीरे स्थानीय बनाम बाहरी की लड़ाई का मुद्दा बनता जा रहा है। दरअसल, कबूतरों को दाना डालने की वजह से स्थानीय और बाहरी यानी जैन और गुजराती समुदाय के बीच तनातनी बढ़ गई है। स्थानीय लोग इस बात का विरोध कर रहे हैं कि जैन और गुजराती समुदाय के सदस्यों ने कथित तौर पर दादर कबूतरखाने के ऊपर से तिरपाल फाड़कर कबूतरों को दाना क्यों डाला?

बॉम्बे हाई कोर्ट ने स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं के कारण कबूतरों को दाना डालने पर प्रतिबंध लगा दिया था। इसके बाद कबूतरखाने के ऊपर तिरपाल डाल दिया गया था। जैन समुदाय और पशु अधिकार कार्यकर्ताओं ने इस प्रतिबंध का विरोध किया है और कहा है कि कबूतरों को दाना डालने की कोई वैकल्पिक व्यवस्था होनी चाहिए, अन्यथा पक्षी भूखे मर जाएँगे। इसी कड़ी में सड़कों पर उतरे जैन और गुजराती समुदाय के लोगों ने दादर कबूतरखाने के ऊपर से तिरपाल फाड़कर कबूतरों को दाना डाल दिया। इसका स्थानीय लोगों ने विरोध किया है।

तिरपाल फाड़कर दाना डालने का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद अब ये मामला सियासी तुल पकड़ने लगा है। उप

मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की अगुवाई वाली शिवसेना ने भी इस घटना की निंदा की है। शिवसेना की विधान पार्षद और पार्टी प्रवक्ता मनीषा कायंदे ने कहा है कि दादर कबूतरखाना के बाहर जैन समुदाय का विरोध प्रदर्शन अतिशयोक्तिपूर्ण है। उन्होंने सवाल उठाया कि ऐसा करना किस कानून के तहत उचित है? कायंदे ने कहा, जब गुजरात में पतंग उत्सव होता है, तो नुकीले धागों के कारण कई पक्षी मारे जाते हैं या घायल हो जाते हैं। क्या तब कोई धार्मिक मुद्दा नहीं उठता? यह वैज्ञानिक रूप से सिद्ध हो चुका है कि कबूतर स्वास्थ्य संबंधी समस्याएँ पैदा करते हैं। इसका धर्म से कोई लेना-देना नहीं है। कई संगठन सत्तारूढ़ शिवसेना-भाजपा गठबंधन पर आरोप लगा रहे हैं कि वोट की खातिर एक छोटे से अल्पसंख्यक समुदाय के आगे बेवस हो गए हैं।

इस बीच, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस मुद्दे को सुलझाने के लिए एक बैठक की और कहा कि नगर निगम ही कबूतरों को दाना देगा। हालाँकि, बुधवार को कबूतरखाने पर अभी भी तिरपाल की चादरें लगी होने के कारण, गुस्साए जैन समुदाय के सदस्यों ने कथित तौर पर तिरपाल फाड़कर कबूतरों को दाना डाल दिया। बहरहाल, मुंबई नगर निगम ने दाना डालने से रोकने के लिए वहां फिर से तिरपाल लगा दिया है।

इस बीच, भाजपा कोटे से मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा ने घटनास्थल का दौरा किया और प्रदर्शनकारियों को धैर्य रखने की सलाह दी। उन्होंने प्रदर्शनकारियों द्वारा कानून अपने हाथ में लेने और कबूतरों को दाना डालने को दुर्भाग्यपूर्ण बताया। दूसरी तरफ, राज ठाकरे की अगुवाई वाली पार्टी एमएनएस ने फिलहाल इस विवाद पर अपनी पैनी नजर गड़ा रखी है और कबूतरों को दाना डालने पर प्रतिबंध लगाने के कदम का समर्थन किया है। स्व्हस ठाणे में भी कबूतरों को दाना डालने पर प्रतिबंध लगाने की मांग कर रही है।

संक्षिप्त समाचार

महाराष्ट्र में मुख्यमंत्री फडणवीस और एकनाथ शिंदे के बीच सब ठीक नहीं?

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र में सीएम देवेंद्र फडणवीस ने एकनाथ शिंदे के आदेश को पलट दिया है जिसके बाद उनके बीच मतभेदों को और हवा मिल गई है। यहां मुख्यमंत्री फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने एक ही पद पर नियुक्ति को लेकर अलग-अलग आदेश जारी कर दिए। इसके बाद एक ही पद पर दो अलग-अलग उम्मीदवारों की नियुक्ति को लेकर असमंजस की स्थिति बन गई। जानकारी के मुताबिक शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले शहरी विकास विभाग ने अश्विनी जोशी को बृहन्मुंबई विद्युत आपूर्ति और परिवहन प्रशासन के महाप्रबंधक का अतिरिक्त प्रभार सौंपने का आदेश जारी किया था। हालांकि इसके ठीक बाद मुख्यमंत्री फडणवीस के ऑफिस ने भी एक आदेश जारी कर शिंदे के आदेश को पलट दिया और उस पद पर आशीष शर्मा को नियुक्त कर दिया। इससे पहले हाल ही में इस पद को संभाल रहे महाप्रबंधक एसवीआर श्रीनिवास रिटायर हो गए थे। राज्य सरकार को अगले जनरल मैनेजर के पद के लिए अधिकारी की नियुक्ति करनी थी, जिसके बाद शिंदे और फडणवीस ने दो-दो अधिकारियों को एक ही पद दे दिया। विपक्ष इस मुद्दे को लेकर सरकार पर निशाना साधने से नहीं चुकी। एनसीपी (शरद पवार) के विधायक रोहित पवार ने सोशल मीडिया पर कहा, महायुति सरकार का 'सर्वश्रेष्ठ समन्वय'। इस बीच इंडिया टुडे ने बताया कि इस मामले पर फडणवीस से प्रतिक्रिया लेने की कोशिश की गई तो उन्होंने जवाब दिया है कि उन्हें इस विषय की कोई जानकारी नहीं है। गौरतलब है कि देवेंद्र फडणवीस के सीएम पद की शपथ लेने के बाद से ही उनके और एकनाथ शिंदे के बीच अनबन की अफवाहें चल रही हैं। इससे पहले बीते फरवरी में भी फडणवीस ने शिंदे के कुछ फैसलों को पलट दिया था जिसके बाद अफवाहों को और बल मिला था।

छत्तीसगढ़ में जमीन के नीचे मिला बड़ा खजाना

रायपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ में जमीन के नीचे भारी मात्रा में खजाना की खोज हुई है। 'मेसर्स डेक्कन गोल्ड माइनिंग लिमिटेड' ने हाल ही में राज्य के ज्वाइंट लाइसेंस एरिया में तीन कीमती खनिजों की खोज की है। इन खनिजों के नाम निकल, क्रोमियम और प्लेटिनम हैं। अधिकारियों के मुताबिक ये खोज महासमुंद जिले के भालुकोना-जामनीडीह निकल, क्रोमियम और पीजीई ब्लॉक में हुई है। ये इलाका लगभग तीन हजार हेक्टेयर में फैला हुआ है। इस इलाके की शुरूआती खोजबीन भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण द्वारा जी 4 स्तर पर की गई थी। इसके बाद ये संभावना दिखाई पड़ी थी कि यहां इन खनिजों की मौजूदगी हो सकती है। इस आधार पर, छत्तीसगढ़ शासन के खनिज साधन विभाग के तहत आने वाले भूविज्ञान एवं खनिकर्म संचालनालय (डीजीएम) ने आगे का काम किया। डीजीएम ने बड़े पैमाने पर भू-वैज्ञानिक आंकड़ों को जुटाया और फिर ब्लॉक की ई-नीलामी प्रक्रिया पूरी कराई। अधिकारियों ने बताया कि छह मार्च 2023 को ब्लॉक की सफलतापूर्वक नीलामी हो गई। इसमें डीजीएमएल ने 21 फीसदी सबसे ऊंची बोली लगाकर इसे हासिल किया। इसके बाद डीजीएम छत्तीसगढ़ द्वारा खोजबीन कार्यों को तेजी से करने के लिए तकनीकी मार्गदर्शन और निरंतर सहयोग प्रदान किया गया। खनिज तत्वों की खोज की इस उपलब्धि पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने प्रसन्नता जाहिर की है। उन्होंने खुश होते हुए कहा कि यह ऐतिहासिक खोज राज्य और देश के लिए बेहद जरूरी खनिज संसाधनों को सुरक्षित करने की दिशा में एक निर्णायक कदम है। उन्होंने कहा, यह 'आत्मनिर्भर भारत' मिशन की भावना को सशक्त करती है और रणनीतिक क्षेत्रों में सतत एवं आत्मनिर्भर विकास को प्रोत्साहित करती है। छत्तीसगढ़ शासन वैज्ञानिक एवं विस्तृत खनिज अन्वेषण तथा विकास को पूर्ण समर्थन प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

जम्मू-कश्मीर में खाली हैं राज्यसभा की 4 सीटें, असमंजस में चुनाव आयोग; राष्ट्रपति दे सकती हैं दखल

नई दिल्ली, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर की चार राज्यसभा सीटें फरवरी 2021 से खाली हैं। इसने एक संवैधानिक सवाल को जन्म दिया है जिसके लिए राष्ट्रपति का परामर्श मांगा जा सकता है। इसका कारण यह है कि वहां हाल के वर्षों में लगातार आपातकाल लगने के कारण उच्च सदन में प्रतिनिधित्व प्रभावित हुआ है। सभी चार राज्यसभा सांसद अपने छह वर्ष के कार्यकाल पूरा करने के बाद एक साथ रिटायर हो गए। अनुच्छेद 83 में निर्धारित रोटेशन के अनुसार हर दो वर्ष में ऐसा होना था।

पंजाब और दिल्ली की सीटों का मामला भी यही है, जहां सभी राज्यसभा सदस्य हर दो वर्ष में सेवानिवृत्त होने के बजाय एक साथ रिटायर हो रहे हैं। चुनाव आयोग भी इस मुद्दे पर दुविधा में है। इकोनॉमिक टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, जल्द ही राष्ट्रपति से इस मामले पर परामर्श मांगा जा सकता है। आपको बता दें कि अनुच्छेद 143 के तहत चुनाव आयोग के पास राष्ट्रपति से परामर्श मांगने की शक्ति है। जम्मू-कश्मीर में यह हालात 1990 में लगाए गए आपातकाल के कारण उत्पन्न हुआ।

जो कि छह वर्षों तक चला। वहां के सभी राज्यसभा सदस्यों का कार्यकाल एक साथ पूरा हुआ। जम्मू-कश्मीर का प्रतिनिधित्व करने वाले सभी चार राज्यसभा सदस्यों ने फरवरी 2021 में अपना कार्यकाल पूरा किया। उनमें लाम नबी आजाद और नजीर अहमद लावे ने 15 फरवरी को अपना कार्यकाल पूरा किया, जबकि मीर मुहम्मद फैयाज और शमशेर सिंह मानहास का कार्यकाल 10 फरवरी को समाप्त हुआ। इसके कारणसे रोटेशन का सिद्धांत प्रभावित हुआ। यदि चुनाव आयोग चार रिक्त सीटों के लिए राज्यसभा चुनाव की घोषणा करता है तो उनका कार्यकाल फिर से एक साथ खत्म होगा, जो कि अनुच्छेद 83 के तहत ठीक नहीं है। इसी तरह, 1987 तक लगातार आपातकाल लगने के कारण पंजाब की सभी सात राज्यसभा सीटें 2016 में एक साथ खाली हुईं, जिससे राज्यसभा सदस्यों के हर दो वर्ष में रिटायर होने का सूत्र बाधित हुआ। अप्रैल-जुलाई 2022 में निर्वाचित इसके सभी छह वर्तमान राज्यसभा सांसद अप्रैल-जुलाई 2028 में रिटायर होंगे। दिल्ली को भी इसी हालात का सामना करना पड़ रहा है, जहां सभी तीन राज्यसभा सीटें एक साथ भरी गई हैं।

हाईवे की हालत खराब, फिर किस बात का 'टोल टैक्स'?

केरल हाईकोर्ट ने एनएचएआई को फटकारा

तिरुअनंतपुरम, एजेंसी। केरल हाईकोर्ट ने बुधवार को नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) को कड़ी फटकार लगाते हुए एक नेशनल हाईवे पर चार हफ्तों के लिए टोल टैक्स वसूलने पर रोक लगा दी है। कोर्ट ने एडापल्ली से मन्नुथी जाने वाले नेशनल हाईवे-544 की खराब हालत के बाद भी वसूले जा रहे टोल टैक्स को लेकर दायर याचिकाओं की सुनवाई के दौरान यह फैसला सुनाया। कोर्ट के मुताबिक जब पूरे रोड की हालत खराब है और व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है तो फिर वह जनता से किस बात का टोल वसूल कर रहे हैं।

जस्टिस ए. मुहम्मद मुस्ताक और जस्टिस हरिशंकर वी. मेनन की बेंच ने इस मामले में एनएचएआई को भी जमकर लताड़ लगाई। कोर्ट ने कहा कि एनएचएआई और उसके एजेंट्स की यह जिम्मेदारी है कि वह जनता के लिए सुरक्षित और आसान जगह बनाएँ। अगर किसी कारण से यह संभव नहीं है, तो फिर टोल

टैक्स वसूलना कानूनी रूप से गलत है। कोर्ट ने कहा कि जनता और सरकार के बीच में एक भरोसे का रिश्ता होता है, जब सरकार उस भरोसे पर खरा नहीं उतर पा रही है तो वह जनता के ऊपर जबरदस्ती टैक्स नहीं थोप सकती।

इतना ही नहीं कोर्ट ने साफ तौर पर कहा कि कोई भी कॉन्ट्रैक्ट या समझौता आम जनता के हितों से ज्यादा महत्वपूर्ण नहीं हो सकता है। अगर सड़कें इस्तेमाल लायक नहीं है, तो केवल समझौते या कॉन्ट्रेक्ट का बहाना देकर टोल वसूल करना पूरी तरह से गलत है। इसके साथ ही कोर्ट ने चार हफ्तों के लिए टोल वसूलने पर पाबंदी लगा दी और केंद्र सरकार को निर्देश देते हुए कहा कि उन्हें जनता की शिकायतों को सुनते हुए इसका समाधान निकालना होगा। गौरतलब है कि यह स्थानीय लोगों ने काफी पहले से कोर्ट में इस हाईवे की खराब हालत और यहां वसूले जाने वाले टोल के ऊपर याचिका दर्ज की थी। कोर्ट ने शुरुआती तौर पर इस मामले में सुनवाई करते हुए एनएचएआई को सलाह दी थी।

पत्नी ने कान में जहर देकर पति को मार डाला, हत्या का तरीका यूटयूब से सीखा

हैदराबाद, एजेंसी। तेलंगाना के करिमनगर में एक दिल दहला देने वाला हत्याकांड सामने आया है। एक महिला ने अपने प्रेमी और उसके दोस्त के साथ मिलकर अपने पति की निर्मम हत्या कर दी। इस हत्या की साजिश इतनी ठंडे दिमाग से रची गई थी कि महिला ने इसे अंजाम देने के लिए यूट्यूब का सहारा लिया। मृतक की पहचान संपथ के रूप में हुई है, जो एक पुस्तकालय में सफाईकर्मी था। वह शराब पीने का आदी था और अक्सर नशे की हालत में पत्नी रामादेवी से झगड़ा करता था। परिवार में दो बच्चे हैं, जिनका भरण-पोषण रामादेवी अपने नाश्ते की दुकान से करती थी। नाश्ते की दुकान पर ही रामादेवी की मुलाकात 50 साल के कर्रे राजय्या से हुई। बाद में दोनों के अवैध संबंध बन गए। पुलिस जांच में सामने आया कि रामादेवी ने अपने पति से छुटकारा पाने की ठान ली थी। इसके लिए उसने यूट्यूब पर खोजबीन कर एक वीडियो देखा जिसमें कीटनाशक को किसी के कान में डालकर हत्या करने का तरीका बताया गया था। रामादेवी ने यह खौफनाक योजना अपने प्रेमी राजय्या को बताई। इसके बाद दोनों ने मर्डर की योजना बनाई। हत्या वाली रात राजय्या और उसके दोस्त श्रीनिवास ने संपथ को बॉम्माकल फ्लाईओवर के पास शराब पीने के बहाने बुलाया। शराब पीने के बाद जैसे ही संपथ नशे की हालत में जमीन पर गिरा, राजय्या ने उसके कान में कीटनाशक डाल दिया। इससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हत्या के बाद, राजय्या ने रामादेवी को कॉल कर सूचित किया कि काम हो गया है। अगले दिन रामादेवी ने पुलिस थाने जाकर संपथ की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करवाई, जैसे वह कुछ नहीं जानती हो। लेकिन पुलिस को शक तब हुआ जब 1 अगस्त को संपथ का शव मिलने के बाद, रामादेवी और राजय्या दोनों ने एक सुर में कहा कि पोस्टमार्टम न कराया जाए। इस मांग ने पुलिस को और सतर्क कर दिया। मृतक के बेटे ने भी मौत को संदिग्ध बताते हुए पुलिस से जांच की मांग की। पुलिस ने जब फोन कॉल डेटा, लोकेशन ट्रैकिंग और सीसीटीवी फुटेज खंगाले तो साजिश की परतें खुलने लगीं। तीनों आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई,

भारत ने पाकिस्तान के साथ सीजफायर का क्रेडिट नहीं लेने दिया इसलिए रूठे ट्रंप?

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत पर पहले ही 25 फीसदी टैरिफ लगा चुके अमेरिका ने इसे और बढ़ाने का ऐलान किया है। बुधवार को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 25 प्रतिशत और अतिरिक्त शुल्क लगा दिया, जो 27 अगस्त से प्रभावी हो सकता है। हालांकि, इसकी वजह ट्रंप रूस से तेल खरीदना बता रहे हैं। वहीं, जानकारों का मानना है कि इसकी एक वजह भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम का श्रेय हो सकती है।

समाचार एजेंसी एएनआई से बातचीत में विल्सन सेंटर में साउथ एशिया इंस्टीट्यूट के निदेशक माइकल कूगलमैन ने कहा, ...दुर्भाग्य से बीते कुछ दिनों से जारी घटनाक्रमों को देखते हुए ये नई घोषणा बिल्कुल भी हैरान करने वाली नहीं है। राष्ट्रपति भी टैरिफ लागू करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध नजर आ रहे हैं। भारत और अमेरिका के रिश्तों को संभावित हानिकारक प्रभाव के बावजूद मेरे लिए यह हैरानी की बात नहीं है कि राष्ट्रपति ने अपनी धमकी पर अमल करने का फैसला किया।

जब सवाल किया गया कि रूसी तेल खरीदने पर क्यों ट्रंप भारत को निशाना बना रहे हैं और चीन को

नहीं। इसपर कूगलमैन ने कहा, ...चीन ने खुलकर सामने आकर राष्ट्रपति ट्रंप को सीजफायर में उनकी भूमिका का श्रेय लेने से इनकार नहीं किया। चीन की तरफ से किसी नेता ने ट्रंप के साथ फोन पर लंबी बात नहीं की और नहीं बताया कि क्या सही है और क्या गलत। उन्होंने कहा, भारत के मामले में ऐसा हुआ है। तो मुझे लगता है कि शायद यही वजह है कि राष्ट्रपति ट्रंप अपनी नाराजगी व्यापार और और शुल्क के जरिए भारत और भारत सरकार पर निकालेंगे। यह वाकई डबल स्टैंडर्ड, पाखंड है या जो भी आप कहना चाहें...।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ जवाबी कार्रवाई की थी। हालांकि, बाद में दोनों देशों ने संघर्ष विराम का ऐलान किया था। अब ट्रंप दावा करते रहे हैं कि सीजफायर उन्होंने कराया है। जबकि, भारत ने साफ किया है कि इसमें कोई तीसरा पक्ष शामिल नहीं है। ट्रंप की तरफ से आदेश जारी होने के कुछ ही देर बाद, भारत ने कहा कि वाशिंगटन ने रूस से उसके तेल आयात को निशाना बनाया है और वह राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए सभी आवश्यक कार्रवाई करेगा। विदेश मंत्रालय ने रूस के साथ भारत के ऊर्जा संबंधों का बचाव करते हुए कहा कि आयात बाजार कारकों पर आधारित है और देश के 1.4 अरब लोगों की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के समग्र उद्देश्य से किया जाता है।

मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि कई अन्य देश भी अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए ऐसी खरीद कर रहे हैं तथा इस मुद्दे पर उसे निशाना बनाए जाने पर निराशा व्यक्त की। अमेरिकी राष्ट्रपति ने भारत द्वारा रूस से कच्चे तेल की खरीद जारी रखने का हवाला देते हुए भारतीय वस्तुओं पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगाने का कार्यकारी आदेश जारी किया। ट्रंप का अतिरिक्त शुल्क लगाने का फैसला 21 दिनों के बाद लागू होगा जिसके बाद कुछ भारतीय वस्तुओं पर शुल्क बढ़कर 50 प्रतिशत हो जाएगा।

महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में ट्रक की चपेट में आने से चार नाबालिग लड़कों की मौत, दो घायल

गढ़चिरौली , एजेंसी। महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले में बृहस्पतिवार सुबह एक ट्रक के टक्कर मारने से चार नाबालिग लड़कों की मौत हो गई और दो अन्य लड़के घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह दुर्घटना सुबह करीब पांच बजे आरमोरी-गढ़चिरौली राजमार्ग पर हुई। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार 12 से 16 वर्ष की आयु के छह नाबालिग लड़के जिला मुख्यालय से 12 किलोमीटर दूर कटली गांव में सड़क किनारे बैठे थे तभी एक ट्रक ने उन्हें टक्कर मार दी। उन्होंने बताया कि इन लड़कों में से चार की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। राज्य के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस इस दुर्घटना पर खेद व्यक्त किया है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''मैं शोक संतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं।

कांग्रेस सांसद ने की लालू द्वारा चलाए गरीब रथ का नाम बदलने की मांग, रेलवे ने दिया जवाब

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस के अमृतसर से सांसद गुरजीत सिंह औजला ने बुधवार को गरीब रथ एक्सप्रेस ट्रेनों के नाम को लेकर सवाल उठाया और कहा कि यह शब्द गरीब और मध्यम वर्गीय लोगों की गरिमा और आत्म-सम्मान के खिलाफ है, जो कड़ी मेहनत कर अपने सपनों को साकार करने की कोशिश करते हैं। सांसद ने संसद में रेल मंत्रालय से सवाल करते हुए पूछा कि क्या सरकार इस नाम को लेकर बढ़ती जनभावनाओं और आपत्तियों से अवगत है और क्या इसे बदलने की कोई योजना है?

'गरीब रथ एक्सप्रेस' ट्रेनों की शुरुआत 2005 में तत्कालीन रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव ने की थी। इन ट्रेनों का मकसद था कि गरीब और मध्यम वर्गीय लोग भी कम कीमतों पर वातानुकूलित (एसी) यात्रा का लाभ उठा सकें। यह ट्रेनें कई राज्यों के शहरों को जोड़ती हैं और पूरी तरह से एसी कोच वाली होती हैं, लेकिन सामान्य ट्रेनों की तुलना में इसका किराया कम होता है। गुरजीत सिंह औजला ने अपने सवाल में कहा, क्या सरकार इस बात से अवगत है कि 'गरीब रथ' नाम अब सस्ती,ष्ट यात्रा का प्रतीक न रहकर, उपदेशात्मक या दया दिखाने वाले और उभरते मध्यम वर्ग की आकांक्षाओं से असंगत माना जा रहा है? खासकर अमृतसर जैसे शहरों के मेहनती लोगों द्वारा इस सेवा का अक्सर इस्तेमाल किया जाता है। उन्होंने आगे पूछा, क्या ऐसी कोई योजना है कि इस ट्रेन का नाम बदला जाए ताकि यह सशक्तिकरण, समावेशन और राष्ट्रीय गौरव जैसे मूल्यों को प्रतिबिंबित कर सके? औजला ने बाद में द इंडियन एक्सप्रेस से बातचीत में कहा, गरीब और रथ शब्द आपस में मेल नहीं खाते। यह शब्दावली अनुचित और अपमानजनक लगती है। लोगों का एक प्रतिनिधिमंडल भी मुझसे मिला और इस नाम पर नाराजगी व्यक्त की, इसलिए मैंने संसद में यह मुद्दा उठाया। कई अन्य नाम इस सेवा के उद्देश्य को बेहतर ढंग से दर्शा सकते थे। औजला के सवाल के जवाब में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने स्पष्ट कहा, भारतीय रेल का लक्ष्य समाज के सभी वर्गों को सस्ती और गुणवत्तापूर्ण सेवाएं प्रदान करना है। 'गरीब रथ' ट्रेनों का नाम बदलने को लेकर अभी तक कोई अनुरोध प्राप्त नहीं हुआ है और न ही ऐसा कोई प्रस्ताव विचाराधीन है।

अलगाववाद को बढ़ावा देती हैं... जम्मू-कश्मीर में अरुंधति रॉय की आजादी समेत 25 किताबें बैन

नई दिल्ली, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर की सरकार ने प्रदेश में 25 किताबों पर प्रतिबंध लगाने का आदेश जारी किया है। इन किताबों पर आरोप है कि इनके जरिए झूठी कहानी गढ़कर अलगाववाद को बढ़ावा दिया जा रहा है। प्रतिबंध लगाई गई इन किताबों में सबसे प्रमुख नाम लेखिका और कार्यकर्ता अरुंधति राय का है, जिनकी कश्मीर मुद्दे पर लिखी किताब आजादी को बैन कर दिया गया है। इसके अलावा एजी नूरानी की द कश्मीर डिस्प्यूट 1947-2012, सुमंत्र बोस की कश्मीर एट द क्रॉसरोड्स और 'कॉन्टेस्टेड लैंड्स' को भी बैन किया गया है।

जम्मू-कश्मीर सरकार द्वारा जारी एक अधिसूचना में इन किताबों को प्रतिबंधित करने के पीछे तर्क भी दिया गया है। राज्य गृह विभाग के मुख्य सचिव चंद्रेकर भारती ने कहा, अगर कोई साहित्य ऐतिहासिक घटना या राजनीतिक टिप्पणी से जोड़कर लिखा जाता है। वह युवाओं की कट्टरतावादी सोच, हिंसा और आतंकवाद को बढ़ावा देता है। ऐसा साहित्य स्थानीय लोगों में पीड़ित होने के भय को बढ़ावा देता है और आतंकवादी वीरता की संस्कृति को बढ़ाकर युवाओं की मानसिकता पर गहरा प्रभाव छोड़ता है।

उन्होंने आगे कहा, इन किताबों ने जम्मू-कश्मीर के युवाओं को कट्टरपंथ की तरफ मोड़ने में भी भूमिका निभाई है। इनमें ऐतिहासिक तथ्यों को तोड़-मरोड़कर पेश किया गया है। इसके अलावा आतंकियों का महिमामंडन, सुरक्षा बलों का अपमान, धार्मिक कट्टरपंथ को बढ़ावा, हिंसा का महिमामंडन भी किया गया है।

भारती ने बताया कि यह किताबें किसी एक प्रकाशन केंद्र की नहीं है, बल्कि अलग-अलग जगह की हैं। इसमें रुटलेज, स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, ऑक्सफोर्ड प्रेस शामिल है। वर्तमान में इन सभी किताबों को भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 98 के तहत जब्त कर लिया गया है। सरकार के मुताबिक इन किताबों को अलगाववाद को बढ़ाने वाली और भारत की संप्रभुता और अखंडता को खतरे में डालने वाला पाया गया है। इसलिए इन पर धारा 152,196 और 197 के तहत बैन लगाया गया है।

श्रेयस अय्यर को मिलने वाली है खुशखबरी

नई दिल्ली, एजेंसी। श्रेयस अय्यर आईपीएल के बाद से क्रिकेट के मैदान पर काफी कम दिखाई दिए हैं, अब खबरे हैं कि ये खिलाड़ी एशिया कप में नजर आएगा. रिपोर्ट्स हैं कि टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर और चयनकर्ता श्रेयस अय्यर को टीम इंडिया में मौका दे सकते हैं.

रिपोर्ट्स के मुताबिक अगस्त के तीसरे या चौथे हफ्ते में एशिया कप के लिए टीम इंडिया का चयन होगा, इसके साथ-साथ वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए भी टीम चुनी जाएगी और इन दोनों ही टीमों में श्रेयस अय्यर को मौका मिलने वाला है. श्रेयस अय्यर इसलिए एशिया कप और टेस्ट फॉर्मेट में वापसी के बड़े दावेदार हैं क्योंकि टीम को अनुभव की जरूरत है. अय्यर हैं तो तीस साल के लेकिन उन्होंने काफी ज्यादा क्रिकेट खेला है. उन्हें इंटरनेशनल क्रिकेट के प्रेशर का भी अनुभव है. टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक अय्यर एशिया कप में मिडिल ऑर्डर में खेलते दिख सकते हैं. स्पिन गेंदबाजी के खिलाफ उनकी अच्छी बल्लेबाजी भी उनकी वापसी का दावा ठोक रही है. यही वजह है कि भारत में वेस्टइंडीज और साउथ अफ्रीका के खिलाफ होने वाली टेस्ट सीरीज में भी उनका सेलेक्शन तय माना जा रहा है. फिलहाल श्रेयस अय्यर का सेलेक्शन वेस्ट जोन टीम में हुआ है. वो दिलीप ट्रॉफी में 28 अगस्त से नजर आएंगे.

श्रेयस अय्यर ने रन भी खूब बनाए हैं

श्रेयस अय्यर ने अपनी बैटिंग से भी सेलेक्टर्स को उन्हें चुनने के लिए मजबूर सा कर दिया है. इस खिलाड़ी ने आईपीएल 2025 में कमाल ही कर दिखाया. टूर्नामेंट में पंजाब किंग्स की कप्तानी करते हुए उन्होंने 175 के स्ट्राइक रेट से 604 रन बनाए. अय्यर की बैटिंग एवरेज भी 50 से ज्यादा की रही. उनकी कप्तानी में पंजाब किंग्स आईपीएल फाइनल तक पहुंची लेकिन खिताबी जंग में उसे आरसीबी से हार का सामना करना पड़ा.

क्या भारत की टी-20 टीम में राहुल की होगी वापसी?

493 विकेट वाले पूर्व खिलाड़ी ने चयनकर्ताओं को लेकर कही बात

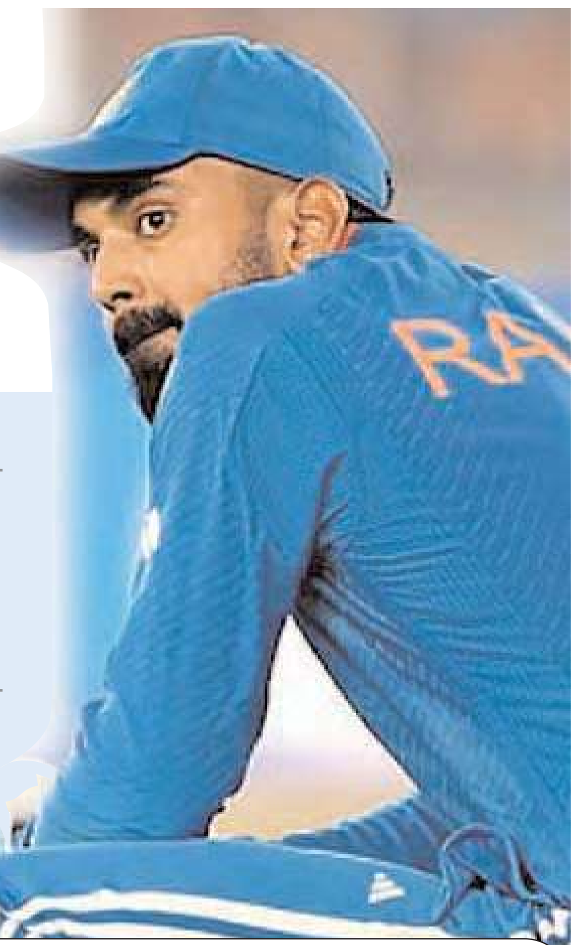

नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड दौरे पर शानदार प्रदर्शन के बाद भारतीय टीम को अब टी20 क्रिकेट पर फोकस करना है। सितंबर में एशिया कप होना है। अजीत अगरकर की अगुआई वाली चयन समिति जल्द ही इस टूर्नामेंट के लिए टीम का ऐलान करेगी। चयनकर्ताओं के लिए टीम का चयन आसान नहीं होने वाला है। भारत की टी20 टीम की बात करें तो बीते कुछ समय में शुभमन गिल और यशस्वी जायसवाल जैसे खिलाड़ी भी टीम का हिस्सा नहीं रहे हैं। अभिषेक शर्मा और तिलक वर्मा जैसे खिलाड़ियों ने मौके को दोनों हाथों से लपका है। एशिया कप से पहले शुभमन गिल और श्रेयस अय्यर की वापसी की मांग तेज हो गई है। इस बीच भारत के पूर्व तेज गेंदबाज डोडा गणेश ने गिल और श्रेयस के अलावा केएल राहुल की टी20 टीम में वापसी की मांग कर दी है। 493 विकेट वाले कर्नाटक के पूर्व खिलाड़ी ने कहा है कि भारत की टी20 टीम चुनने में चयनकर्ताओं को सिरदर्दी होने वाली है।

3 साल से भारत की टी20 टीम से बाहर

डोडा गणेश ने एक्स पर कहा, चयनकर्ताओं को श्रेयस अय्यर, गिल और केएल राहुल को टी20 टीम में शामिल करने में कड़ी मशक्कत करनी पड़ेगी। राहुल की बात करें तो वह लगभग 3 साल से भारत की टी20 टीम से बाहर हैं। वह टी20 वर्ल्ड कप 2022 के बाद से इस फॉर्मेट में भारत के लिए नहीं खेले हैं। इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में वह आखिरी बार खेले थे।

राहुल की वापसी मुश्किल

केएल राहुल के बगैर भारतीय टीम 2024 में टी20 वर्ल्ड कप जीत चुकी है। यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल और इशान किशन जैसे खिलाड़ी भी टीम से बाहर हैं। अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन और तिलक वर्मा ने मौके का भरपूर फायदा उठाया है। ऐसे में राहुल की टी20 टीम वापसी काफी मुश्किल है। भारतीय टीम जिस टैम्पलेट पर टी20 क्रिकेट खेल रही है उसमें दाएं हाथ का बल्लेबाज शायद ही फिट हो।

धोनी ने सीएसके के साथ भविष्य पर दिया बयान, यह चेन्नई के लिए अच्छा है

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग में महेंद्र सिंह धोनी के भविष्य को लेकर काफी चर्चा हो रही है। आईपीएल 2025 के दौरान रुतुराज गायकवाड़ के चोटिल होने के बाद धोनी ने एक बार फिर सीएसके की कप्तानी संभाली, लेकिन पूरा सीजन धोनी के संन्यास की अफवाहों से भरा रहा। हालांकि खुद धोनी या फ्रैंचाइजी ने इस पर कुछ नहीं कहा। हाल ही में एक कार्यक्रम के दौरान इस अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज से एक बार फिर उनके सीएसके में भविष्य के बारे में पूछा गया और उन्होंने इसका स्पष्ट जवाब दिया। धोनी ने कहा, मैंने हमेशा कहा है कि मेरे पास फैसला करने के लिए बहुत समय है, लेकिन अगर आप पीली जर्सी में वापसी के बारे में पूछ रहे हैं, तो मैं हमेशा पीली जर्सी में ही रहूंगा, चाहे मैं खेलूं या नहीं, यह अलग बात है। मैं और सीएसके हम साथ हैं। आप जानते हैं, अगले 15-20 सालों तक भी। मुझे उम्मीद है कि उन्हें नहीं लगता कि मैं अगले 15-20 साल और खेलूंगा। धोनी 2008 में पहले आईपीएल सीजन से ही सीएसके का हिस्सा रहे हैं और उनकी कप्तानी में उन्होंने रिकॉर्ड 5 बार खिताब जीता है। धोनी ने टीम के साथ अपने रिश्ते और टीम व शहर के साथ अपने संबंधों के विकास के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि पिछले कुछ वर्षों में यह रिश्ता और मजबूत हुआ है। इसने मुझे एक व्यक्ति के रूप में बेहतर बनाने में मदद की। इसने मुझे एक क्रिकेटर के रूप में बेहतर बनाने में मदद की। सीएसके बस यूं ही बन गया। मुझे लगता है कि यह चेन्नई के लिए अच्छा है। इसलिए, आज यह मेरे लिए भी अच्छा है।

अंडर 22 एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप:

नीरज, ईशान, यात्री और प्रिया फाइनल में पहुंचे

बैंकॉक, एजेंसी। नीरज (पुरुष, 75 किलोग्राम) और ईशान कटारिया (पुरुष, 90+ किलोग्राम), यात्री पटेल (महिला, 57 किलोग्राम), प्रिया (महिला, 60 किलोग्राम) ने बुधवार को बैंकॉक में अंडर-22 एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप 2025 में अपने-अपने भार वर्ग के फाइनल में प्रवेश किया। नीरज ने अपनी स्पीड और काउंटर अटैक का फायदा उठाते हुए दक्षिण कोरिया के क्योंघो बैंग को 5-0 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। इसके बाद ईशान कटारिया भी फाइनल में पहुंचे, जहां उन्होंने अपने लंबे कद और दमदार मुक्कों के साथ चीन के चेन चेन पर दबदबा बनाया। आलम यह रहा कि चीनी मुक्केबाज को बुरी तरह पिटता देखकर रेफरी को तीसरे राउंड में मुकाबला रोकना पड़ा।

यात्री पटेल फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला मुक्केबाज बनीं। उन्होंने लेफ्ट-राइट पंच के कॉम्बिनेशन का बेहतरीन इस्तेमाल करते हुए वियतनाम की थी नुंग क्वांड को 57 किलोग्राम वर्ग के सेमीफाइनल में 5-0 के सर्वसम्मत फैसले से हराया। कुछ मिनट बाद, प्रिया ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए उज्बेकिस्तान की ओडिनाखोन इस्मोइलोवा को शिकस्त देकर महिलाओं के 60 किलोग्राम वर्ग के फाइनल में प्रवेश किया।

अंडर-19 और अंडर-22 एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप का आयोजन एक साथ हो रहा है। भारत ने इन दोनों आयु वर्गों में कुल 40 मुक्केबाजों को उतारा है, जिसमें घरेलू स्तर पर प्रभावित करने वाली युवा प्रतिभाओं और अनुभवी चैंपियंस का बेहतरीन संयोजन देखने को मिल रहा है। सेमीफाइनल में पहुंचे चार अन्य भारतीय मुक्केबाजों में रॉकी चौधरी दुर्भाग्यशाली रहे। उन्हें ईरान के सैम एस्ताकी के खिलाफ बाउट में दोनों भौहों पर कट लगा। इसके चलते रेफरी ने उन्हें दूसरे राउंड में मुकाबला जारी रखने की अनुमति नहीं दी। वहीं, हर्ष (60 किलोग्राम) और मयूर (90 किलोग्राम) ने अपने-अपने मुकाबलों में पूरा दमखम दिखाया, लेकिन जजों के विभाजित फैसले में उन्हें हार का सामना करना पड़ा। हर्ष को उज्बेकिस्तान के शोहरूह अब्दुमालिकोव से 1-4 से हार मिली, जबकि मयूर को उसी देश के शखजोद पोल्वोनोव के हाथों हार का सामना करना पड़ा।

अन्य भारतीय मुक्केबाज अंकुश को कजाकिस्तान के सानझर-अली बेगालियेव के खिलाफ 0-5 से हार झेलनी पड़ी। हालांकि, यह चारों मुक्केबाज कांस्य पदक के साथ देश लौटेंगे। भावना शर्मा अपनी क्वार्टरफाइनल की फॉर्म को दोहरा नहीं सकीं। उन्हें महिलाओं के 48 किलोग्राम भारवर्ग में उज्बेकिस्तान की रोबियाखोन बख्तियोरोवा से 1-4 से हार का सामना करना पड़ा।

लुइस सुआरेज और डी पॉल ने इंटर मियामी को लीग्स कप क्वार्टरफाइनल में पहुंचाया

फोर्ट लॉडरडेल, एजेंसी। इंटर मियामी सीएफ ने टीम के तीसरे और अंतिम लीग कप 2025 चरण के एक मुकाबले में लीगा एमएक्स पुमास उनम पर 3-1 की जीत दर्ज करते हुए क्वार्टर फाइनल में स्थान सुरक्षित किया। दिग्गज स्ट्राइकर लुइस सुआरेज की टीम की जीत में अहम भूमिका रही। सुआरेज ने एक गोल और दो असिस्ट के साथ शानदार प्रदर्शन किया। मिडफील्डर रोड्रिगो डी पॉल ने क्लब के लिए अपना पहला गोल किया और तादेओ अलेंदे ने गोल किया। उनम की तरफ से 34वें मिनट में जॉर्ज रुवाल्काबा ने एकमात्र गोल किया।

यह मैच का पहला गोल था। इंटर मियामी की तरफ से पहला गोल 45वें मिनट में लगा। ये गोल डी पॉल ने लगाया। डी पॉल ने लुइस सुआरेज की लेफ्ट विंग से आई गेंद को सीने से रोका, फिर नीचे-दाएं कोने में एक बेहतरीन आउटसाइड-ऑफ-द-फुट फिनिश के साथ गोल किया। यह असिस्ट सुआरेज का टूर्नामेंट में पहला और 2025 में सभी प्रतियोगिताओं में कुल मिलाकर 14वां था। सुआरेज ने 59वें मिनट में पेनेंका के पेनल्टी स्पॉट पर किए गए गोल के साथ इंटर मियामी के लिए स्कोरलाइन पलट दी। इस गोल के साथ ही इस सीजन में की प्रतियोगिताओं में उनके गोलों की संख्या 10 हो गई। अलेंदे ने 69वें मिनट में इंटर मियामी के लिए तीसरा और निर्णायक गोल दागकर टीम की जीत पर मुहर लगा दी। इस गोल के लिए भी सुआरेज ने असिस्ट किया था। यह सीजन में अलेंदे का 11वां गोल था।

शुभमन गिल आईसीसी मेंस प्लेयर ऑफ द मंथ पुरस्कार के लिए नॉमिनेट

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टेस्ट कप्तान शुभमन गिल आईसीसी मेंस प्लेयर ऑफ द मंथ पुरस्कार के लिए नामित किए गए हैं। इसमें जुलाई 2025 में शानदार प्रदर्शन करने वाले तीन खिलाड़ियों को शामिल किया गया है।

नॉमिनेट किए गए खिलाड़ियों में गिल के अलावा, इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स और दक्षिण अफ्रीका के ऑलराउंडर वियान मुल्डर शामिल हैं। शुभमन गिल ने इंग्लैंड के खिलाफ पांच मुकाबलों की टेस्ट सीरीज में 75.40 की औसत के साथ 754 रन बनाए। बर्मिंघम में खेले गए मैच में उन्होंने 269 और 161 रन की पारी खेली थी। शुभमन गिल ने इस टेस्ट सीरीज 147, 8, 269, 161, 16, 6, 12, 103, 21 और 11 रन की पारी खेली। कप्तान के रूप में अपनी पहली सीरीज खेलते हुए गिल ने स्थिरता और आक्रामक स्वभाव का मिश्रण दिखाया। फैंस उन्हें विराट कोहली का उत्तराधिकारी मान रहे हैं। उनकी कप्तानी में भारत ने पांच मुकाबलों की सीरीज 2-2 से बराबरी पर खत्म की।

वहीं, इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने चार मुकाबलों की सात पारियों में 43.43 की औसत के साथ 304 रन बनाए। इसमें शतकीय पारी भी शामिल है। इसके साथ ही स्टोक्स ने पूरी सीरीज में 17 विकेट भी हासिल किए। बेन स्टोक्स ने लगातार दो मैचों में प्लेयर ऑफ द मैच का खिताब जीता। लॉर्ड्स में उनके ऑलराउंड प्रदर्शन ने इंग्लैंड को 22 रनों से रोमांचक जीत दिलाई। दूसरी ओर, मुल्डर ने जिम्बाब्वे के खिलाफ दो टेस्ट मैचों में 265.5 की औसत से 531 रन बनाए। उन्होंने पहले टेस्ट की दूसरी इनिंग में 147 रनों की संयमित पारी खेली। मुल्डर ने बुलावायो में अपने करियर की सबसे बड़ी नाबाद 367 रनों की पारी खेली।

यह दक्षिण अफ्रीका के टेस्ट इतिहास में किसी बल्लेबाज का सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर है। मुल्डर ने गेंदबाजी में भी योगदान देते हुए 15.28 की औसत से सात विकेट लिए। ऑलराउंड प्रदर्शन के चलते उन्हें प्लेयर ऑफ द सीरीज का पुरस्कार मिला।

लगा कंधा उखड़ जाएगा...

क्रिस वोक्स ने बताई ओवल टेस्ट की पीड़ा बोले- शुभमन गिल की बात ने दिल जीता

नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड के पेसर क्रिस वोक्स ने भारत के खिलाफ ओवल में खेले गए पांचवें टेस्ट के आखिरी दिन के बारे में खुलकर बात की. उन्होंने कंधे की गंभीर चोट के बावजूद बल्लेबाजी की थी. द गार्जियन से बातचीत में वोक्स ने उस पल में हुई तकलीफ और भावनाओं को साझा किया. उन्होंने बताया कि भारत के कप्तान शुभमन गिल ने उनकी हिम्मत की तारीफ की थी. वोक्स ने बताया- पहला शॉट सबसे दर्दनाक था. मैंने सिर्फ कोडीन ली थी और कंधा बहुत दुख रहा था.

फिर भी जब रन लेने की कोशिश की तो आदतन दौड़ पड़ा, जबकि हाथ बंधा हुआ था. उस वक्त सच में लगा कि कहीं कंधा फिर से बाहर न निकल गया हो. इसलिए आपने मुझे हेलमेट फेंकते, दांतों से ग्लव्स उतारते और कंधा चेक करते हुए देखा होगा. आखिरी में एटकिन्सन बोल्ड हो गए और

वोक्स को खेलने का मौका नहीं मिला. लेकिन फिर भी दर्शकों ने खड़े होकर तालियां बजाई, भारतीय टीम ने भी सम्मान दिखाया. मैच के बाद शुभमन गिल खुद वोक्स के पास आए. शुभमन गिल ने क्रिस वोक्स की बल्लेबाजी के बारे में क्या कहा? वोक्स ने कहा- शुभमन ने मुझसे कहा- ये बहुत बहादुरी भरा था. मैंने उसे जवाब दिया- तुम्हारी सीरीज शानदार रही, बहुत अच्छा खेला, और तुम्हारी टीम को भी क्रेडिट. वोक्स ने ये भी कहा कि अब भी बहुत निराश हूं कि वो फिनिश नहीं मिला जिसकी उम्मीद थी. लेकिन मैदान पर ना जाना कभी सोचा भी नहीं, चाहे जीत के लिए 100 रन भी बाकी होते. दर्शकों की तालियों ने अच्छा महसूस कराया और कुछ भारतीय खिलाड़ी भी सम्मान देने के लिए पास आए, लेकिन कोई और होता तो वो भी ऐसा ही करता. आप नौ विकेट पर मैच छोड़ नहीं सकते.

वोक्स को ओवल टेस्ट में कैसे चोट लगी थी?

क्रिस वोक्स को पहले दिन फील्डिंग करते समय कंधे में चोट लगी थी और इसके बाद उन्होंने मैच में हिस्सा नहीं लिया. लेकिन जब इंग्लैंड के नौ विकेट गिर गए और जीत के लिए 17 रन चाहिए थे, तब वोक्स पट्टी बंधे कंधे के साथ मैदान पर उतरे. ओवल के दर्शकों ने तालियों बजाकर उनका स्वागत किया. वो गस एटकिंसन का साथ देने उतरे थे.

ओलिंपिक मेडलिस्ट बॉक्सर लवलीना बोलीं-

बीएफआई अधिकारी ने मिसबिहेव किया-ज़ूम पर मुझसे कहा- अपना सिर नीचे करो और जैसा हम कहते हैं वैसा करो

नई दिल्ली, एजेंसी। टोक्यो ओलिंपिक गेम्स में भारत को ब्रॉन्ज मेडल दिलाने वाली मुक्केबाज लवलीना बोरगोहन ने इंडियन बॉक्सिंग एसोसिएशन के कार्यकारी निदेशक रिटायर्ड कर्नल अरुण मलिक पर मिसबिहेव के आरोप लगाए हैं।

लवलीना ने अपमानजनक और लैंगिक भेदभावपूर्ण व्यवहार करने का आरोप लगाया है। 27 साल की मुक्केबाज ने 2 पेज की लिखित शिकायत की है। वहीं, कर्नल मलिक ने लवलीना के आरोपों को गलत बताया है। इंडियन ओलिंपिक संघ ने इन आरोपों की जांच शुरू कर दी है। आईओए ने तीन सदस्यीय जांच समिति बनाई है, जिसमें टॉप्स के सीईओ नछत्तर सिंह जोहल, टेबल टेनिस खिलाड़ी शरत कमल और एक महिला वकील शामिल हैं। कमेटी को 2 हफ्तों में रिपोर्ट देनी है।

पूर्व सीएम बोले-आने वाली पीढ़ियों पर गंभीर जल संकट

केंद्रीय भूजल बोर्ड की रिपोर्ट्स में भूजल दोहन की स्थिति चिंताजनक

भोपाल। मप्र मानसूनी बारिश से नदियां और बांध लबालब हैं। कई जिलों में बाढ़ आ चुकी है। इन सबके बावजुद प्रदेश में भूजल तेजी से खत्म हो रहा है। दरसल केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय के तहत केंद्रीय भूजल बोर्ड की रिपोर्ट्स के अनुसार मप्र में भूजल दोहन की स्थिति चिंताजनक है। आंकड़ों के अनुसार प्रदेश में 2023 तक 58.75 प्रतिशत भूजल का दोहन हो चुका था। रिपोर्ट्स के अनुसार, इंदौर और भोपाल में भूजल स्तर क्रिटिकल स्थिति में है। केंद्रीय भूजल बोर्ड के अनुसार मप्र में 90 प्रतिशत भूजल का उपयोग कृषि के लिए, 9 प्रतिशत घरेलू उपयोग और 1 प्रतिशत औद्योगिक उपयोग के लिए होता है। अनियंत्रित बोरवेल, बढ़ती आबादी, और जल संचय की कमी को भूजल स्तर में गिरावट का प्रमुख कारण बताया गया है। जल शक्ति मंत्रालय भी अनियंत्रित दोहन को भूजल संकट का मुख्य कारण मानता है। मप्र में भूजल स्तर में आ रही गिरावट पर पूर्व सीएम कमलनाथ ने सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने केंद्र सरकार द्वारा राज्यसभा में पेश किए गए आंकड़ों के आधार पर कहा कि मप्र ने अपने भूजल का 60 प्रतिशत दोहन कर लिया है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि भूजल के मामले में मप्र खतरनाक स्थिति की तरफ बढ़ रहा है और समय रहते इस तरफ ध्यान नहीं दिया गया तो हम अपनी आने वाली पीढि ?ीं को गंभीर जल संकट में धकेल देंगे। कमलनाथ ने कहा कि पानी का अनियंत्रित दोहन, निरंतर खोदे जा रहे बोरवेल, बढ़ती आबादी और जल संचय की कमी भूजल स्तर में गिरावट के बड़े कारण हैं। इंदौर और रतलाम जिले पानी के अत्यधिक दोहन की श्रेणी में पहुंच चुके हैं। प्रदेश का पश्चिमी हिस्सा विशेष रूप से भूजल दोहन के मामले में अलामिंग स्तर पर है। प्रदेश भर में 317 असेसमेंट यूनिट जल संसाधन विभाग और केंद्रीय भूजल बोर्ड ने प्रदेश की 317 असेसमेंट यूनिट पर यह अध्ययन किया है। इन्हें अलग-अलग श्रेणियों में बांटा गया है। प्रदेश में अब भी 71 फीसदी यूनिट सुरक्षित श्रेणी में है। प्रदेश में भूजल दोहन की कुल औसत दर 58.40 प्रतिशत है। भोपाल में भूजल तेजी से खत्म हो रहा है। भोपाल के तीनों ब्लॉक सेमीक्रिटिकल कंडीशन में पहुंच गए हैं। जल संसाधन विभाग की मप्र के डायनामिक भूजल संसाधन रिपोर्ट में यह खुलासा हुआ है। जिले की कुल भौगोलिक सीमा 2,77,237 हेक्टेयर है। इसमें से 2,64,800 हेक्टेयर यानी 96 प्रतिशत में भूजल रिचार्ज की जरूरत जताई गई है। जबकि शेष 12,437 हेक्टेयर क्षेत्र पहाड़ी है। जिले में वार्षिक निकासी योग्य भूजल संसाधन 37,553 हेक्टेयर मीटर है, जिसमें से 29,776 हेक्टेयर मीटर भूजल पहले से ही उपयोग में लाया जा रहा है। इसका मतलब है कि जिले में भूजल दोहन की औसत दर 79.29 फीसदी पहुंच चुकी है, जो कि खतरे की घंटी है। विशेषज्ञों का कहना है कि अगर तत्काल जल संरक्षण और पुनर्भरण के उपाय नहीं अपनाए गए, तो आने वाले वर्षों में स्थिति बिगड़ सकती है।

इस संकट के लिए असंतुलित जल उपयोग जिम्मेदार

कमलनाथ ने कहा कि हमारे राज्य ने अब तक अपने भूजल संसाधनों का साठ प्रतिशत दोहन कर लिया है और उन्होंने यह भी बताया कि भोपाल, इंदौर, रतलाम जैसे शहर क्रिटिकल या ओवर-एक्सप्लॉइटेड श्रेणियों में आ चुके हैं। उन्होंने इस संकट के लिए असंतुलित जल उपयोग को जिम्मेदार ठहराया और कहा कि हम जितना पानी जमीन से निकाल रहे हैं, उतना पानी जमीन को वापस नहीं दे रहे। इस स्थिति से निपटने के लिए उन्होंने पारंपरिक जल स्त्रोतों जैसे कुओं और तालाबों को पुनर्जनन करने और आधुनिक भूजल रिचार्ज तकनीकों को बड़े पैमाने पर लागू करने की वकालत की। कमलनाथ ने चेतावनी दी कि यदि समय रहते इस दिशा में ठोस कदम नहीं उठाए गए तो आने वाली पीढ़ियों को गंभीर जल संकट का सामना करना पड़ सकता है।

कानूनी पेंच में फंसी पदोन्नति की गाइडलाइन!

12 अगस्त को हाईकोर्ट में होगी सुनवाई

भोपाल। मप्र में कर्मचारी संगठनों में आरक्षण के आधार पर प्रमोशन को लेकर विरोधाभास के चलते बीते नौ सालों से पदोन्नति का मामला कोर्ट की सुनवाई में उलझा पड़ा है। हाल के दिनों में डॉ. मोहन यादव की अगुवाई में पदोन्नति की गाइडलाइन भी अब कानूनी पेंच में फंसती दिख रही है। पदोन्नति के लिए जो नए नियम सरकार ने बनाए थे उन पर सपाक्स की याचिका के बाद जबलपुर हाईकोर्ट रोक लगा चुका है। अब 12 अगस्त को हाई कोर्ट जबलपुर में सुनवाई प्रस्तावित है। इसमें सरकार द्वारा दिए जाने वाले जवाब से निर्धारित होगा कि पदोन्नति का रास्ता खुलेगा या नहीं। उधर सरकार के इशारे पर सभी विभाग पदोन्नति लिस्ट तैयार करने में जुटे हुए हैं। वहीं कानूनी जानकारों के सहारे सपाक्स कर्मचारी संगठन की याचिका पर हाईकोर्ट में जवाब पेश करने की तैयारी भी कर चुका है। दरअसल, पदोन्नति का मामला सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन है। मध्य प्रदेश सरकार ने हाई कोर्ट के उसे आदेश को चुनौती दी है जिसमें 2002 के पदोन्नति नियमों को निरस्त किया गया था। हाई कोर्ट ने सरकार से यही पूछा है कि जब आपने नए नियम बना लिए तो फिर सुप्रीम कोर्ट में दायर विशेष अनुमति याचिका वापस क्यों नहीं ली। 12 अगस्त को हाई कोर्ट जबलपुर में सुनवाई प्रस्तावित है। इसमें सरकार द्वारा दिए जाने वाले जवाब से निर्धारित होगा कि पदोन्नति का रास्ता खुलेगा या नहीं। मप्र में 9 साल से अटके कर्मचारी-अधिकारियों के प्रमोशन को हाल ही में सरकार ने हरी झंडी दी थी। इसके लिए सरकार ने नई नीति बनाई थी उससे असंतुष्ट कर्मचारियों का एक धड़ा हाईकोर्ट पहुंच गया था। जिसके बाद जबलपुर हाईकोर्ट ने सुनवाई पूरी होने तक नए नियमों के आधार पर पदोन्नति देने पर रोक लगा दी है। इस मामले में 15 जुलाई को होने वाली सुनवाई टल गई थी। अब हाईकोर्ट रोस्टर के अनुसार 12 अगस्त को इस मामले पर सुनवाई हो सकती है, हांलाकि अभी सुनवाई की तारीख तय नहीं हुई है।

हाईकोर्ट में सरकार का जवाब पेश

हाईकोर्ट द्वारा 7 जुलाई की सुनवाई के दौरान मांगे गए जवाब को मध्य प्रदेश सरकार पेश कर चुकी है। इस जवाब में नए और पुराने पदोन्नति नियम में अंतर स्पष्ट किए गए हैं। साथ ही हाईकोर्ट से पदोन्नति पर लगी रोक हटाने का आग्रह करने से संबंधित तथ्य भी शामिल किए गए हैं। पिछली सुनवाई में सरकार के वकील कर्मचारियों के अधिवक्ता सुयश मोहन गुरु के सवालों पर जवाब पेश नहीं कर सके थे। वहीं इस बीच राज्य प्रशासनिक सेवा के दो अधिकारियों की याचिका के हाईकोर्ट पहुंचने से सुनवाई में नया मोड़ आना तय हो गया है। ये याचिका राजस्व विभाग के दो अधिकारियों द्वारा लगाई गई हैं। जिनमें पदोन्नति पर लगाई गई रोक हटाने की मांग की गई है। गौरतलब है कि हाई कोर्ट ने 2016 में पदोन्नति नियम 2002 को निरस्त कर दिया था। पदोन्नत कर्मचारियों को पदावनत करने के भी निर्देश थे। चूंकि, सरकार ऐसा नहीं करना चाहती थी इसलिए हाई कोर्ट के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी। यहां से सरकार को इतनी राहत मिली कि जब तक अंतिम निर्णय नहीं हो जाता तब तक यथास्थिति बनाकर रखी जाए। तभी से पदोन्नतियां बंद हैं। सरकार कर रही वरिष्ठ अधिवक्ताओं से परामर्श सरकार ने जून 2025 में नए नियम बनाकर अधिसूचित कर लागू कर दिए लेकिन न तो सुप्रीम कोर्ट में दायर विशेष अनुमति याचिका वापस ली और न ही पुराने नियम से पदोन्नत हुए कर्मचारियों को पदावनत किया। हाई कोर्ट ने नए और पुराने नियम के अंतर को स्पष्ट करने के साथ इस बात पर सरकार से जवाब मांग लिया कि याचिका सुप्रीम कोर्ट से वापस क्यों नहीं ली गई।

इस बार बहनों की पहली पसंद बनी "ऑपरेशन सिंदूर" राखियां

मार्केट में हो रही खूब बिक्री, सोशल मीडिया पर भी कर रहीं ट्रेंड

भोपाल। राजधानी में रक्षाबंधन के त्योहार ने बाजारों में अलग ही रौनक घोल दी है। हर बार की तरह इस बार भी रंग-बिरंगी राखियों से बाजार सजे हैं। लेकिन इस बार बाजारों में सजी राखियों में कुछ अलग सा दिखाई दिया, जिसने सबका ध्यान अपनी ओंर खीचा है। दरअसल, बाजारों में सजी राखियों में इस बार एक खास राखी है, जिसका नाम ''ऑपरेशन सिंदूर'' रखा गया है। यह अनोखी राखी हर कहीं चर्चा का केंद्र बनी हुई है। भोपाल के बाजारों में राखियों की दुकानों पर बहनों की भीड़ लगी है। हालांकि, इस बार सबसे ज्यादा आकर्षण का केंद्र बनी हैं वही राखियां हैं, जिन पर ऑपरेशन सिंदूर लिखा है। दुकानों के बाहर लगे चमकदार पोस्टर देश के जवानों को नमन ये राखी है शहादत के सम्मान में जैसे स्लोगन लोगों का ध्यान खींच रहे हैं। इस राखी की खास बात सिर्फ इसका नाम नहीं, बल्कि इसकी पैकिंग भी कमाल की है। हर पैकेट में राखी के साथ-साथ सिंदूर और चावल (अक्षत) भी शामिल हैं। यह राखी त्याग, संकल्प और शुभता का प्रतीक हैं और जब ये तीनों चीजें एक साथ आती हैं, तो भावना और श्रद्धा का मेल खुद-ब-खुद हो जाता है।

दुकानों पर बहनों की भीड़

बाजारों में राखी खरीद रहीं बहनों का कहना है कि इस बार की राखी सिर्फ एक धागा नहीं, बल्कि देश के लिए गर्व की एक भावनात्मक डोर है। एक बहन भावुक होकर कहती है, जब भारतीय सेना ने ''ऑपरेशन सिंदूर'' के तहत आतंकवादियों को मुंहतोड़ जवाब दिया, तब हम सबने गर्व महसूस किया। अब जब हम अपने भाइयों को ये खास राखी बांधेंगी, तो उसमें देश के उन शहीदों का भी आशीर्वाद होगा, जिन्होंने हमारी सुरक्षा के लिए जान दी।

जिलों में भाजपा को घेरने तैनात होगी टीम

भोपाल। मप्र में भारतीय जनता पार्टी का संगठन काफी मजबूत है। ग्राम स्तर तक ढांचा बना हुआ है। विधानसभा और लोकसभा चुनाव में मिली करारी हार के बाद कांग्रेस संगठन की कमजोरी दूर करने पर सर्वाधिक ध्यान दे रही है। इसके तहत अब प्रत्येक जिले में पांच प्रभारी नियुक्त करने की तैयारी है। यह काम एक माह के भीतर पूरा करने का लक्ष्य रखा है। दरअसल, पार्टी अब पंचायत और वार्ड स्तर पर इकाइयां गठित करने जा रही है। वहीं, संगठन सृजन अभियान के अंतर्गत जिला अध्यक्षों की नियुक्तियां भी इसी माह की जाएंगी। इसके ठीक बाद ब्लाक अध्यक्ष बड़े पैमाने पर बदले जाएंगे। मप्र में चुनाव का सिलसिला 2027 से प्रारंभ होगा। सबसे पहले नगरीय निकाय और त्रिस्तरीय पंचायतराज संस्थाओं के चुनाव होंगे। नगरीय निकाय के चुनाव दलीय आधार पर होते हैं और प्रदेश में विधानसभा चुनाव के लिए माहौल बनाने के साथ दलों की स्थिति की आकलन करने के लिहाज से महत्वपूर्ण होते हैं। कांग्रेस ने पिछले चुनावों से सबक लेते हुए सबसे पहले संगठन को सशक्त बनाने का लक्ष्य रखते हुए वर्ष 2025 को संगठन वर्ष के तौर पर मनाने का निर्णय लिया।

समन्वय के लिए प्रभारी नियुक्त करेगी कांग्रेस पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर विदिशा में वरिष्ठ नेताओं को भेजकर जहां संगठन की स्थिति का आकलन कराया वहीं पंचायत और वार्ड स्तर पर गठित की जाने वाली समितियों की रूपरेखा तय की। वहीं, जिले में निर्वाचन आयोग से जुड़े कामों के लिए भी एक पदाधिकारी तैनात होगा। इसके साथ ही पार्टी जिले में जिला, चुनाव प्रबंधन, विधानसभा, मतदाता सूची और समन्वय के लिए प्रभारी नियुक्त करेगी। विधानसभाओं में प्रभारी नियुक्त कए गए सबकी अलग-अलग भूमिका रहेगी। जिला प्रभारी पूरे संगठन का काम देखेगा तो चुनाव प्रबंधन का काम बूथ लेवल एजेंट बनाने से लेकर मतदाता सूची के काम की निगरानी का रहेगा। इसके लिए प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र का एक प्रभारी रहेगा। 70 से अधिक विधानसभाओं में प्रभारी नियुक्त किए जा चुके हैं। सभी संगठनों के बीज जिले में बेहतर समन्वय हो, इसका जिम्मा एक अलग प्रभारी को दिया जाएगा। कुल मिलाकर प्रदेश में भाजपा से मुकाबले के लिए कांग्रेस अपने संगठन को तैयार करने में जुटी है। वर्षांत तक यह प्रक्रिया पूरी हो जाएगी और फिर मैदानी स्तर पर काम प्रारंभ होगा।

सभी यूनिटों की एक बार होगी बैठक

प्रदेश कांग्रेस के संगठन महामंत्री संजय कामले का कहना है कि वर्ष 2025 में संगठन का विस्तार ग्राम और वार्ड स्तर तक हो जाएगा। अगस्त में अधिकतर नियुक्तियां हो जाएंगी। जिला अध्यक्षों से लेकर हर स्तर के प्रमुख का प्रशिक्षण होगा। पंचायत और वार्ड स्तर की जो नई इकाइयां गठित होंगी उनके अध्यक्षों को जिलों में ही प्रशिक्षित कराया जाएगा। इसके लिए मास्टर ट्रेनर तैयार किए गए हैं। 2026 से मिशन 2028 और 29 की तैयारी में एक साथ पूरी टीम जुटेगी।

790 किलोमीटर रेल ट्रैक होगा एक्सीडेंट प्रूफ

309 करोड़ की लागत से 790 किमी रेल रूट होगा सिक्योर

***भोपाल।** भारतीय रेलवे की सबसे चर्चित सुरक्षा प्रणाली कवच से एमपी का रेल रूट सुरक्षित होने जा रहा है। बीते कुछ समय में हुईं ट्रेन दुर्घटनाओं को देखते हुए रेलवे द्वारा आधुनिक और स्वदेशी ट्रेन प्रोटेक्शन सिस्टम कवच पर तेजी से काम किया जा रहा है। इस कवच सिस्टम जरिए दो ट्रेनें आपस में नहीं टकरातीं और सुरक्षित दूरी पर ठहर जाती हैं। जल्द ही झांसी, आगरा और प्रयागराज रेल मंडलों में भी इसे इनस्टॉल किया जाएगा। भारतीय रेल विभाग ने झांसी आगरा और प्रयागराज रेल मंडल के 14 रेलखंडों में कवच प्रणाली लागू करने को मंजूरी दे दी है। साथ ही इसके लिए लगभग 309 करोड़ रु से अधिक की राशि भी स्वीकृत की है, जिससे इन रेलखंडों के 790 किलोमीटर रेल ट्रैक को सुरक्षित बनाया जा सके। हालांकि, दिल्ली मुंबई और मथुरा कोटा रूट पर यह प्रणाली पहले ही स्थापित की जा चुकी है। 6 साल में कवच से लैस होंगे सभी प्रमुख रेल मार्ग आने वाले 6 सालों में देश भर के प्रमुख मार्गों पर सबसे आधुनिक कवच 4.0 सिस्टम से लैस किए जाने का लक्ष्य है।*

मप्र को संपदा 2.0 सॉफ्टवेयर के लिए मिला राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस स्वर्ण पुरस्कार

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल पर 10 अक्टूबर 2024 को राज्य स्तर पर शुरू किए गए संपदा 2.0 सॉफ्टवेयर ने मध्यप्रदेश को राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया है। इस अभिनव पहल को वर्ष 2025 का ह्रराष्ट्रीय ई-गवर्नेंस पुरस्कारद्ध में ह्रस्वर्णद्ध श्रेणी का सम्मान प्राप्त हुआ है। भारत सरकार के प्रशासनिक सुधार एवं लोक शिकायत विभाग द्वारा यह पुरस्कार गवर्नमेंट प्रोसेस री-इंजीनियरिंग बाय यूज ऑफ टेक्नोलॉजी फॉर डिजिटल ट्रांसफॉर्मेसनश्रेणी में प्रदान किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इस उपलब्धि पर प्रदेशवासियों, वाणिज्यिक कर विभाग, महानिरीक्षक पंजीयन एवं अधीक्षक मुद्रांक तथा परियोजना से जुड़े सभी अधिकारियों-कर्मचारियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि संपदा 2.0 ने मध्यप्रदेश को डिजिटल भूमि प्रबंधन के क्षेत्र में देश में अग्रणी बनाया है। यह पहल न केवल पारदर्शिता और दक्षता बढ़ाएगी।

पैरा कमांडो भर्ती में "अग्निवीरों" को मौका

भोपाल। भारतीय सेना की पैराशूट रेजिमेंट के लिए अग्निवीर भर्ती शारीरिक परीक्षा में उत्तीर्ण अभ्यर्थियों को मौका मिलेगा। जो अभ्यर्थी शारीरिक परीक्षा उत्तीर्ण कर लेंगे, उनमें से जो पैरा रेजिमेंट में पैरा कमांडो बनना चाहेंगे, उनकी शारीरिक परीक्षा ग्वालियर में आयोजित होगी। सेना भर्ती कार्यालय की ओर से कहा गया है कि जिन अभ्यर्थियों ने शारीरिक परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है, वे पैराशूट रेजीमेंट के लिए तैयारी शुरू कर सकते हैं। अग्निवीर भर्ती की मैरिट लिस्ट जारी होने के बाद पैरा कमांडो की भर्ती के लिए शारीरिक परीक्षा का आयोजन होगा। इस बार अक्टूबर से नवंबर के बीच यह भर्ती हो सकती है। 14 अगस्त तक परीक्षा जारी रहेगी बता दें कि अग्निवीर भर्ती के लिए शारीरिक परीक्षा शिवपुरी में चल रही है। इसमें अब तक विभिन्न जिलों के 2518 अभ्यर्थी शामिल हो चुके हैं। शारीरिक परीक्षा में उत्तीर्ण अभ्यर्थियों का मेडिकल परीक्षण हो रहा है। 14 अगस्त तक शारीरिक परीक्षा जारी रहेगी। इसके बाद सितंबर के आखिरी सप्ताह या अक्टूबर के पहले सप्ताह तक परीक्षा परिणाम आ सकता है। इसके तुरंत बाद चयनित अभ्यर्थियों के दस्तावेज परीक्षण होंगे। जिन अभ्यर्थियों को दस्तावेज परीक्षण के लिए बुलाया जाएगा, वही अभ्यर्थी पैरा कमांडो बनने के लिए शारीरिक परीक्षा दे सकेंगे।

न सदन, न सडक पर दिख रहा कांग्रेस का दम

कांग्रेस को मजबूत बनाने की कवायद बेअसर

भोपाल। देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस को फिर से मजबूती से खड़ा करने की कवायद की जा रही है। लेकिन मप्र में इसका असर नहीं दिख रहा है। विधानसभा चुनाव में पार्टी की करारी हार के बाद नेतृत्व में बदलाव किया गया। युवा हाथों में पार्टी की कमान सौंपी गई। उसके बाद कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कांग्रेस में जान फूंकने की कवायद शुरू की, लेकिन कांग्रेस को मजबूत करने की सारी कवायद बेअसर साबित हो रही हैं। न सदन और न ही सडक पर कांग्रेस का दम दिख रहा है। करीब डेढ़ साल पहले कांग्रेस ने जिस तरह संगठन में बदलाव किया था उससे लगा था कि कांग्रेस को मजबूत विपक्ष बनाने की कवायद सफल होगी, लेकिन कांग्रेस पहले से भी कमजोर दिखाई पड़ रही है। जनहित, अपराध, महंगाई जैसे मुद्दों को लेकर वह न सडक पर मजबूती से उतर पा रही है, न विधानसभा में सरकार को घेरने में कामयाब दिखाई दी है। बीते माह भोपाल आए राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर तंज कसते हुए नरेन्दर-सरेंडर का विवादित बयान दिया था, लेकिन उनके लौटते ही कांग्रेस पुराने ढर्रे पर आ गई। भाजपा के अंदरूनी समीकरण में स्पष्ट है कि डा. मोहन यादव विधायक दल से लेकर कैबिनेट तक पूर्ववर्ती मुख्यमंत्री जैसे मजबूत होने का प्रयास कर रहे हैं, यह किसी से छुपा नहीं है। कई अवसरों पर अपने बयानों से मंत्रियों और विधायकों ने सरकार और संगठन की फजीहत कराई है। शिकवे-शिकायतों का दौर भी थम नहीं रहा है। ऐसे मौके विपक्ष के लिए अलग तरीके से बड़े अवसर पैदा करते हैं, लेकिन जीतू पटवारी और उनकी टीम इस दिशा में कोई सफलता प्राप्त नहीं कर सकी है। 90 डिग्री कोण वाले पुल के निर्माण कार्यों में तकनीकी खामी को लेकर भी कई मामले सामने आए। इंटरनेट मीडिया पर इसे पूरे देश ने देखा। अंततः मुख्यमंत्री को आगे जाकर कार्रवाई करनी पड़ीं, लेकिन कांग्रेस इस पूरे मामले पर आगे आने के बजाय दर्शक ही बनी रही। नेतृत्व बदला, लेकिन परिपाटी नहीं मप्र में कांग्रेस की बदलती हुई संस्कृति पर भाजपा का प्रभाव स्पष्ट दिखाई दिया। हाईकमान ने अपनी परिपाटी से अलग चलकर वरिष्ठ नेताओं को दरकिनार किया और जीतू पटवारी जैसे युवा नेता को प्रदेश की कमान सौंप दी। जीतू पटवारी विधानसभा चुनाव हार चुके हैं और विधानसभा के अंदर उनकी मौजूदगी नहीं है, ऐसे में सदन के अंदर भी युवा चेहरों पर भरोसा करते हुए उमंग सिंघार को नेता प्रतिपक्ष और हेमंत कटारे को उप नेता प्रतिपक्ष बनाया गया। उम्मीद थी कि कांग्रेस के युवा चेहरे पहली बार मुख्यमंत्री बने डा. मोहन यादव की सरकार को सीधी टक्कर देंगे। डा. मोहन यादव ने विभागों के बंटवारे में गृह, उद्योग और जनसंपर्क जैसे अहम विभाग अपने पास ही रखे हैं।

सोना-चांदी से ज्यादा अहम है क्रिटिकल मिनरल

मप्र में कई क्षेत्रों में है ऐसे खनिजों के भंडार

भोपाल। आमतौर पर लोगों की नजर में लोहा, सोना, चांदी, तांबा, एल्युमिनियम जैसी धातुएं ही महत्वपूर्ण मानी जाती हैं, लेकिन 30 ऐसे मिनरल भी हैं, जो हमारे देश की सुरक्षा, आर्थिक तरक्की और विकास के लिए बहुत जरूरी हैं। इनके लिए हमें दुनिया के कई देशों के सामने हाथ फैलाने पड़ते हैं। इसलिए भारत सरकार ने ऐसे मिनरल्स को क्रिटिकल मिनरल की श्रेणी में रखा है और भारत भर में उनकी खोज की जा रही है। क्रिटिकल मिनरल ऐसे प्राकृतिक संसाधन होते हैं, जो किसी देश की आर्थिक सुरक्षा, प्रौद्योगिकीय प्रगति और पर्यावरणीय स्थिरता के लिए बहुत जरूरी होते हैं। इनमें एंटीमनी, बेरिलियम, बिस्मथ, कोबाल्ट, तांबा, गैलियम, जर्मेनियम, ग्रेफाइट, हैफनियम, इंडियम, लिथियम, मोलिब्डेनम, नियोबियम, निकल, पीजीई, फॉस्फोरस, पोटाश, आरई, रेनियम, सिलिकॉन, स्ट्रोंटियम, टैंटलम, टेल्यूरियम, टिन, टाइटेनियम, टंगस्टन, वैनेडियम, जिरकोनियम, सेलेनियम और कैडमियम आदि हैं। सुरक्षा उपकरण बनाने में क्रिटिकल मिनरल्स अहम हर देश के लिए क्रिटिकल मिनरल अलग-अलग होता है, जिन देशों में इनकी मात्रा ज्यादा है, उन्हें वह क्रिटिकल मिनरल की सूची में नहीं रखते। भारत में इन सभी अयस्कों को क्रिटिकल मिनरल की सूची में रखा गया है, क्योंकि इनमें से कई धातु ऐसी हैं, जिनका इस्तेमाल इलेक्ट्रॉनिक सामान बनाने में किया जाता है। कुछ मिनरल ऐसे हैं जिनका इस्तेमाल सुरक्षा उपकरण बनाने में किया जाता है। इसलिए इनका महत्व सोने और चांदी से भी ज्यादा है। क्योंकि कुछ काम ऐसे हैं, जो बिना इन धातुओं के नहीं किया जा सकते। क्रिटिकल मिनरल के बारे में क्या कहते हैं भू वैज्ञानिक जियोलॉजिस्ट कनकना ने बताया कि आज भी भारत इन सभी क्रिटिकल मिनरल के लिए दुनिया के कई दूसरे देशों पर निर्भर है। भारत सरकार आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत देश में इन सभी मिनरल्स की खोज कर रहा है ताकि हम विदेशी मुद्रा बचा सकें और इन अयस्कों के लिए हमें किसी देश के सामने झुकना ना पड़े। भारत अभी अमेरिका से भी बहुत से ऐसे अयस्क लेता है। भारत सरकार के अमेरिका के साथ ऐसे कई समझौते हैं। भारत कई अंतरराष्ट्रीय संगठनों का सदस्य है, जहां इन मिनरल्स के उत्पादन और ट्रेड को किया जाता है। कनकना ने बताया कि अभी उनके पास यह जानकारी नहीं है कि अमेरिका ने भारत पर जो टेरिफ बढ़ाया है, उसका इन अयस्कों के व्यापार पर कितना प्रभाव पड़ेगा। अभी इस मामले में कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी।

कार्यालय नगर निगम, भोपाल (विद्युत शाखा)

आई.एस.बी.टी. गोविंदपुरा

अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना द्वितीय

क्रमांक 140 /वि.शा./2025 — भोपाल, दिनाँक 08.08.2025

निम्नलिखित कार्य हेतु दो लिफाफा पद्धति के अनुसार परसेन्टेज/आयटमरेट मोहरबंद निविदायें निर्धारित प्रपत्र पर ऑनलाईन आमंत्रित की जाती हैं-

क्र.	ऑनलाईन टेण्डर नं.	कार्य स्थल का नाम	अनुमानित राशि	धरोहर राशि	निविदा प्रपत्र की कीमत	ठेकेदार की श्रेणी	कार्य हेतु निर्धारित एस ओ आर	निविदा की अवधि	कार्य की अवधि
1	2025_UAD_437514_2	Shifting Of 33 Kv At Ward No. 61 Awadhpuri Under Vallabh Nagar Bhopal (second Call)	210464/-	2110/-	2000/-	Registered Electrical Contractor in Centralized Registration system in MPPWD Having valid electrical License	MPUADD Electrical SOR 2021 and NON SOR	7 दिवस	1 माह

नियम एवं शर्तेः-

निविदा प्रपत्र की निर्धारित राशि / धरोहर राशि एवं अन्य आवश्यक दस्तावेज ऑनलाईट प्रस्तुत करने होंगे। समस्त विस्तृत जानकारी www.mptenders.gov.in पर देखी जा सकती है। यदि किसी प्रकार का संशोधन होता है तो वह वेबसाईट पर प्रदर्शित होगा। वह पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशित नही किया जायेगा।

नि.क्र. 2047/025/026

सहायक यंत्री (वि.)
नगर निगम, भोपाल

स्वत्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रामपाल सिंह परमार द्वारा जय माता प्रिंटर्स, 28, कुम्हारपुरा, चर्च रोड, जिंसी चौराहा, जहांगीराबाद, भोपाल, मध्यप्रदेश से मुद्रित एवं 49 वर्धमान ग्रीन एन्क्लेव दामखेड़ा, सागर लैंड मार्क के पास अयोध्या बायपास, भोपाल (मप्र) से प्रकाशित। संपादक रामपाल सिंह परमार। समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार (समस्त न्यायिक मामलों का क्षेत्र भोपाल न्यायालय रहेगा) फोन नं. - 8770932048